# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 29 मई 2026

# लक्षद्वीप में अब समुद्र पर उतरेगा विमान! मालदीव जैसा बनेगा टूरिज्म हब

## केंद्र सरकार ने द्वीपसमूह में सीप्लेन सेवा शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीले समंदर, सफेद रेत और क्रिस्टल जैसी साफ लैगून के बीच अब विमान उतरते दिखाई दे सकते हैं। भारत का खूबसूरत द्वीपीय क्षेत्र लक्षद्वीप जल्द ही मालदीव की तर्ज पर सीप्लेन टूरिज्म का नया हब बनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने द्वीपसमूह में सीप्लेन सेवा शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। खबर के मुताबिक, पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने 6 द्वीपों पर 'वाटर एयरोड्रम' परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी देने की सिफारिश की है। अगर अंतिम मंजूरी मिल जाती है तो पर्यटक सीधे समुद्र के बीच बने लैगून में उतर सकेंगे और लक्षद्वीप का पर्यटन पूरी तरह बदल जाएगा।

### 6 द्वीपों पर वाटर एयरोड्रम परियोजना

भारत के सबसे खूबसूरत द्वीपीय क्षेत्रों में शामिल लक्षद्वीप अब पर्यटन के नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति ने 20 मार्च को लक्षद्वीप के 6 द्वीपों पर 'वाटर एयरोड्रम' परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी देने की सिफारिश की है। इससे आने वाले समय में कोच्चि से सीधे समुद्र के रास्ते सीप्लेन उड़ानें शुरू होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

### कोच्चि से जुड़ेगा पूरा द्वीपसमूह

प्रस्तावित सीप्लेन नेटवर्क के तहत कोच्चि को कवारत्ती, कल्पेनी, किल्तान, कदमत, मिनिकॉय और अगत्ती द्वीपों से जोड़ा जाएगा। अभी तक लक्षद्वीप पहुंचने के लिए पर्यटकों को सीमित उड़ानों या लंबी समुद्री यात्रा पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन सीप्लेन सेवा शुरू होने के बाद द्वीपों के बीच सफर बेहद आसान और तेज हो जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि इससे लक्षद्वीप अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और मजबूती से उभरेगा।

**मालदीव मॉडल पर तैयार हो रही योजना** : इस परियोजना की तुलना अब मालदीव मॉडल से की जा रही है, जहां सीप्लेन लक्जरी पर्यटन की पहचान बन चुके हैं। अगर सभी अंतिम मंजूरियां मिल जाती हैं, तो पर्यटक सीधे नीले लैगून और समुद्री किनारों के पास उतर सकेंगे। इससे लक्षद्वीप का पर्यटन अनुभव पूरी तरह बदल जाएगा और विदेशी पर्यटकों को भी नया आकर्षण मिलेगा।

### पहली ट्रायल फ्लाइट ने बढ़ाया उत्साह

दरअसल, इस योजना की नींव पहले ही रखी जा चुकी है। 13 मई को कोच्चि और लक्षद्वीप के बीच पहली बार सफल सीप्लेन ट्रायल उड़ान का संचालन किया गया था। डीएचसी 6-400 ट्विन ऑटर विमान पहले अगत्ती पहुंचा और बाद में कवारत्ती के लैगून में सफलतापूर्वक उतरा। इसे लक्षद्वीप के परिवहन इतिहास का ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है।

**आधुनिक होंगे वाटर एयरोड्रम** : इन 'वाटर एयरोड्रम' को पारंपरिक एयरपोर्ट की तरह विकसित नहीं किया जाएगा। यहां छोटे यात्री टर्मिनल, फ्लोटिंग वॉकवे और सीप्लेन डॉकिंग सुविधाएं बनाई जाएंगी, ताकि समुद्र के भीतर सुरक्षित संचालन किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह मॉडल पर्यावरण के अनुकूल और पर्यटन केंद्रित होगा।

### पीएम मोदी की यात्रा के बाद बढ़ी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनवरी 2024 की लक्षद्वीप यात्रा के बाद द्वीपों को लेकर देश और दुनिया में जबरदस्त चर्चा हुई थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों ने लक्षद्वीप को नया पर्यटन ब्रांड बना दिया। अब सीप्लेन सेवा शुरू होने के बाद यह द्वीपसमूह भारत का अगला बड़ा प्रीमियम बीच डेस्टिनेशन बन सकता है।

**हजारों पर्यटकों के आने का अनुमान**

यात्री संख्या के अनुमान भी बेहद उत्साहजनक हैं। कवारत्ती में हर साल 16 हजार से अधिक यात्रियों के आने की संभावना जताई गई है, जबकि अगत्ती, कल्पेनी और किल्तान में करीब 8-8 हजार यात्रियों की आवाजाही का अनुमान है। इससे स्थानीय रोजगार, होटल उद्योग और समुद्री पर्यटन को भी बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

---

## खबर संक्षेप

### भोजशाला पर सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए एक नई याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि धार जिले का विवादित भोजशाला परिसर देवी सरस्वती का मंदिर है। जेब्रान अंसारी नामक एक व्यक्ति ने उच्च न्यायालय के 15 मई के आदेश को चुनौती दी है। इससे पहले, मस्जिद के कार्यवाहक काजी मोइनुद्दीन ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। हिंदू पक्ष ने पहले ही उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट दायर कर कहा है कि भोजशाला परिसर विवाद मामले में उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ किसी भी अपील पर बिना उसका पक्ष सुने कोई आदेश पारित न किया जाए।

### अमृतसर में आप नेता पर गोली चलाई गई, गंभीर

**अमृतसर।** पंजाब में बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी के एक नेता को अज्ञात लोगों ने कथित रूप से गोली मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि वार्ड नंबर 42 के पार्टी प्रभारी जयपाल सिंह बाऊ पर कुछ महीने पहले कार पार्किंग को लेकर पड़ोसी से हुए विवाद के वजह से कथित तौर पर हमला किया गया। अधिकारी ने बताया कि बाऊ पर जान से मारने की नीयत से दो गोलियां चलाई गईं।

### 'मिया मुसलमानों' संबंधी टिप्पणी पर सरमा को नोटिस

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने 'मिया मुसलमानों' संबंधी टिप्पणी को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को नोटिस जारी किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सोनू अग्निहोत्री ने कार्यकर्ता हर्ष मंदर द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शर्मा को नोटिस जारी किया। यह याचिका मजिस्ट्रेट अदालत के 20 अप्रैल के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें भाजपा नेता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया गया था। मंदर ने आवेदन में यह भी दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर यह कहकर 'मियां' समुदाय के खिलाफ लोगों को भड़काया।

---

### ईरान के साथ मिलकर टोल वसूली सिस्टम में कर रहा है समझौता

# ट्रंप ने अब ओमान को दी उड़ाने की धमकी कहा- होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओमान को धमकी दी कि अगर उसने ईरान के साथ मिलकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को कंट्रोल करने की कोशिश की तो सैन्य कार्रवाई होगी। ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी। दरअसल ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से फीस वसूलने के लिए ओमान के साथ मिलकर एक सिस्टम तैयार करने पर बातचीत कर रहा है। अमेरिका ने ईरान के बंदर अब्बास शहर में 48 घंटे में दूसरी बार सैन्य हमले किया। वहीं इधर इजराइल ने भी लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं।

### मुझे चुनाव की परवाह नहीं है : ट्रंप

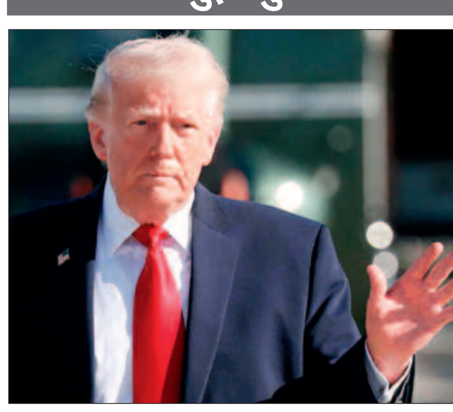

व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'ईरान को लगा था कि वे मुझे इंतजार करवाकर थका देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ईरान अब सिर्फ समझौता करना चाहता है।

**होर्मुज अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है** : कैबिनेट बैठक के दौरान पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह एक अल्पकालिक समझौते को स्वीकार करेंगे जो ईरान और ओमान को महत्वपूर्ण जलमार्ग पर नियंत्रण करने की अनुमति देगा। इस पर ट्रंप बोले, नहीं, जलडमरूमध्य सभी के लिए खुला रहेगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। इस पर किसी का नियंत्रण नहीं होगा। हम इस पर नजर रखेंगे। यह ईरान के साथ हमारी बातचीत का हिस्सा है।

### ओमान अगर नहीं माना तो उड़ा देंगे

ट्रम्प ने कहा कि हम होर्मुज पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

### संघर्षविराम बढ़ाने मोटे तौर पर सहमत

अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के बीच 60 दिनों के लिए संघर्षविराम बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने के लिए मोटे तौर पर सहमति बन गई है। मामले से परिचित एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि अभी इस सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अंतिम मंजूरी बाकी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच मोटे तौर पर यह सहमति ऐसे वक्त बनी है, जब अमेरिका और ईरान के बीच नाजुक संघर्षविराम डगमगाता हुआ दिखाई दे रहा है।

### ईरान और अमेरिका ने एक दूसरे पर किए ड्रोन हमले

ईरान ने जहां अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान ने हॉर्मुज इलाके में एक अमेरिकी कमर्शियल जहाज को निशाना बनाने के लिए चार ड्रोन भेजे थे। अमेरिकी सेना ने इन्हें रास्ते में ही मार गिराया। अमेरिका ने होर्मुज के पास स्थित ईरान के रणनीतिक बंदरगाह शहर बंदर अब्बास के पूर्वी इलाके में तीन धमाके किए। इसके बाद आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी हमले के जवाब में उस अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाया गया है जहां से बंदर अब्बास पर हमले किए गए थे। दावा किया जा रहा है कि यह एयरबेस कुवैत में है।

### अमेरिकी सेना क्या बोली?

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड यानी प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा, 'प्रिसीजन स्ट्राइक्स सीधे मिसाइल लॉन्च साइट्स और उन ईरानी जहाजों पर की गईं जो समुद्री माइंस लगाने की कोशिश कर रहे थे. यह ऑपरेशन अमेरिकी सैनिकों को आसन्न खतरे से बचाने के लिए किया गया।'

### ईरान ने भी किया पलटवार

ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स यानी आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी हमले के जवाब में उस अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाया गया है जहां से बंदर अब्बास पर हमले किए गए थे। दावा किया जा रहा है कि यह एयरबेस कुवैत में है।

### लेबनान पर इजराइल का हमला

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने भी लेबनान पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। ऐसा माना जा रहा है कि अगर अमेरिका और ईरान की बीच युद्ध होता है तो इजराइल भी लेबनान में सीजफायर तोड़ देगा।

---

### नीट पेपर लीक के मामले पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई उच्च-स्तरीय बैठक

# राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली परीक्षाओं को लॉजिस्टिक सहयोग देंगी सेनाएं!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक विवाद के मामले पर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। जिसमें यह तय किया गया है कि अब इस महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर एक प्रकार से पूरी कमान प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के हाथ में रहेगी। वह पेपर सेटिंग के बाद प्रिंटिंग, ट्रांसपोर्टेशन से लेकर छात्रों के हाथ में अंतिम रूप से पेपर पहुंचने तक की समूची प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी बनाए रखेंगे। साथ ही बैठक में अलग-अलग समय पर देशभर में आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में जरूरत पड़ने पर सशस्त्र सेनाओं से लॉजिस्टिक सहयोग लेने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले पर लगातार कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। जिसमें संबंधित अधिकारी हर छोटी-बड़ी अपडेट उन तक पहुंचा रहे हैं।

### 40 मिनट तक चली बैठक

सूत्रों ने बताया कि राजनाथ सिंह के आवास पर हुई बैठक कुल करीब 40 मिनट तक चली। जिसमें रक्षा मंत्री के अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में उच्च-शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी और प्रधानमंत्री कार्यालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

### फीस रिफंड पाने की तारीख 22 जून की

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने फीस रिफंड पाने के लिए बैंक अकाउंट की जानकारी जमा करने की आखिरी तारीख को आगे बढ़ा दिया है।अब स्टूडेंट्स 22 जून की रात 11:50 बजे तक अपनी बैंक डिटेल्स दे सकते हैं। स्टूडेंट्स को रिफंड लिंक पर जाने के लिए पोर्टल पर लॉग-इन क्रेडेंशियल का इस्तेमाल करना होगा। बैंक अकाउंट की जानकारी पक्की करने के लिए कैंसिल्ड चेक भी अपलोड कर सकते हैं।

---

# कल्याण पर दुर्व्यवहार का आरोप काकोली ने बिरला से की शिकायत

### टीएमसी के अंदर असंतोष चरम पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने गुरुवार को अपने सहयोगी सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को शिकायत दी है। बारासात से सांसद दस्तीदार ने लोकसभा में टीएमसी के मुख्य सचेतक बनर्जी पर बार-बार महिला सांसदों के साथ दुर्व्यवहार करने अपमान करने का आरोप लगाया है। अपने हाथ से लिखे पत्र में दस्तीदार ने बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें दंडित करने की मांग की है।

**हाल में दिया है पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा** : काकोली घोष दस्तीदार ने यह शिकायत तब दर्ज कराई है, जब उन्होंने एक दिन पहले ही टीएमसी में सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने क्षेत्र में पार्टी के खराब चुनावी प्रदर्शन की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए बारासात संसदीय जिले के अध्यक्ष पद और अखिल भारतीय तृणमूल महिला कांग्रेस के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दिया था।

### पत्र में दस्तीदार ने क्या लिखा?

काकोली घोष ने बिरला को भेजे पत्र में लिखा, मैं आपसे अनुमति चाहती हूं कि मैं टीएमसी के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी के खिलाफ न्याय के लिए एक औपचारिक शिकायत दर्ज करा सकूं, जिन्होंने लोकसभा के भीतर बार-बार मेरे साथ मौखिक दुर्व्यवहार किया है। यह महिला-विरोधी रवैया कई महिला सदस्यों के साथ अपनाया गया है और इसके लिए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। हालांकि, अभी तक दस्तीदार या बनर्जी की ओर से कोई सार्वजनिक बयान नहीं आया है।

---

# मुस्लिमों ने मनाई ईद-उल-अजहा

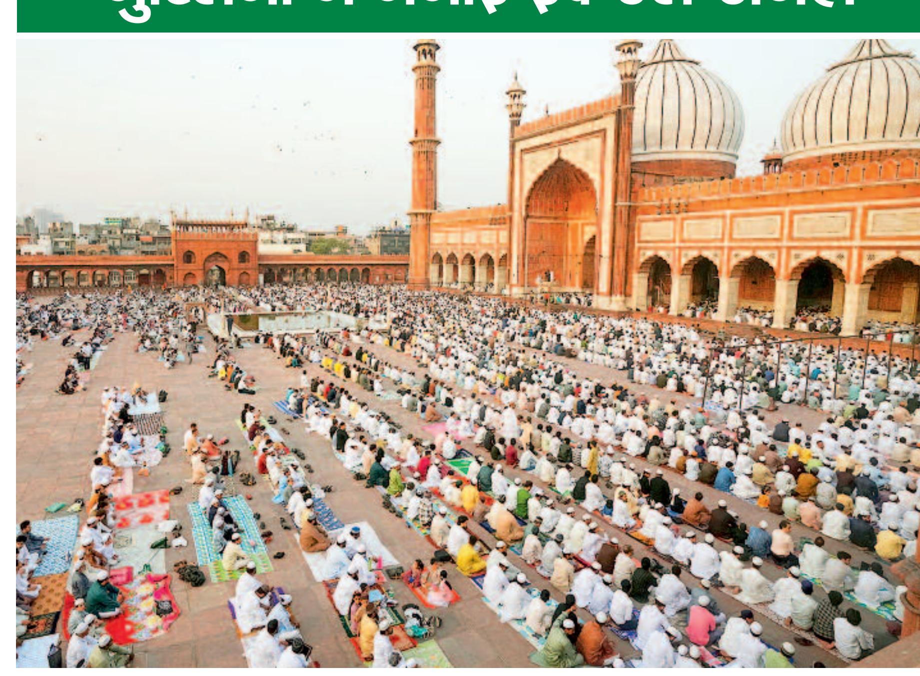

*नई दिल्ली। देशभर में मुस्लिम समुदाय ने बृहस्पतिवार को सुबह की विशेष नमाज के लिए मस्जिदों और खुले मैदानों में बड़ी संख्या में एकत्र होकर ईद-उल-अजहा (बकरीद) मनाई। देश भर की मस्जिदों में हजारों नमाजी इकट्ठा हुए और सुबह सामूहिक नमाज में शामिल होकर ''कुर्बानी के इस त्योहार'' की शुरुआत की। बकरीद के मौके पर लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर बधाई दी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुस्लिम समुदाय को शुभकामनाएं दीं।*

---

### सिर कटी युवती की लाश व कार्रवाई पर पुलिस की जांच पर उठे सवाल

# जिसकी हत्या के आरोप में पिता-भाई जेल में, वह 'शिवानी' मिली जिंदा

एजेंसी ▶▶ इंदौर

महाराष्ट्र पुलिस की जांच में बड़ी चूक का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिस युवती की हत्या मानकर उसके पिता और भाई को जेल भेज दिया गया था, वह युवती अचानक जिंदा हालत में मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में खकनार थाने पहुंच गई। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और पूरी जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र पुलिस की जांच प्रक्रिया और पहचान संबंधी कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उस सिर कटी लाश की वास्तविक पहचान और असली आरोपियों तक पहुंचने की है।

### हत्या के आरोप में पिता-भाई को बनाया आरोपी

बताया जा रहा है कि जलगांव जामोद थाना पुलिस ने शिवानी नाम की युवती की कथित हत्या के आरोप में उसके पिता बापूराम कलमेकर और भाई अजय को गिरफ्तार कर बुलढाणा जेल भेज दिया था लेकिन बुधवार शाम शिवानी खुद खकनार थाने पहुंच गई, जिसे देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए।

### थाने में सामने आई तो पुलिस रह गई स्तब्ध

खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने जब युवती को देखा तो कुछ देर के लिए वे भी चौंक गए। बाद में परिवार के सदस्यों को बुलाकर उसकी पहचान कराई गई। आधार कार्ड में दर्ज फिंगरप्रिंट से मिलान करने पर पुष्टि हुई कि वह वास्तव में शिवानी ही है। घटना की सूचना मिलते ही गुरुवार सुबह महाराष्ट्र पुलिस बुरहानपुर पहुंची और युवती को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गई।

**सिर कटी मिली लाश, किया अंतिम संस्कार** : जानकारी के मुताबिक, शिवानी अप्रैल महीने में अपने प्रेमी अरुण के साथ घर से चली गई थी। काफी तलाश के बाद स्वजन ने एक मई को खकनार थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। करीब दस दिन बाद महाराष्ट्र पुलिस ने दावा किया कि उन्हें एक सिर कटी और जली हुई युवती की लाश मिली है, जिसकी पहचान शिवानी के रूप में की गई। इसी आधार पर उसके पिता और भाई को पूछताछ के लिए ले जाया गया और बाद में हत्या का आरोपी बनाकर जेल भेज दिया गया।

### अब बड़ा सवाल: अज्ञात शव किसका था?

मामले ने एक और बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, जिस अज्ञात युवती का शव मिला था, उसकी असली पहचान क्या है? अब तक उस शव की पहचान नहीं हो पाई है, जिससे यह मामला और जटिल हो गया है। पुलिस के सामने अब सिर कटी युवती की लाश की पहचान करना और मामले के आरोपियों को गिरफ्तार करने की चुनौती है।

**गुमशुदा प्रेमी से संपर्क के बाद खुला राज** : सूत्रों के अनुसार, खकनार पुलिस ने गुमशुदा बताए गए अरुण से संपर्क किया और मामले की जानकारी दी। इसके बाद शिवानी खुद थाने पहुंची और पूरा मामला सामने आ गया।

**अब होगी डीएनए जांच** : हालांकि शिवानी के जिंदा मिलने के बाद भी उसके पिता और भाई की रिहाई तुरंत संभव नहीं मानी जा रही है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, अब महाराष्ट्र पुलिस शिवानी का डीएनए परीक्षण कराएगी। रिपोर्ट कोर्ट में पेश होने और न्यायालय के समक्ष युवती के बयान दर्ज होने के बाद ही दोनों की रिहाई पर फैसला हो सकेगा।

---

### *हर्ष दिल्ली, अर्चना हरियाणा, अभिषेक त्रिपुरा ढिल्लों पंजाब के भाजपा अध्यक्ष*

# दिल्ली, पंजाब समेत 4 राज्यों को मिले नए भाजपा अध्यक्ष

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी अब आने वाले चुनावों से पहले अपने संगठन को नए तरीके से मजबूत करने में जुट गई है। इसी कड़ी में पार्टी ने गुरुवार को बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान कर दिया। बीजेपी के इस फैसले को सिर्फ सामान्य नियुक्ति नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे आने वाले समय में बड़े संगठनात्मक बदलाव की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी अब राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक नई टीम तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इन सभी नियुक्तियों का ऐलान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने अलग-अलग नोटिफिकेशन जारी कर इन नामों की घोषणा की।

### किन नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी?

बीजेपी ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री और सांसद हर्ष मल्होत्रा को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वहीं हरियाणा में अर्चना गुप्ता को राज्य इकाई की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा त्रिपुरा में अभिषेक देबरॉय को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए केवल सिंह ढिल्लों को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पुरुषों की तुलना में महिलाओं की जीवन प्रत्याशा अधिक

लंबे समय तक जिंदा रहने की उम्मीद को ही जीवन की प्रत्याशा कहा जाता है, लेकिन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है।

**छत्तीसगढ़ में जीवन की प्रत्याशा में पिछले चार साल में आई है कमी**

भारत में औसत जीवन प्रत्याशा धीरे-धीरे बढ़ रही है, लेकिन छत्तीसगढ़ अब भी उन राज्यों में शामिल है जहां लोगों की औसत आयु राष्ट्रीय औसत से कम बनी हुई

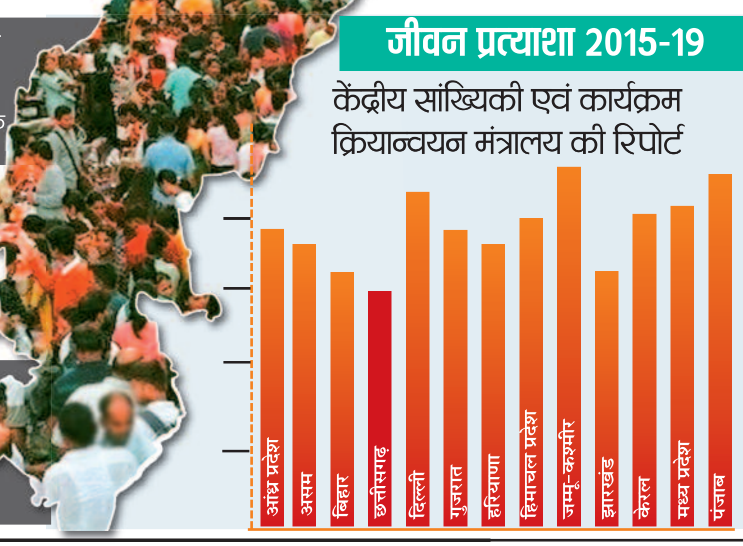


| प्रदेश | व्यक्ति |
|---|---|
| आंध्र प्रदेश | 18.5 |
| असम | 17.1 |
| बिहार | 16.3 |
| छत्तीसगढ़ | 15.5 |
| दिल्ली | 21.3 |
| गुजरात | 19 |
| हरियाणा | 18.9 |
| हिमाचल प्रदेश | 20.1 |
| जम्मू-कश्मीर | 21.6 |
| झारखंड | 17.3 |
| कर्नाटक | 17.4 |
| केरल | 19.7 |
| मध्य प्रदेश | 17.6 |

▶▶| शेष पेज 5 पर

### छग में क्या कहते हैं आंकड़े?

रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ में 2012-16 के दौरान 60 वर्ष के बाद औसत जीवन प्रत्याशा 15.6 वर्ष थी। 2013-17 में यह 15.5 वर्ष रही, 2014-18 में 15.4 वर्ष और 2015-19 में फिर 15.5 वर्ष दर्ज की गई। यानी लगभग एक दशक में राज्य में कोई बड़ा सुधार दिखाई नहीं देता। पुरुषों की तुलना में महिलाओं की जीवन प्रत्याशा अधिक रही, लेकिन राष्ट्रीय स्तर की तुलना में यह अंतर भी कम है। 2015-19 में छत्तीसगढ़ में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा 14.5 ▶▶| शेष पेज 5 पर

# 60 साल के बाद औसत आयु...यानी जीवन प्रत्याशा छग में सबसे नीचे, टॉप पर दिल्ली

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

अलग खबर

जीना कौन नहीं चाहता, लंबा जीवन सभी जीना चाहते हैं, लेकिन जीवन कब तक रहेगा इस पर किसी का जोर नहीं चलता। लंबे समय तक जिंदा रहने की उम्मीद को ही जीवन की प्रत्याशा कहा जाता है, लेकिन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में जीवन की प्रत्याशा में पिछले चार साल में कमी आई है। यही नहीं, देश की जीवन प्रत्याशा से काफी कम छत्तीसगढ़ की है। इस मामले में दिल्ली टॉप पर है। करीब दो साल पहले राज्य सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी यही संकेत मिले थे। भारत में औसत जीवन प्रत्याशा धीरे-धीरे बढ़ रही है, ▶▶| शेष पेज 5 पर

### छत्तीसगढ़ में कम जीवन प्रत्याशा की क्या वजह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि छत्तीसगढ़ में कम जीवन प्रत्याशा के पीछे कई सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कारण हैं। राज्य के आदिवासी और दूरस्थ इलाकों में अब भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित है। कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया और टीबी जैसी बीमारियां लंबे समय से चुनौती बनी हुई हैं। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर ▶▶| शेष पेज 5 पर

## खबर संक्षेप

### फ्रांस दौरे पर जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

**नई दिल्ली।** पीएम मोदी अगले महीने फ्रांस और स्लोवाकिया के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह फ्रांस में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और दोनों देशों के नेताओं के साथ अहम बैठकें करेंगे। फ्रांस के खूबसूरत शहर एवियां-ले-बैंस में 15 से 17 जून तक 52वां जी7 सम्मेलन आयोजित होगा।

### गंगा में 15 लोगों से भरी नाव डूबी, 3 मौतें

**पटना।** पटना, बिहार के बाढ़ में गंगा में नाव पलटने से 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई। जबकि 4 लापता बताए जा रहे हैं। 7 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर करीब 14 लोग सवार थे। जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। हादसा बाढ़ के उमानाथ इलाके में हुआ है। नाव पर बचाव के उपकरण भी नहीं थे।

### केन्या के स्कूल में आग, 16 छात्राओं की मौत, 73 घायल

**नैरोबी।** केन्या के सेंट्रल इलाके में एक गर्ल्स बोर्डिंग स्कूल में आग लगने सें 16 छात्राओं की मौत हो गई, जबकि 73 घायल हो गईं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह आग गुरुवार तड़के करीब 1 बजे गिलगिल इलाके के उतुमिशी गर्ल्स एकेडमी सीनियर स्कूल में लगी। हालांकि घटना की जानकारी दो घंटे बाद दी गई। केन्या रेड क्रॉस ने बताया कि राहत और बचाव टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं।

### जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में फाइटिंग कराएंगे ट्रंप

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 14 जून को 80 साल के हो जाएंगे। इस मौके पर व्हाइट हाउस में अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) के मुकाबले कराए जाएंगे। यूएफसी दुनिया की सबसे बड़ी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) संस्था है। इसमें अलग-अलग फाइटिंग खेलों के खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करते हैं।

### इबोला पर राहत की खबर! रिपोर्ट आई निगेटिव

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद से इबोला वायरस को लेकर राहत की खबर सामने आई है। अफ्रीकी देश कांगो से भारत आए 37 साल के कारोबारी अमूरी लोकुला की इबोला जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। संदिग्ध लक्षण मिलने के बाद उन्हें अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कांगो से भारत लौटे अमूरी लोकुला करीब 11 दिन पहले सबसे पहले मुंबई पहुंचे थे। इसके बाद वह अपने काम के सिलसिले में सिलवासा और दमन भी गए।

शांति से सत्ता परिवर्तन, अब होगा शिव का राज

# कर्नाटक में बिना नाटक ढाई साल का फार्मूला हिट, सिद्धारमैया का इस्तीफा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

*कर्नाटक की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत हो रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बेंगलुरु के लोक भवन में कैबिनेट सहयोगियों के साथ एक अहम 'पावर ब्रेकफास्ट' बैठक के बाद इस्तीफे का फैसला लिया। अब यह तय माना जा रहा है कि सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद अब डीके शिवकुमार कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनेंगे। इस फेरबदल में प्रियंका गांधी वाड्रा ने अहम भूमिका निभाई है।*

आलाकमान के कहने के बाद दो बार के सीएम रहे सिद्धरमैया ने यहां लोक भवन में राज्यपाल के राज्यपाल थावरचंद गहलोत की अनुपस्थिति में विशेष सचिव प्रभु शंकर को इस्तीफा सौंप दिया है। विशेष सचिव को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद उपमुख्यमंत्री और अपने उत्तराधिकारी डी के शिवकुमार के साथ उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। सिद्धरमैया ने कहा, 'मैंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार उनका इस्तीफा स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने बार-बार कहा था कि जब भी पार्टी आलाकमान मुझे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। त्यागपत्र देने से पहले सिद्धरमैया ने अपने सरकारी निवास पर मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के लिए आयोजित जलपान में मंत्रियों को पद छोड़ने के अपने फैसले से अवगत कराया ▶▶| शेष पेज 5 पर

### सिद्धारमैया ने मीडिया को दी फैसले की जानकारी, शिवकुमार ने लिया आर्शीवाद

#### हमारी पार्टी के पास पूर्ण बहुमत

सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी पार्टी के 135 विधायक हैं। इसके साथ दो अन्य विधायक ने हमें समर्थन दिया है। ऐसे में हमारी पार्टी के पास पूर्ण बहुमत है। हमारे सभी विधायक एकजुट हैं। मुझे कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों की सेवा करने का दो बार मौका मिला है।

#### सिद्धारमैया को लेकर दिल्ली जा रही फ्लाइट जयपुर उतरी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया की फ्लाइट दिल्ली नहीं पहुंच पाई। खराब मौसम के चलते उनके स्पेशल विमान को जयपुर में लैंड करना पड़ा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने यह जानकारी दी है।

#### '20 सालों में आप पर बहुत चिल्लाया, दिल पर मत लेना'

मीटिंग में सिद्धारमैया भावुक हो गए। उन्होंने कैबिनेट के अपने सहयोगियों से कहा कि पिछले 20 सालों में मैं आप सब पर चिल्लाया हूं, गुस्सा हुआ हूं। लेकिन ये सब मैंने पार्टी हित के लिए किया है। ये सब कुछ भी निजी नहीं था।। इन सब वर्षों में आपने मुझे सपोर्ट किया है, आप सभी को धन्यवाद।' उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल प्रियंका को भी धन्यवाद दिया।

#### राज्यसभा जाने से किया इंकार

मीडिया से बात करते हुए सिद्धारमैया ने साफ किया कि वे कर्नाटक की जनता की सेवा करना जारी रखेंगे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस हाईकमांड ने उन्हें दिल्ली में राज्यसभा की सीट और राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने इसे विनम्रता से मना कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की कोशिश सिद्धारमैया को दिल्ली की राजनीति में लाने की है, इसके लिए उन्हें राज्यसभा का सांसद बनने का ऑफर दिया गया है। हालांकि सिद्धारमैया दिल्ली जाने के इच्छुक नहीं हैं।

#### प्रियंका ने दिलाई शिव को सत्ता

*सूत्रों के अनुसार जब राहुल गांधी के साथ चर्चा में बात नहीं बनी तो शिवकुमार प्रियंका गांधी के पास पहुंच गए और फिर उनके हस्तक्षेप से कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन हुआ। डीके शिवकुमार पिछले काफी समय से कर्नाटक की सत्ता हाथ में लेने के प्रयास में थे। यहां की कुर्सी ढाई-ढाई साल के लिए 2 गुटों में बंटी हुई है। सूत्रों के अनुसार, प्रियंका गांधी ने ही राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को राजी किया कि कर्नाटक की सत्ता डीके शिवकुमार को सौंपी जाए।*

सीतापुर विधायक पर गैर जमानती धाराओं के तहत अपराध दर्ज

# भाजपा विधायक पर जुर्म दर्ज थाने का घेराव, सियासी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/सीतापुर

जिले में अधिकारी और जनप्रतिनिधि आमने सामने आ गये हैं। नायब तहसीलदार की शिकायत के बाद विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो समेत 12 लोगों के खिलाफ गैर जमानती धाराओं के तहत अपराध दर्ज हो गया है जबकि इसके पहले विधायक की बहन की शिकायत पर पुलिस ने नायब तहसीलदार तुषार मानिक के खिलाफ भी अपराध दर्ज किया है। इधर विधायक ने अपने ऊपर लगे मारपीट के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। दर्ज किए गए अपराध को वापस लेने की मांग को लेकर भाजपा और युवा मोर्चा ने ▶▶| शेष पेज 5 पर

### चुनाव जीतने का अर्थ यह नहीं कि जो चाहो वही होगा : टीएस

नायब तहसीलदार की पिटाई और विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने को लेकर प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का भी बयान सामने आया है। पूर्व डिप्टी सीएम श्री सिंहदेव ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि अपराध दर्ज हुआ है तो कहीं ना कहीं कोई घटना घटित हुई होगी। जहां आपके पास मतदाताओं ने सत्ता में रहकर उनकी देखरेख करने की जवाबदारी दी है। जिन माध्यम से ▶▶| शेष पेज 5 पर

### एफआईआर निरस्त करने की मांग

*विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो के खिलाफ अपराध दर्ज होने के बाद जिले में हड़कंप मच गया है। राजनैतिक गलियारे में भी हलचल है। इस घटना के बाद भाजपा विधायक के ऊपर दर्ज अपराध को निरस्त करने की मांग की। मांगों को लेकर भाजपा व भाजयुमों ने सीतापुर थाना का घेराव किया। भाजपा कार्यकर्ताओ ने नेशनल हाईवे भी कुछ देर के लिए जाम कर दिया, लेकिन पुलिस की समझाइश के बाद भाजपा कार्यकर्ता शांत हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि घटना के दौरान विधायक द्वारा नायब तहसीलदार को बचाने का प्रयास किया गया लेकिन नायब तहसीलदार ने दुर्भावनावश अपराध दर्ज कराया गया। भाजपा ने मांग पूर्ण नहीं होने पर 48 घंटे के बाद एनएच 43 पर चक्का जाम और उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी है।*

रायपुर से पिकनिक मनाने पहुंचे थे चार दोस्त

# पिकनिक मनाने गए युवक-युवती की कूकदा डैम में डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पांडुका

गरियाबंद जिले के पांडुका थाना क्षेत्र स्थित पैरी नदी के कूकदा पिकअप वियर में गुरुवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। रायपुर से पिकनिक मनाने पहुंचे चार दोस्तों में शामिल एक युवक और एक युवती की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

रायपुर के शंकर नगर क्षेत्र से चार युवक-युवतियां कार में सवार होकर कूकदा पिकअप वियर घूमने पहुंचे थे। सभी लोग पिकनिक मनाने के दौरान डैम में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान 22 वर्षीय सिंपी सक्सेना और 30 वर्षीय पीयूष मंडल गहरे पानी वाले हिस्से में चले गए और डूबने लगे। साथ मौजूद उनके दो साथियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन गहराई और पानी के बहाव ▶▶| शेष पेज 5 पर

# बस्तर में आंधी, सुकमा में उखड़ गए पेड़ आज भी कई इलाकों में बारिश के संकेत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के बड़े इलाके में भीषण गर्मी के हालात हैं, लेकिन अब लोगों को क्रमशः राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है, तत्पश्चात अगले 3 दिनों में पारा 2 से 4 डिग्री तक गिरेगा। 29 मई से पूरे प्रदेश में मेघगर्जन के साथ तेज हवा, वज्रपात तथा वर्षा होने की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है। इसके पूर्व गुरुवार को बस्तर संभाग विशेषकर सुकमा इलाके में आंधी, तूफान ने कई पेड़ गिरा दिए, होर्डिंग्स, झोपड़ियों ▶▶| शेष पेज 5 पर

*प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होने वाली है, क्रमशः कम होगी गर्मी, एक-दो पॉकेट में ग्रीष्म लहर के हालात*

#### सुकमा में तबाही

सुकमा जिले में आंधी से कई घरों की छतें उड़ गईं, दुकानों और व्यवसायिक संस्थानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, एनएच-30 पर यातायात बाधित रहा।

**बिजली गिरने से ग्रामीण की मौतः** देवभोग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माहुलकोट में आकाशीय बिजली गिरने से 34 वर्षीय युवक चितानन्द भोई की मौत हो गई।

#### आ रहा है तूफान

100 की स्पीड से चलेंगी हवाएं, कई राज्यों में चेतावनी

**नई दिल्ली।** उत्तर भारत समेत देशभर के कई हिस्सों में मौसम करवट लेने जा रहा है। भीषण गर्मी की मार झेल रहे कई राज्यों में आंधी बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है। इससे उत्तर पश्चिम भारत, राजस्थान, विदर्भ, पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में कमी आएगी। वहीं, ▶▶| शेष पेज 5 पर

एक्शन में सीबीआई

# 6 घंटे की मैराथन पूछताछ के बाद ट्विशा की सास गिरफ्तार

**भोपाल।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी उनकी सास एवं पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने बुधवार को गिरिबाला की अग्रिम जमानत याचिका रद्द कर दी थी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ▶▶| शेष पेज 5 पर

#### हिरासत की मांग करेगी सीबीआई

अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई दोनों आरोपियों के बयानों के संबंध में आमना-सामना कराकर उनसे हिरासत में पूछताछ करने की योजना बना रही है, ताकि 12 मई को 33 वर्षीय ट्विशा की संदिग्ध मौत से संबंधित परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

उर्दू शायरी के मशहूर स्तंभ

**बशीर बद्र का निधन**

15 फरवरी 1935 - 28 मई 2026

जब दिलीप कुमार ने ऑटोग्राफ में लिख दिया बशीर का शेर

# 'उजाले अपनी यादों के साथ रहने दो....'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उर्दू शायरी के मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र का 28 मई को निधन हो गया। उन्होंने 91 साल की उम्र में उन्होंने भोपाल स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। बद्र साहब पिछले काफी समय से लंबी बीमारी (डिमेंशिया) से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर आते ही साहित्य जगत समेत पूरी दुनिया में फैले उनके लाखों प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई है। उर्दू शायरी में बशीर बद्र का नाम बड़े और मशहूर गजलकारों में लिया जाता था। उनकी शानदार शायरी और साहित्य में योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार दिया था। मशहूर स्क्रिप्ट राइटर व गीतकार जावेद अख्तर ने बद्र के निधन पर उन्हें याद करते हुए कहा, डॉ. बशीर बद्र की शायरी आम आदमी की पीड़ा, उम्मीद, टूटन और इश्क को बेहद सादगी और गहराई से बयान करती है।

■ 91 साल की उम्र में ली

#### आटोग्राफ की जगह लिख दिया शेर

*बशीर बद्र के बेटे, मशहूर गीतकार नुसरत बद्र (संजय लीला भंसाली की फिल्मों देवदास और सावरिया के लिए गाने लिखे हैं ) ने बताया कि वे एक दिन दिलीप कुमार साहब से ऑटोग्राफ मांगने पहुंचे। जब दिलीप कुमार को पता चला कि यह युवक बशीर बद्र का बेटा है, उन्होंने साधारण ऑटोग्राफ की जगह बशीर बद्र की मशहूर गजल का वो अमर शेर लिख दिया। 'उजाले अपनी यादों को हमारे साथ रहने दो, ना जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए!*

#### बद्र के बेहतरीन शेर

*उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो*
*न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए*

*दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे*
*जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिन्दा न हों*

*हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है*
*जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा*

*कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से*
*ये नए मिज़ाज का शहर है ज़रा फ़ासले से मिला करो*

*शौहरत की बुलन्दी भी पल भर का तमाशा है*
*जिस डाल पर बैठे हो, वो टूट भी सकती है*

*मुहब्बतों में दिखावे की दोस्ती न मिला*
*अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला*

*सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा*
*इतना मत चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा*

## खबर संक्षेप

### एलपीजी मामला: पिता-पुत्र महाराष्ट्र से हुए गिरफ्तार

**महासमुंद।** करोड़ों रुपए मूल्य की गैस से भरे कैप्सूल ट्रकों के गबन और कालाबाजारी के मामले में फरार मुख्य आरोपी संतोष सिंह ठाकुर और उसके पुत्र सार्थक सिंह ठाकुर को पुलिस ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए होटल में छिपकर रह रहे थे। पुलिस ने मामले में संलिप्त मुख्य षडयंत्रकारी खाद्य अधिकारी अजय यादव, पंकज चंद्राकर, निखिल वैष्णव और मनीष चौधरी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पत्रकारवार्ता में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी संतोष ठाकुर और उसका पुत्र सार्थक घटना के बाद से फरार थे। उनकी तलाश में महासमुंद पुलिस ने रायपुर, कवर्धा, छुईखदान, कान्हा-किसली, कोलकाता, पुणे, मुंबई और कोल्हापुर तक अलग-अलग टीमें रवाना की थीं।

### मृतक के अंग मिले गायब तेंदुए के हमले की आशंका

**दुधावा ।** कांकेर जिले के अंतिम गांव दुधावा बांध से लगे धमतरी जिला सीमा पर बसे कोरमुड गांव में तेंदुए द्वारा अधेड़ पर शिकार करने का दर्दनाक घटना सामने आया है, बताया जा रहा है कि इलाके के वनांचल क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए की दहशत देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक मृतक चौथराम मंडावी बीते मंगलवार की शाम शौच के लिए पहाड़ी की तरफ गया था, लेकिन वह वापस घर नहीं लौटा, ऐसे में चिंतित परिजनों ने उसकी तलाश शुरु की, जिसका शव गुरूवार को पहाड़ी पर मिला है। मृतक का एक हाथ और पैर गायब है, वहीं पेट भी फटा हुआ है..साथ ही मौके पर घसीटने के निशान भी मिले है, लिहाजा आशंका है कि तेंदुए की हमले उसकी मौत हो गई। कोरमुड़ गांव चारों ओर से घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है, जो तेंदुआ और भालू जैसे वन्यजीवों के लिए बेहद अनुकूल प्राकृतिक आवास माना जाता है।

# बगैर सूचना दिए महीनेभर गायब हुए अधिकारी-कर्मचारी तो होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी जिला शिक्षा कार्यालयों को खत लिखकर ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करने कहा है, जो लंबे समय से बगैर सूचना दिए अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं। डीपीआई ने कहा है अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने वाले शासकीय सेवकों को केवल विभागीय जांच के दौरान निलंबित रखना पर्याप्त नहीं है। ऐसा करने से वे निलंबन भत्ते आदि की मांग करते हैं। ऐसे शासकीय सेवक जो एक माह या उससे अधिक अवधि के लिए अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते हैं, उनकी ऐसी अनाधिकृत अनुपस्थिति की अवधि को पेंशन नियम के अधीन सभी उद्देश्यों के लिए सेवा-व्यवधान माना जाए। ऐसे शासकीय सेवक का किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाए। विभागीय जांच की व्यवस्था करने तथा आरोप सिद्ध होने पर सेवा से हटाने अथवा सेवा से पदच्युत करने संबंधित कार्रवाई के भी निर्देश डीपीआई द्वारा दिए गए हैं।

खास खबर

## डीपीआई ने जिला शिक्षा कार्यालयों को लिखा खत

### भेजा जाएगा नोटिस

एक माह से अधिक अवधि तक अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने वाले शासकीय सेवकों को अब कारण बताओ नोटिस भेजा जाएगा। अवकाश काल के दौरान के पते एवं अंतिम ज्ञात पते, दोनों पर ही पते पर कारण बताओ नोटिस भेजने के निर्देश डीपीआई ने दिए हैं। आदेश के मुताबिक, कार्रवाई करने के पूर्व अनुपस्थिति के कारणों को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यदि कोई उचित कारण संबंधित व्यक्ति द्वारा नहीं दिया जाता है, तो उसे पद से हटाने सहित अन्य कार्रवाई प्रकरण की गंभीरता के आधार पर की जाएगी। नियमानुसार, यदि कोई शासकीय सेवक, अवकाश सहित या बिना अवकाश के बाह्य सेवा से भिन्न, तीन वर्ष से अधिक निरंतर अवधि के लिए कर्तव्य से अनुपस्थित रहता है तो उसे शासकीय सेवा से त्यागपत्र दिया हुआ समझा जाता है।

## पुलिस ने झारखण्ड से पकड़ा, रकम को दो गुना करने का दिया था झांसा

# चिटफंड कंपनी के नाम पर 9 करोड़ से अधिक की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

रकम दोगुना करने का झांसा देकर लोगों से 9 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार किया है। मामले में अन्य की तलाश जारी है।

गांधीनगर पुलिस के अनुसार मैनपाट के कमलेश्वरपुर निवासी देवराज यादव आ. सूरजभान यादव ने 4 सितम्बर 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी कि नमनाकला में संचालित वेलफेयर बिल्डिंग एंड एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर, एडवाइजर हेड बलराम पाठक, जोनल मैनेजर अखिलेश प्रजापति व अन्य पदाधिकारियों ने रकम दोगुना करने का झांसा डकार लोगों से पैसे जमा कराए और फिर कंपनी बंद कर फरार हो गए। इस घटना की जांच पुलिस द्वारा की जा रही थी। इस बीच एसएसपी राजेश अग्रवाल ने मामले की गंभीरता से जांच के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान गवाहों, निवेशकों से पूछताछ, निवेशकों की सूची, बांड पेपर व अन्य दस्तावेजों के आधार पर निवेशकों द्वारा कंपनी में 9 करोड़ 26 लाख 60 हजार 554 रूपए जमा किए जाने की बात सामने आई। डायरेक्टरों ने भोले भाले लोगों से करोड़ो रूपए की ठगी करने के साथ ही उन्हें बांड पेपर प्रदान किया था। इस मामले में पुलिस द्वारा अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी बीच मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने झारखंड के पलामू सतबरवा सिंगडूरिया निवासी 56 वर्षीय अखिलेश कुमार प्रजापति आ. स्व.मालदेव महतो, पलामू लेस्लीगंज लोहड़ी निवाई 64 वर्षीय बलराम पाठक आ. दामोदर पाठक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

## लोन दिलाने के नाम पर शिक्षिका समेत 10 लोगों से ठगे 3 करोड़

**अंबिकापुर।** लोन दिलाने के नाम पर झांसा देकर शिक्षिका समेत 10 लोगों से 3 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने के मामले में पुलिस ने सफलता हासिल की है। आरोपी ने लोगों के नाम पर अलग अलग बैंकों से लोन लिया और रूपए लेकर फरार हो गया। आरोपी ने दूसरों के नाम पर लिए गए लोन से अपने क्रेशर प्लांट का संचालन किया। गांधीनगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरगवां निवासी दिव्या एक्का पति पंकज लकड़ा राजपुर में शिक्षिका के पद पर पदस्थ है। महिला जुलाई 2024 में जमीन खरीदकर घर बनवाने के लिए 15 लाख रूपए का लोन लेने के बारे में सोंच रही थी। बरियों के चंगोरी निवासी शिवशंकर दास महिला के घर आया और खुद को अनशिवआर्या फाउंडेशन ग्रुप कंपनी का संचालक बताया। आरोपी ने महिला को बताया कि वह कंपनी के माध्यम से लोगों को लोन दिलाने में मदद करता है। कंपनी में एक सच्ची स्कीम चल रही है कंपनी जो लोन महिला को दिलाएगी उसका 60 प्रतिशत कंपनी में जमा करना पड़ेगा और 40 प्रतिशत आवेदन करने वाले को मिलेगा लेकिन लोन का पूरा किश्त कंपनी हर महीने चुकाएगी। 41.08 लाख रूपए का लोन निकाल कर महिला के खाते में ट्रांसफर करा दिया। आरोपी ने दबाव डालकर व झांसे में लेकर अलग अलग खातों में 28 लाख रूपए वापस ले लिया। पुलिस ने मामले में धौरपुर किशनपुर निवासी शिव शंकर दास को गिरफ्तार कर लिया है।

**पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार**

## हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी- ऐसे अपराध पर जमानत नहीं

# बलौदाबाजार हिंसा मामले में अमित बघेल समेत तीन की जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने बलौदाबाजार हिंसा केस पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने 7-8 हजार लोगों की भीड़ को भड़काकर 13-14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। साथ ही पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला भी कराया गया। कोर्ट ने कहा कि समाज में शांति और कानून व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ने वाले ऐसे गंभीर अपराध में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। हाईकोर्ट ने इसी के साथ बवाल, पथराव और कलेक्ट्रेट परिसर में आगजनी के मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संस्थापक अमित बघेल समेत 3 आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी है। बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में 10 जून 2024 को एक सामाजिक मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। आरोप है कि वहां छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के पदाधिकारियों ने मंच से भड़काऊ भाषण देकर भीड़ को उग्र कर दिया। इसके बाद हिंसक हुई भीड़ ने बैरिकेट्स तोड़ते हुए कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय परिसर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। सैकड़ों वाहनों में आग लगा दी गई और कलेक्टोरेट भवन को भी आग के हवाले कर दिया गया।

### पुलिस जवानों व अफसरों पर पथराव

इस दौरान बीच-बचाव कर रहे और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों पर लाठियों, पत्थरों और लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिसमें कई कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले में पुलिस ने छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संस्थापक अमित बघेल, अजय यादव, दिनेश वर्मा समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसी मामले में अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश वर्मा ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अमित बघेल के वकील ने तर्क दिया कि 10 जून बलौदाबाजार हिंसा के समय मौजूद नहीं थे। हालांकि कोर्ट ने इस दावे खारिज कर दिया।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराइट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान
94060-21769

# प्लास्टर रेत के लिए खोद डाला श्मशान घाट, दिखे नरमुंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

- खरेंगा में महानदी स्थित श्मशान घाट में मिले 8 नर कंकाल

रेत के नाम पर माफियाओं ने पूर्वजों की कब्र खोद डाली। ग्रामीणों की नजर जब शमशाम में निकले नर कंकालों पर पड़ी तो जमकर विवाद हुआ। फिलहाल रेत उत्खनन रोक दिया गया है। पहले भी यहां इस प्रकार का मामला सामने आया था। इसके बाद कुछ ही दिन खदान बंद रही, उसके बाद रेत माफिया फिर से शमशाम से रेत निकासी शुरू कर दी है।

पूरा मामला ग्राम खरेंगा का है। यहां पर कोई रेत खदान स्वीकृत नहीं है। इसके बाद भी चोरी-छिपे रेत माफिया यहां से रेत उत्खनन कर रहे हैं। कई बार ग्रामीणों ने रोकने की कोशिश की, लेकिन रेत माफिया के दबंगई के आगे उनकी नहीं चली और लगातार रेत का उत्खनन चल रहा है। उत्खनन का यह मामला गुरुवार को गर्मा गया, जब ग्रामीणों की नजर यहां पर नर कंकालों पर पड़ी। करीब 8 नर कंकाल बाहर आ चुके थे। इसके बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। मौके पर पुलिस, एसडीएम और तहसीलदार भी पहुंच गए। उन्होंने कंकालों को फिर से रेत से ढंकवाया, लेकिन ग्रामीणों का आक्रोश अभी शांत नहीं हुआ है।

# प्लेसमेंट कर्मी ही महीनों से पिला रहे थे लोगों को मिलावट वाली शराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- 4 कर्मचारी रंगे हाथ पकड़े गए

शराब में पानी मिलाकर लोगों को बेचने वाले सेल्समैन सोमवार को रंगे हाथों पकड़े गए। मामला है जिले के पिथौरा स्थित कंपोजिट अंग्रेजी शराब दुकान का। सोमवार को पिथौरा स्थित कंपोजिट अंग्रेजी शराब दुकान में आबकारी विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान यहां के 4 प्लेसमेंट कर्मचारी मैक्डॉवेल नंबर 1 शराब में खुलेआम पानी मिलाते हुए रंगे हाथ पकडे गए। 25 मई को जब विभागीय टीम आवश्यक निरीक्षण के लिए अचानक दुकान पहुंची तो वर्षों से यहां जमे सेल्समैंन, सुपरवाइजर और सहयोगियों के हौसले इस बुलंदी पर थे कि बेखौफ होकर टेबल पर ही शराब में पानी की मिलावट की जा रही थी। बोतलों का सील खोलकर उसमें की मिलावट को देख टीम ने तत्काल करन सोनटके, उमेश मन्नाडे, नारायण निषाद और हेमंत पटेल को पकडा और उनके खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 38(क) (मदिरा में पानी मिलावट) के तहत कार्रवाई की। टीम ने उक्त चारों के पास से मैक्डॉवेल नं. 1 के 10 नग पाव में पानी मिलावट, 04 नग पाव आधा भरा हुआ, 54 नग सबूत ढक्कन, पानी बॉटल में पानी एवं एक लीटर पानी बॉटल में 90 एमएल विदेशी मदिरा कब्जे में लिया है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल
(महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट: खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टिकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर
शुक्रवार 29 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष : 24, अंक : 308
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 43.7
न्यून. 28.8

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

## कटोरा नहीं, इसलिए प्लेट से चला रहे काम

जूडा सूत्रों के मुताबिक मेस में प्रतिदिन सौ से ज्यादा पीजी डाक्टरों के खाने का इंतजाम किया जाता है। इतनी बड़ी संख्या में बोरे-बासी खाने के लिए कटोरे की व्यवस्था करना मुश्किल था, इसलिए जूनियर डाक्टर खाने की थाली और प्लेट में ही इस छत्तीसगढ़ी खानपान का मजा ले रहे हैं। जूनियर डाक्टरों को परोसा जाने वाला बोरे-बासी सोशल मीडिया में भी खूब पसंद किया जा रहा है।

## छत्तीसगढ़ की संस्कृति और स्वास्थ्य का प्रतीक

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और खान-पान में "बोर-बासी" का विशेष महत्व रहा है। यह केवल एक पारंपरिक भोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की मेहनतकश संस्कृति, प्रकृति से जुड़ाव और स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली का प्रतीक है। बोरे-बासी हमारे पूर्वजों की वैज्ञानिक सोच और संतुलित आहार व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है। चावल को रातभर पानी में भिगोकर तैयार किया जाने वाला बोर-बासी प्राकृतिक प्रोबायोटिक गुणों से भरपूर होता है, जो शरीर के लिए लाभकारी बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए मेस के मेनू में इसे शामिल करने की पहल की गई थी। जिसे सभी जूनियर डाक्टर पसंद कर रहे हैं।

\- डॉ. रेशम सिंह, अध्यक्ष, जूनियर डाक्टर एसोसिएशन

# गर्मी ऐसी कि डॉक्टरों की 'बटकी' में भी आ गई बासी, मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के मेनू में शामिल

**शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर के हास्टल में जूडा एसोसिएशन की डिमांड पर अनूठी पहल**

**स्थानीय के साथ दूसरे राज्यों के जूनियर डाक्टरों को भा रहा छत्तीसगढ़ का खानपान**

अलग खबर

हरिभूमिस न्यूज ▶▶| रायपुर

भारी गर्मी के बीच उपचार करने की ड्यूटी और पढ़ाई के तनाव से जूनियर डाक्टरों को ''बोरे बासी'' राहत दे रहा है। गर्मी के मौसम का विशेष ध्यान रखते हुए जूनियर डाक्टर एसोसिएशन की पहल पर शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर के पीजी हास्टल मेस में इसका विशेष इंतजाम किया जा रहा है। बोरे बासी के साथ तड़का लगा दही इसका स्वाद स्थानीय के साथ दूसरे राज्यों से पढ़ाई के लिए आने जूनियर डाक्टरों को भी भा रहा है। जूनियर डाक्टर एसोसिएशन की विशेष डिमांड पर संभवतः मेडिकल कालेज के इतिहास में पहली बार पीजी डाक्टरों के खाने के मेनू में छत्तीसगढ़ी खानपान को शामिल किया गया है। पीजी डाक्टरों के मुताबिक मेस में सामान्यतः रोटी, चावल, दाल के साथ अलग-अलग सब्जी परोसी जाती है। गर्मी के दौरान मसालेदार खाना थोड़ा जोखिम भरा हो सकता है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

# खाड़ी संकट ने बस्तर को भी मुसीबत में डाला यहां अभी तक 10 फीसदी खाद की ही सप्लाई

### यूरिया और डीएपी की कमी के कारण वितरण में की कटौती

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि लगातार

खाड़ी में युद्ध के चलते खाद संकट ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। खाद की सीमा तय करते हुए आवंटन में भी कटौती की गई है। बस्तर संभाग में पहले की तुलना में यूरिया की आपूर्ति 80 फीसदी और डीएपी की आपूर्ति 60 फीसदी करने का फैसला किया गया है। अब तक खाद की सप्लाई के आंकड़े देखें तो कुल मांग के मुकाबले 10 फीसदी खाद भी किसानों तक नहीं पहुंची है। हालांकि यह सीजन की शुरुआत ही है और अभी खाद डालने की शुरुआत नहीं हुई है, लेकिन आसार खरीफ सीजन की शुरुआत से ही गंभीर खाद संकट के नजर आ रहे हैं।

बस्तर संभाग में लगभग 14 लाख हेक्टेयर से अधिक रकबे में खेती की जाती है, जिसमें मुख्य रूप से धान और मक्का की फसलें हैं। संभाग में लगभग 80 फीसदी किसान लघु और सीमांत श्रेणी के हैं, जो खाद संकट से जूझ रहे हैं। यूरिया और डीएपी की भारी कमी के कारण कृषि विभाग ने वितरण में कटौती की है, जिससे किसानों को सीमित मात्रा में ही खाद मिल पा रही है। लेम्पस में डीएवी 50 किलो का बोरा 1350 रुपए, पोटाश 1945 रुपए, नैनो यूरिया 225 रुपए एवं यूरिया 45 किलो 266.50 रुपए बोरा में किसानों को खाद दी जा रही है।

संभाग में आदिम जाति सेवा सहकारी ▶▶|शेष पेज 5 पर

### दुकानों से लेने पर लेम्पस में नहीं मिलेगा खाद

बस्तर जिले के कुछ किसानों ने बताया कि निजी दुकानों में किसान पहुंचे तो दुकान संचालक ने पट्टा से खाद देने की बात की, लेकिन दुकान से खाद लेने पर लेम्पस में खाद नहीं मिलेगी, यह जानकर किसान खाली हाथ लौट गए।

### किसानों को 4828.30 टन खाद वितरित

सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर के विपणन अधिकारी एसके कनौजिया ने बताया कि आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से वर्तमान में किसानों को 4828.30 टन खाद वितरित की गई है। इसमें से बस्तर में 826.39 मैट्रिक टन, कोंडागांव में 61.07 मैट्रिक टन, नारायणपुर में 96.95 मैट्रिक टन, कांकेर जिले में 3 हजार 817.97 मैट्रिक टन तथा बीजापुर जिले में 25.92 मैट्रिक टन खाद कृषकों को वितरित की जा चुकी है। वहीं दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिला जैविक खेती जिला होने के कारण यहां पर कृषकों को उर्वरक प्रदाय नहीं किया गया है। साथ ही बस्तर में 11653.30, कोंडागांव में 10732.99, नारायणपुर में 1464.21, कांकेर में 19615.94, सुकमा में 2375.66 एवं बीजापुर में 991.27 टन खाद देना शेष है।

### शिक्षा मंत्री बोले- शुरू होगा री-इवैल्युएशन, हर छात्र को मिलेगा इंसाफ

# सरकार ने मानी सीबीएसई में गड़बड़ी, कहा- 40 करोड़ पन्नों की चेकिंग में हुई बड़ी चूक!

*सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर देश भर में मचे चौतरफा हाहाकार और छात्रों के फूटे गुस्से के बीच आखिरकार देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सामने आना पड़ा है। शिक्षा मंत्री ने सीबीएसई क्लास 12वीं के मूल्यांकन में हुई गंभीर विसंगतियों और तकनीकी गड़बड़ियों को खुलेआम स्वीकार किया है। शिक्षा मंत्री ने कड़क लहजे में कहा कि इस पूरे डिजिटल झोल में जो भी कमियां सामने आई हैं, उसकी जिम्मेदारी वे खुद लेते हैं और सरकार देश के एक भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देगी। इन सभी कमियों को सुधारा जाएगा और उचित समाधान निकाला जाएगा।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधान ने सीबीएसई से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें दो आईआईटी के विशेषज्ञों को भी बुलाया गया था। उसके बाद मीडिया से बात करते उन्होंने कहा कि चूंकि ये पहली बार ओएसएम करवाया गया जो पूरी तरह से पारदर्शी प्रक्रिया है, उसमें जो विसंगति आई है उसे ठीक करके दूर किया जाएगा। किसी भी छात्र के साथ अहित नहीं होने दिया जाएगा। पीटीआई से बातचीत में डेटा सामने रखते हुए शिक्षामंत्री ने बताया कि इस साल सीबीएसई परीक्षा में करीब 17 लाख छात्र शामिल हुए थे। इन छात्रों की कुल 98 लाख उत्तर पुस्तिकाएं (आंसर-शीट्स) थीं। चूंकि हर कॉपी में लगभग 40 पेज होते हैं, इसलिए सीबीएसई ने इस बार पहली बार इतिहास में लगभग 40 करोड़ स्कैंड पेजेस का डिजिटल मूल्यांकन कराया है। शिक्षा मंत्री ने दावा किया कि सभी ▶▶|शेष पेज 5 पर

### ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर देश भर में मचा है हाहाकार

प्रधान ने कहा- जो भी कमियां सामने आई हैं, उसकी जिम्मेदारी वे खुद लेते हैं

करीब 4 लाख छात्रों ने कॉपियों की दोबारा जांच के लिए किया है आवेदन

### हर छात्र की शिकायत होगा निपटारा

देश भर के मेधावी छात्रों के डिप्रेशन और सोशल मीडिया पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार और बोर्ड के तमाम अधिकारी इस वक्त इसी काम में जुटे हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हम किसी भी एक छात्र की शंका, चिंता या अनसुने सवाल को बिना सुलझाए नहीं छोड़ेंगे। हर एक छात्र की शिकायत का निपटारा किया जाएगा।

### ओएसएम सिस्टम का किया समर्थन

बढ़ते विवाद के बीच प्रधान ने इस डिजिटल सिस्टम का खुलकर समर्थन किया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि ओएसएम एक आधुनिक और पारदर्शी व्यवस्था है, जिसे दुनिया के कई बड़े संस्थान अपना रहे हैं। उन्होंने माना कि पहली बार लागू होने के कारण कुछ परेशानियां सामने आई हैं, लेकिन किसी भी छात्र की शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। प्रधान ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को एक छात्र-केंद्रित और प्रगतिशील प्रणाली बताते हुए कहा कि दुनिया भर के कई बड़े विश्वविद्यालय और संस्थान इस तकनीक को अपना रहे हैं। यह छात्रों के फायदे के लिए है ताकि वे पारदर्शिता के साथ अपनी स्कैन की हुई कॉपियां देख सकें और जान सकें कि किस सवाल में कितने नंबर मिले या कोई सेक्शन छूट तो नहीं गया।

### यह है विवाद

12वीं के रिजल्ट आने के बाद लाखों छात्र और उनके माता-पिता सीबीएसई के नए ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। कोई कम नंबर मिलने की शिकायत कर रहा है तो किसी को किसी और की कॉपी मिलने का दावा किया जा रहा है। कई छात्रों ने तो यहां तक कहा कि उनकी उत्तर पुस्तिका के कुछ पन्ने ही गायब थे।कॉपियों की स्कैनिंग साफ नहीं थी। कई पन्ने कटे हुए दिखाई दिए। किसी और छात्र की कॉपी दिख रही थी। सही जवाब होने के बाद भी नंबर नहीं दिए गए। दरअसल इस बार सीबीएसई ने 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए बड़े स्तर पर ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का इस्तेमाल किया। इसमें छात्रों की कॉपियां स्कैन करके डिजिटल रूप में परीक्षकों को भेजी जाती हैं और वहीं नंबर दिए जाते हैं।

### हाईकोर्ट में मुआवजे को लेकर दाखिल हुई याचिका

# आवारा कुत्ते के काटने से मौत मुख्य सचिव से मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

आवारा कुत्तों के हमले और काटने की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई किए जाने के बीच बिलासपुर हाईकोर्ट में भी एक गंभीर याचिका दाखिल हुई है। याचिकाकर्ता पिता ने कोर्ट को बताया है कि उसके बेटे की मौत कुत्ते के काटने के कारण हुई है। बेटे की मौत के बाद पिता ने राज्य शासन से क्षतिपूर्ति राशि दिलाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले में कोर्ट ने मुख्य सचिव से शपथ पत्र के साथ जवाब दाखिल करने के निर्देश ▶▶|शेष पेज 5 पर

### चार लाख रुपए क्षतिपूर्ति की मांग

धीरज पारधी ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि उसके बेटे की मौत कुत्ते के काटने के कारण हुई थी। याचिकाकर्ता ने बेटे की मौत पर चार लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की है। राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आरके गुप्ता ने पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि कुत्ते के काटने से मौत होने पर मुआवजा देने का कोई नियम फिलहाल लागू नहीं है।

### लोक आयोग की चिंता के बाद सरकार के कड़े निर्देश

# रिटायरमेंट के बाद भी नहीं बच पाएंगे भ्रष्टाचारी, रुकेगी पेंशन, होगी वसूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब रिटायरमेंट के बाद भी भी गंभीर वित्तीय अनियमितता करने वाले शासकीय राशि का गबन, सरकारी धन का दुरपयोग करने वाले भ्रष्टाचारी अधिकारी कर्मचारी अब बच नहीं पाएंगे। दरअसल छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सरकार को इस बात से अवगत कराया है कि भ्रष्टाचार करने वाले अफसर कर्मी यदि रिटायर हो जाते हैं, तो उनके खिलाफ ▶▶|शेष पेज 5 पर

### लोक आयोग ने जताई चिंता

लोक आयोग ने अपने सुझाव में कहा है कि आयोग में आने वाली जांचें विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रतिवेदन और शिकायतों पर आधारित होती हैं। लेकिन कई बार विभाग गंभीर शिकायतों की जांच को लंबित रखते हैं, जिसके कारण आरोपी अधिकारी ▶▶|शेष पेज 5 पर

### पेंशन रोकने और वसूली के नियमों पर जोर

लोक आयोग ने स्पष्ट किया है छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1976 के नियम 8 और नियम 9 के तहत गंभीर मामलों में पेंशन रोकने या वापस लेने का अधिकार राज्यपाल को है। वहीं नियम 65 में शासकीय बकाया की वसूली और समायोजन का प्रावधान भी मौजूद है। आयोग का कहना है कि विभाग इन प्रावधानों का प्रभावी उपयोग नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण भ्रष्टाचार और कुप्रशासन को बढ़ावा मिल रहा है।

### सार्वजनिक उपयोग वाले स्थानों पर होगा ये निर्माण

# छत्तीसगढ़ के 45 निकायों में बनेंगे 'एस्पिरेशनल टॉयलेट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत अब सार्वजनिक शौचालयों का नया मॉडल विकसित किया जाएगा। राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने 45 नगरीय निकायों में आकांक्षीय शौचालय यानी "एस्पिरेशनल टॉयलेट विद यूरिनल" निर्माण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन शौचालयों में केवल साफ-सफाई ही नहीं, बल्कि महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों और ट्रांसजेंडर समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। राज्य सरकार ने इसके लिए स्वीकृत ▶▶|शेष पेज 5 पर

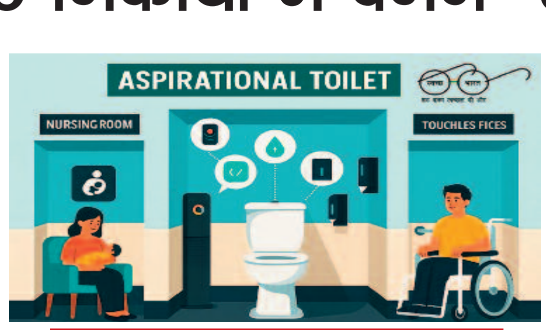


### भीड़ वाले इलाकों को प्राथमिकता

दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि ऐसे स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है या खुले में शौच और पेशाब की समस्या बनी हुई है। इसके तहत बाजार, बस स्टैंड, पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, पेट्रोल पंप और सार्वजनिक उपयोग वाले अन्य स्थानों पर इन टॉयलेट्स का निर्माण किया जाएगा। सरकार का मानना है कि बेहतर सार्वजनिक शौचालय व्यवस्था से शहरों में स्वच्छता की स्थिति सुधरेगी और खुले में पेशाब व शौच की समस्या कम होगी।

### महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं

एस्पिरेशनल टॉयलेट्स को सामान्य सार्वजनिक शौचालयों से अलग और अधिक सुविधायुक्त बनाया जाएगा। महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इस्तेमाल किए गए नैपकिन के निपटान के लिए इंसीनरेटर लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए कम ऊंचाई वाले बेसिन और सीट, दिव्यांगजनों के लिए बैरियर-फ्री प्रवेश और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अलग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा पर्याप्त रोशनी, वेंटिलेशन, हरियाली और हाथ सुखाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

### *पांच साल तक रखरखाव अनिवार्य*

*सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल निर्माण ही नहीं, बल्कि कम से कम पांच वर्षों तक संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। प्रत्येक शौचालय में नियमित सफाई रोस्टर, पानी की उपलब्धता और केयरटेकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।नगरीय निकायों को यह भी कहा गया है कि वे अपशिष्ट जल प्रबंधन और जल पुनः उपयोग की व्यवस्था को भी योजना में शामिल करें।*

## चिंतन

# सिद्धा के इस्तीफे से कांग्रेस में नई चुनौतियों की शुरुआत

लंबी उहापोह के बाद कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधानसभा चुनाव से करीब दो साल पहले इस्तीफा देकर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए रास्ता साफ कर दिया। सवाल यह है कि क्या यह कर्नाटक में नेतृत्व को लेकर कांग्रेस के भीतर वर्षों से चल रहे सत्ता संघर्ष का अंत है या एक नए संघर्ष की शुरुआत है। डीके सोमवार को शपथ ले सकते हैं। सिद्धारमैया ने साफ कर दिया है कि उन्होंने राज्यसभा के जरिये केंद्र की राजनीति में जाने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है और प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहने का फैसला किया है। यही कांग्रेस व डीके कैंप में बेचैनी की वजह है। राज्य में शीर्ष पद पर रहने के बाद सिद्धारमैया का केंद्र में न जाना साबित करता है कि वे भविष्य में फिर इस पद पर दावेदारी करेंगे। यही नहीं, प्रदेश में डीके की एक भी गलती को भुनाने का वह कोई भी मौका नहीं छोड़ेंगे। यानी अगले दो साल तक वह सीधे या परोक्ष तौर सरकार के साथ रहते हुए विपक्ष की ही भूमिका में रहेंगे। यही कांग्रेस की चिंता है। डीके की शपथ से पहले भी कर्नाटक में जबरदस्त नाटक देखने को मिलेगा। सिद्धारमैया हाईकमान को दबाव में लाकर अपने समर्थकों को कैबिनेट में प्रमुख पद दिलाने की कोशिश करेंगे। इन हालात में डीके के लिए सरकार चलाना कितना कठिन होगा, यह समझा जा सकता है। कर्नाटक की राजनीति में खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रुचि है। उनके पुत्र प्रियांक भी सर्वोच्च पद के दावेदार रहे हैं। कांग्रेस में सत्ता संघर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद हुए एक अनौपचारिक सत्ता-साझेदारी समझौते से जुड़ा माना जाता है। शिवकुमार समर्थक लगातार दावा करते रहे हैं कि सरकार गठन के समय सत्ता साझा करने पर सहमति बनी थी। हालांकि, सिद्धारमैया ने कभी सार्वजनिक रूप से ऐसे किसी समझौते को स्वीकार नहीं किया और प्रशासन पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। चुनावों के बाद से ही मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे और चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा गया था, इसलिए वह शीर्ष पद पर अपनी स्वाभाविक दावेदारी मान रहे थे। तब पार्टी ने शिवकुमार को मनाकर उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया था और ढाई साल के बाद कमान देने का वादा किया था। बाद में हाईकमान द्वारा डीके खेमे की ओर से लगातार दबाव डालने के बावजूद कुछ भी साफ नहीं किया जा रहा था। इससे डीके का धैर्य चूक रहा था। यह दोनों नेताओं के बीच तनाव की वजह भी बना रहा। पिछले वर्ष नवंबर में, जब कर्नाटक सरकार ने अपने कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा कर लिया, तब कांग्रेस नेतृत्व ने कथित तौर पर शिवकुमार को असम विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का राजनीतिक पर्यवेक्षक नियुक्त कर इस तनाव को कम करने की कोशिश की, लेकिन रोटेशनल मुख्यमंत्री व्यवस्था को लेकर अटकलें जारी रहीं। पिछले कुछ वर्षों में शिवकुमार ने अपने धार्मिक संपर्कों को भी काफी बढ़ाया है। उन्होंने कर्नाटक और देशभर के प्रमुख मंदिरों के लगातार दौरे किए। उनकी धार्मिक छवि को लेकर कांग्रेस के भीतर बहस भी छिड़ गई थी। शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया के साथ टकराव को बढ़ाने से काफी हद तक परहेज किया, हालांकि उनके समर्थकों ने दबाव बनाए रखा। अब ऐसा ही दबाव सिद्धारमैया नहीं बनाएंगे, ऐसा नहीं लगता। कुल मिलाकर कर्नाटक में कांग्रेस की चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं, बल्कि यह नई चुनौतियों की शुरुआत है।

तैयारी
प्रमोद भार्गव

# अब बख्शे नहीं जाएंगे घुसपैठिए

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा घुसपैठियों को देश से बाहर करने की मुहिम से तय है कि देश का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ रहे और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बने इन बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की विदाई तय है। अधिकारी ने बंगाल में भाजपा की जीत के साथ ही, सबका विकास, सबका साथ नारे को बदलते हुए तय कर दिया है कि जिसका साथ, उसका विकास किया जाएगा। बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। यह अच्छी बात है कि अब इनकी नाक में नकेल डालकर बाहर का रास्ता दिखाने की मुहिम युद्ध स्तर पर चल रही है।

नक्सल समस्या की तरह अब घुसपैठियों की समस्या का निदान भी होने जा रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा घुसपैठियों को देश से बाहर करने की मुहिम से तय है कि देश का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ रहे और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बने इन बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की विदाई तय है। अधिकारी ने बंगाल में भाजपा की जीत के साथ ही, सबका विकास, सबका साथ नारे को बदलते हुए तय कर दिया है कि जिसका साथ, उसका विकास किया जाएगा। घुसपैठियों के बंगाल में बसने और लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के तहत मिल रहा था। किंतु अधिकारी ने 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' नीति लागू करने और जिला स्तर पर होल्डिंग सेंटर बनाने का निर्णय लेकर जता दिया है कि आखिरकार अवैध प्रवासियों को बाहर जाना ही होगा। इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह ने प्लेटफार्म एक्स पर ऐलान कर दिया कि 'घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के लिए वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में आबादी का संतुलन बिगड़ने की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने की बात कही थी, जो अब कर दी गई है। यह समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या बदलाव के तरीके की जांच व समीक्षा करेगी।' यह समिति सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में काम कर एक साल के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्यों का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थायी नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल की थी। इसके मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं। पहले सीपीएम और बाद में तृणमूल इन घुसपैठियों को न केवल शरण देते रहे हैं, बल्कि उनके आधार, राशन और वोटर कार्ड भी बनवाते रहे हैं। नतीजा रहा कि बंगाल का हर चौथा वोटर मुस्लिम बताया जा रहा है। छह जिले तो ऐसे हैं, जहां मुस्लिमों की आबादी 66 प्रतिशत से भी अधिक हैं। इस कड़ी में मुर्शिदाबाद जिले में 66.27, मालदा में 51.27, उत्तर दिनाजपुर 49.92,

वीरभूमि में 37.06, दक्षिण 24 परगना 35.57 और नादिया में 26.27 प्रतिशत मुस्लिमों की आबादी हो गई है। इस बिगड़े जनसंख्यात्मक घनत्व का ही परिणाम रहा कि 34 साल सीपीएम और 15 साल तृणमूल ने बंगाल पर शासन करते हुए घुसपैठियों को संरक्षण देते रहे। यदि असम में अवैध घुसपैठ की बात करें तो 1951 से 1971 के बीच यहां के मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई। 1991 से 2011 के बीच मतदाताओं की तादाद 53 प्रतिशत बढ़ी। जबकि देश के अन्य हिस्सों में मुस्लिमों की आबादी में बढ़ोत्तरी 13.4 प्रतिशत से 14.2 फीसदी तक ही हुई। असम में 35 प्रतिशत से अधिक मुस्लिमों वाली 2001 में विधानसभा सीटें 36 थी, जो 2011 में बढ़कर 39 हो गईं।

गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से 1991 तक हिंदुओं की जनसंख्या में 41.89 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इसी दौरान मुस्लिमों की जनसंख्या में 77.42 फीसदी की बेलगाम वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह 1991 से 2001 के बीच असम में हिंदुओं की जनसंख्या 14.95 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मुस्लिमों की 29.3 फीसदी बढ़ी। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने इन्हें बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र एवं राशन कार्ड तक हासिल कराए। कांग्रेस की तरूण गोगाई सरकार इसी बूते 15 साल सत्ता में रही। लेकिन लगातार घुसपैठ ने कांग्रेस की हालत पतली कर दी थी। फलस्वरूप भाजपा सत्ता में आ गई। इस अवैध घुसपैठ के दुष्प्रभाव पहले अलगाववाद के रूप में देखने में आ रहे थे, लेकिन बाद में राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में बदल गए। असम को बांग्लादेश से अलग ब्रह्मपुत्र नदी करती है। इस नदी का पाट इतना चौड़ा और दलदली है कि इस पर बाड़ लगाना या दीवार बनाना नामुमकिन है। केवल नावों पर सशस्त्र पहरेदारी के जरिए घुसपैठ को रोका जाता है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन असम सरकार के साथ मिलकर फैसला लिया था कि 1971 तक जो भी बांग्लादेशी असम में घुसे हैं, उन्हें नागरिकता दी जाएगी और बाकी को भारत की जमीन से निर्वासित किया जाएगा। इस फैसले के तहत ही अब तक कई बार एनआरसी ने नागरिकों की वैध सूची जारी करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल एनआरसी का विरोध करते रहे हैं। अतएव 2005 में सर्बानंद सोनोवाल बनाम भारत संघ मामले में असम में अवैध प्रवासियों के पहचान से जुड़े एक पुराने कानून को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि असम में होने वाली भारी घुसपैठ ने राज्यों के नागरिकों के जीवन को आमूलचूल प्रभावित किया है। यह स्थिति एक तरह के अघोषित बाहरी आक्रमण जैसी है। बांग्लादेश के साथ भारत की कुल 4097 किलोमीटर लंबी सीमा-पट्टी है, जिस पर जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इस कारण गरीबी और भुखमरी के मारे बांग्लादेशी असम और बंगाल में घुसे चले आते हैं। यहां इन्हें कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपने-अपने वोट बैंक बनाने के लालच में भारतीय नागरिकता का सुगम आधार उपलब्ध करा देते हैं। मतदाता पहचान पत्र जहां इन्हें भारतीय नागरिकता का सम्मान हासिल करा देता है, वहीं राशन कार्ड की उपलब्धता इन्हें बीपीएल के दायरे में होने के कारण मुफ्त अनाज की सुविधा दिला देती हैं।

आसानी से बन जाने वाले बहुउद्देशीय पहचान वाले आधार कार्ड भी इन घुसपैठियों ने बड़ी मात्रा में हासिल कर लिए हैं। इन सुविधाओं की आसान उपलब्धता के चलते देश में घुसपैठियों की तादाद चार करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है। यह अच्छी बात है कि अब इनकी नाक में नकेल डालकर बाहर का रास्ता दिखाने की मुहिम युद्ध स्तर पर चल रही है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

## श्रद्धांजलि

प्रो. आरके जैन

# डॉ. बशीर बद्र : उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो . . बशीर बद्र की यह पंक्ति आज स्वयं एक विदाई का सन्नाटा बनकर गूंज रही है। उर्दू शायरी का वह नर्म, रोशन और संवेदनशील सितारा अब अस्त हो गया है। केवल एक शायर नहीं गया, बल्कि एक पूरी भावनात्मक परंपरा मौन हो गई। 28 मई 2026 को भोपाल में लंबी बीमारी के बाद 91 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनकी शायरी अब भी सांसों में जीवित है। वे केवल शब्द नहीं रचते थे, बल्कि टूटे हुए दिलों को जोड़ने वाली भावनाओं की पूरी दुनिया बसाते थे- जहां दर्द भी सुंदर लगता था और उम्मीद भी बहुत करीब। उनका जाना एक खालीपन नहीं, बल्कि एक ऐसी खामोश मौजूदगी है जो हर एहसास में धीरे-धीरे उतरती रहती है। जब शब्दों की रोशनी खुद इतिहास बन जाए, तो समझिए कोई शायर अमर हो चुका होता है। मशहूर

उर्दू शायर और गज़लकार पद्मश्री बशीर बद्र का जाना साहित्य जगत के लिए एक ऐसा आघात है, जिसने भावनाओं की सबसे नाज़ुक परत को हिला दिया। वे उन विरले शायरों में थे जिनके शब्द मंच से उतरकर सीधे जीवन की सांसों में बस जाते थे। उनका जाना केवल शरीर का अंत नहीं, बल्कि उस आवाज़ का ठहर जाना है जिसने सादगी को भी शिखर बना दिया। फिर भी, उनकी ग़ज़लें आज भी हर टूटे दिल में जीवित हैं और हर याद में चुपचाप रोशनी बनकर चलती रहती हैं। जहां शब्द जन्म लेते हैं और संवेदना उन्हें आकार देती है, वहीं से एक असाधारण सफ़र शुरू होता है। 15 फरवरी 1935 को अयोध्या (तब फैजाबाद) में जन्मे बशीर बद्र बचपन से ही शायरी की ओर आकर्षित थे और सात वर्ष की उम्र में ही शेर कहने लगे थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पीएचडी के बाद उन्होंने वहीं उर्दू के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, फिर मेरठ कॉलेज में 17 वर्षों तक विभागाध्यक्ष रहे। फारसी, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ ने उनकी शायरी को समृद्ध और बहुआयामी बनाया। जब जीवन की सबसे गहरी आग इंसान के भीतर उतर जाए, तो शब्द भी राख से जन्म लेते हैं। 1987 के मेरठ दंगों ने बशीर बद्र को भीतर तक तोड़ दिया- उनका घर, यादें और अनमोल अनप्रकाशित रचनाएं सब-कुछ जलकर राख हो गया। इस त्रासदी ने उन्हें लंबे समय तक लेखन से दूर कर दिया और उनका जीवन गहरे खालीपन में डूब गया। लेकिन भोपाल में डॉ. राहत बद्र के साथ नए सिरे से मिली जीवन-धारा ने उन्हें फिर से शब्दों की ओर लौटा दिया। उसी पीड़ा से निकली उनकी अमर पंक्ति-"लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में . ."-आज भी मानवीय संवेदना की सबसे तीखी और सजीव अभिव्यक्ति मानी जाती है। शब्दों को सजाने के बजाय उन्हें जीने की कला बशीर बद्र की शायरी की सबसे बड़ी पहचान थी। उन्होंने जटिल अलंकारों की जगह जीवन की सीधी, सरल भाषा को अपनाया और उसी में गहराई भर दी। प्रेम, विरह, अकेलापन और सामाजिक यथार्थ उनकी ग़ज़लों में सहजता से उतरते थे। उनकी प्रमुख कृतियाँ 'इकाई', 'इमेज', 'आमद', 'आहट', 'आस' और 'कुल्लियात-ए-बशीर बद्र' आधुनिक उर्दू साहित्य की अमूल्य धरोहर बन गईं। 'आस' के लिए उन्हें 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और उसी वर्ष पद्म श्री से सम्मान मिला। साथ ही उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी से चार बार, बिहार उर्दू अकादमी से एक बार तथा 1980 में न्यूयॉर्क के 'पोएट ऑफ द ईयर' सम्मान ने उनकी वैश्विक पहचान को और मजबूत किया। कुछ पंक्तियां समय को भी पीछे छोड़ देती हैं और स्मृतियों में हमेशा के लिए बस जाती हैं- ऐसी ही शायरी बशीर बद्र की पहचान है। उनकी मशहूर पंक्तियां "उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो . ." और "दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे . ." आज भी लोगों की ज़ुबान पर जीवित हैं, जो रिश्तों और भावनाओं को एक नई दृष्टि देती हैं। उनके 18,000 से अधिक शेर और असंख्य ग़ज़लें फिल्मों, रेडियो और मुशायरों में लगातार गूंजती रही हैं। उनकी शायरी ने उर्दू ग़ज़ल को आम इंसान की भाषा बना दिया, जहां हर व्यक्ति अपने दर्द और अपनी पहचान को महसूस कर सकता है। जब यादें साथ छोड़ने लगती हैं, तब भी शब्द अपनी रोशनी नहीं खोते-बशीर बद्र के जीवन का अंतिम चरण इसका साक्षात प्रमाण रहा। डिमेंशिया ने धीरे-धीरे उनकी स्मृतियों पर धुंध छा दी, लेकिन उनकी पत्नी डॉ. राहत बद्र उनकी रचनाएं सुनाकर उन्हें फिर से जीवित करती रहीं। उनकी ग़ज़लें समय की सीमाओं को पार कर आज भी लोगों को जोड़ती हैं, और यही साबित करती हैं कि सच्ची रचना कभी मरती नहीं-वह हमेशा अपने पाठकों के भीतर जीवित रहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

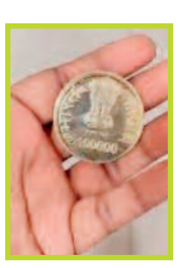

संकलित
दर्शन

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

## सिद्धियों का उचित प्रयोग ही करें

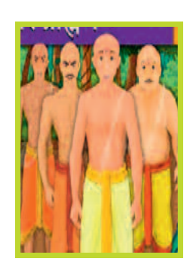

संकलित
प्रेरणा

चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अतः इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहा- मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूँ। उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहा- मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूं। फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोला- मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूं। चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोका- यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ। किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

## अंतर्मन

## आज की पाती

### पेट्रोल-डीजल वाहनों का विकल्प इलेक्ट्रिक वाहन

अमरीका और ईरान युद्ध के कारण हमारे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है। इससे आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ रहा है, खासतौर पर जिनका कारोबार अपने निजी वाहनों के जरिए होता है, डीजल की कीमत में वृद्धि से सार्वजनिक वाहनों में सफर भी महंगा हो सकता है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम ई-बस सेवा योजना को हरी झंडी देकर चंडीगढ़ के लिए लगभग 25 इलेक्ट्रिक बसों का वर्चुअल तरीके से शुरुआत की। छत्तीसगढ़ में भी ऐसी पहल हो चुकी है। यहां की सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अच्छी पहल करते हुए नई इलेक्ट्रिक बसें और अन्य सरकारी वाहन ही खरीदने का मन बनाया है। सरकार इससे अपने यहां डीजल और पेट्रोल का प्रयोग भी कम करेगी। *– विकास चौधरी, दुर्ग*

## करंट अफेयर

### अगले पांच साल में तापमान में होगी रिकॉर्ड वृद्धि : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की नयी जलवायु रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगले पांच वर्षों के दौरान पृथ्वी का तापमान कई बार उस अंतरराष्ट्रीय सीमा से ऊपर जा सकता है, जिसे अब तक सुरक्षित माना जाता रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान पृथ्वी के सबसे गर्म वर्ष का रिकॉर्ड भी कई बार टूट सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने यह भी अनुमान जताया है कि 2030 तक आर्कटिक क्षेत्र का तापमान करीब 1.66 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। इसके साथ ही अमेजन क्षेत्र में गंभीर सूखे और वनाग्नि का खतरा भी बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कोयला, तेल और गैस के इस्तेमाल से बढ़ रही वैश्विक गर्मी के कारण बाढ़, सूखा और भीषण गर्मी जैसी चरम मौसमी घटनाएं अधिक होंगी। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु एजेंसी और ब्रिटेन के मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 से 2030 के बीच औसत वैश्विक तापमान के औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की 75 प्रतिशत आशंका है। यही वह सीमा है जिसे 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में सुरक्षित माना गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान में मामूली वृद्धि भी मौत, खतरे और जीव-जंतुओं की प्रजातियों के नुकसान का कारण बन सकती है।

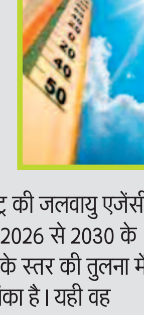

## ऑफ बीट

### लगातार गाड़ी चलाते समय थकान क्यों महसूस होती है

चाहे आप रोज दफ्तर आने-जाने के लिए गाड़ी चला रहे हों या समुद्र किनारे लंबी यात्रा पर निकले हों, लगातार 'ड्राइविंग' शरीर और दिमाग दोनों को थका सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गाड़ी चलाना एक बेहद जटिल काम है, जिसमें दिमाग के कई हिस्सों को एक साथ काम करना पड़ता है। इनमें योजना बनाना, सतर्क रहना और आसपास की चीजों को समझना शामिल हैं। लेकिन जब आप थक जाते हैं, तो दिमाग के ये हिस्से पहले की तरह प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाते। यही वजह है कि चालक की थकान को सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता है। हालिया शोध बताते हैं कि ऑस्ट्रेलिया की सड़कों पर हुए हादसों में से 20 से 30 प्रतिशत उनींदे होकर गाड़ी चलाना एक प्रमुख कारण रहा। इसका असर हर उम्र और अनुभव वाले चालकों पर पड़ सकता है। ड्राइविंग के दौरान दिमाग कैसे काम करता है-ड्राइविंग एक ऐसा कार्य है जिसमें ध्यान, सतर्कता, चीजों को पहचानने की क्षमता, शरीर की गतिविधियों पर नियंत्रण और तेज निर्णय लेने जैसी कई मानसिक प्रक्रियाएं एक साथ सक्रिय रहती हैं। एक शोध विश्लेषण में पाया गया कि गाड़ी चलाने के दौरान दिमाग के बहुत से खास हिस्से सक्रिय हो जाते हैं।

## ट्रेंड

### सावरकर को श्रद्धांजलि

महान क्रांतिकारी और प्रतिभाशाली राष्ट्रवादी विचारक वीर सावरकर को हार्दिक श्रद्धांजलि! उनका वीरता और बुद्धि से परिपूर्ण व्यक्तित्व राष्ट्र की प्रत्येक पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

### खाद्यान्न उत्पादन

देश में खाद्यान्न उत्पादन का अब तक का उच्चतम स्तर दर्ज किया गया है। कल ही हमने तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया। इस वर्ष खाद्यान्न का कुल अनुमानित उत्पादन 3,765.63 लाख टन है, जो पिछले वर्ष से 188 लाख टन अधिक है।

- **शिवराज सिंह चौहान,** केंद्रीय कृषिमंत्री

### समस्याओं का समाधान

सत्ता हमारे लिए सुख का साधन नहीं, बल्कि जनता की सेवा का माध्यम है। ग्राम चौपाल के माध्यम से राजस्थान सरकार आज हर गांव तक पहुंच रही है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर किया जा सके और विकास योजनाएं समाज के सबसे दूरस्थ व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।

- **भजनलाल शर्मा,** सीएम, राजस्थान

### राजनीतिक प्रतीक

भारतीय सार्वजनिक विमर्श के विशाल रंगमंच पर, जहाँ रूपक लंबे समय से औजार और हथौड़े दोनों का काम करते आए हैं, तिलचट्टे का एक कीड़े से राजनीतिक प्रतीक के रूप में उभरना एक गहरा परिवर्तन दर्शाता है।

- **राम गोपाल वर्मा,** फिल्मकार

### अपने विचार

**हरिभूमि कार्यालय**

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

# अपनी डायरी में बशीर बद्र के शेर लिखती थीं मीना कुमारी

बशीर बद्र के कई शेर और गजलें बॉलीवुड में भी फिल्मों व गानों में इस्तेमाल किए गए हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय गजल 'न जी भर के देखा, न कुछ बात की' भी शामिल है। इसके अलावा बशीर बद्र का दिग्गज बॉलीवुड एक्ट्रेस मीना कुमारी से भी एक खास कनेक्शन रहा है। मीना कुमारी बशीर बद्र के शेरों की काफी कायल थीं। मीना कुमारी जो खुद भी शायरी करती थीं और उनका उपनाम नाज था। वो बशीर बद्र की शायरी की काफी बड़ी फैन थीं। वो अपनी तन्हाई के समय में बशीर बद्र के शेर सुना करती थीं और उन्हें लिखा करती थीं। 1960 के दशक में बशीर बद्र का एक शेर बहुत लोकप्रिय हुआ था। मीना कुमारी को वह शेर इतना पसंद आया कि उन्होंने उसे अपने हाथों से लिखकर एक मशहूर मैगजीन को छपने के लिए दे दिया। ये शेर था-'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।' इसके अलावा मीना कुमारी अपनी निजी डायरी में भी बशीर बद्र के शेर लिखा करती थीं।

## कई फिल्मों में सुनने को मिलीं पद्मश्री शायर की गजलें

### बशीर बद्र के बेटे ने लिखे देवदास समेत कई फिल्मों के गाने

इसके अलावा बशीर बद्र एक अन्य तरीके से भी सिनेमा से जुड़े रहे। बशीर बद्र के बेटे व गीतकार नुसरत बद्र ने बॉलीवुड में कई फिल्मों के लिए गीत लिखे हैं। उन्हें सबसे बड़ी सफलता संजय लीला भंसाली की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'देवदास' से मिली। इस फिल्म के सभी यादगार गानों को नुसरत बद्र ने ही लिखा है। इनमें 'डोला रे डोला', 'सिलसिला ये चाहत का' और 'मार डाला' जैसे गीत शामिल हैं।

### कभी यूं भी आ मेरी आंख में

बशीर बद्र की कई गजलें फिल्मों में बतौर गीत भी ली गई हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय 'तुम बिन' फिल्म का गीत 'कोई फरियाद' शामिल है। इसके अलावा 'बादल' फिल्म का गाना 'कभी यूं भी आ मेरी आंख में, कि मेरी नजर को खबर न हो' भी शामिल है। इसके अलावा 'न जी भर के देखा, न कुछ बात की', 'लोग कहते हैं अजनबी तुम हो, अजनबी मेरी जिंदगी तुम हो' जैसी गजलें भी शामिल हैं।

### लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में

डॉ. बशीर बद्र की शायरी आम आदमी की पीड़ा, उम्मीद, टूटन और इश्क को बेहद सादगी और गहराई से बयान करती है। शेर जैसे, 'लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में', समाज की विडंबनाओं को बताते हैं। उनकी गजलें दिलों को छूती हैं, क्योंकि वे किताबी नहीं, जिंदगी से निकली हुई हैं।

### फिल्मों में डॉ. बशीर बद्र का योगदान

**मसान (2015) में गज़लों का उपयोग** : नीरज घायवान द्वारा निर्देशित फिल्म 'मसान' में बशीर बद्र की शायरी और गजलों को विशेष स्थान दिया गया। फिल्म की मुख्य पात्र शालू (श्वेता त्रिपाठी) को हिंदी साहित्य और शायरी का बहुत शौक है, और फिल्म में उनके चरित्र को उभारने के लिए बशीर बद्र की कविताओं का इस्तेमाल किया गया था।

**'तुम्हारी सुलु' (2017)**: इस फिल्म में बशीर बद्र की कविताओं के भावों और उनकी पंक्तियों का खूबसूरती से उपयोग किया गया।

**रेडियो शो**: विविध भारती पर प्रसारित होने वाले इस अत्यंत लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम का शीर्षक भी डॉ. बशीर बद्र की ही एक मशहूर गजल की पंक्ति से लिया गया था- उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।

### विशाल ने सुनाया था बशीर बद्र से जुड़ा ये इमोशनल किस्सा

रेख्ता के मंच पर फिल्मकार और संगीतकार विशाल भारद्वाज ने उर्दू शायरी के महान नाम डॉ. बशीर बद्र के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए एक भावुक किस्सा सुनाया था। जो सुनने वालों की आंखें नम कर गया। यह घटना उन दिनों की है जब 1980 के दशक में मेरठ के सांप्रदायिक दंगों में

बशीर बद्र साहब का घर जलकर राख हो गया था। गजलों की नई फसल भी आग की भेंट चढ़ गई. गहरी उदासी और डिप्रेशन में डूबे शायर को विशाल ने अपनी याद्दाश्त से उबार लिया। विशाल भारद्वाज ने बताया कि उन्होंने बशीर बद्र की तमाम गजलें अपने जहन में महफूज कर ली थीं। जब शायर साहब इस त्रासदी से टूटकर गुमसुम हो गए, तब विशाल और उनके एक बुजुर्ग मित्र ने बशीर बद्र को उनकी अपनी रचनाएं सुनानी शुरू कीं। एक-एक शेर, एक-एक गजल, सब याद थे। बशीर बद्र साहब स्तब्ध रह गए। उन्होंने महसूस किया कि उनकी आवाज अभी जिंदा है, उनकी शायरी अभी बाकी है। यह सुनकर वे भावुक हो उठे और धीरे-धीरे डिप्रेशन से उबरने लगे। विशाल ने रेख्ता पर कहा, 'बशीर साहब को गम घर जलने का नहीं, बल्कि नई गजलों के खो जाने का था। संयोग से मैंने उन्हें याद रखा था।' विशाल भारद्वाज ने बशीर बद्र को अपना गुरु माना और उनके प्रभाव को अपने संगीत व फिल्मों में भी जगह दी. विशाल भारद्वाज ने उनकी रचनाओं को फिल्मों और एल्बम में लिया। 'पलकें खोलो' गीत उनके शब्दों पर आधारित है। फिल्म 'डेढ़ इश्किया' में उनके कई शेर इस्तेमाल हुए।

## हॉलीवुड मसाला

### ही-मैन बनने धांसू ट्रांसफॉर्मेशन

**नई दिल्ली।** जैसे-जैसे ही-मैन पर बनी फिल्म 'मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, इसे लेकर सोशल मीडिया पर फैन्स के बीच चर्चाएं बढ़ती जा रही है। फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघर में आएगी। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म के दो बीटीएस वीडियो जारी किए हैं, जिनमें निकोलस गैलित्जिन को खूब मेहनत करते देखा जा सकता है। बीटीएस वीडियो में फिल्म के हीरो निकोलस गैलित्जिन के शानदार फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की पूरी कहानी दिखाई गई है।

### मैथ्यू डेथ केस में निजी सहायक केनेथ को 41 महीने की सजा

**लॉस एंजिल्स।** मशहूर अभिनेता मैथ्यू पेरी ड्रग ओवरडोज की वजह से जिंदगी से हार गए थे। इस मामले के आरोपी केनेथ इवामासा ने अपना गुनाह को कुबूल कर लिया है। उन्होंने अदालत के सामने मैथ्यू को केटामाइन देने की बात स्वीकार की, जिसमें वो डोज भी शामिल हैं जो पेरी की मौत का कारण बनी। न्यायाधीश शेरिलिन गार्नेट ने आरोपी केनेथ इवामासा को 41 महीनों की सजा सुनाई। इससे पहले जसवीन संघा ने भी अपना गुनाह कुबूल कर लिया था। उन्होंने अदालत से कहा था, 'इस दुखद घटना की वजह बने हालात में मैंने जो भूमिका निभाई और जो काम किए मैं उनकी पूरी जिम्मेदारी लेती हूं। मैं समझती हूं कि मेरा बर्ताव यानी ड्रग्स का धंधा चलाना और उसी रास्ते पर चलते रहना लापरवाही भरा, खतरनाक और गलत था'। अदालत ने जसवीन को 15 साल की सजा सुनाई थी।

## प्यार था... पर राहें अलग हो गईं...

**मुंबई।** बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है। एक बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे, जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।' पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए।

## मातृभूमि का नया गाना मैं हूं रिलीज...

**मुंबई।** इन दिनों सलमान खान अपनी आने वाली फिल्म मातृभूमि के प्रमोशन में लगे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ईद पर भी फैंस को भाईजान ने खुश कर दिया, उन्होंने अपनी इस फिल्म एक गाना 'मैं हूं...' का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इस गाने पर फैंस ने जमकर रिएक्शन दिए हैं। साथ ही बॉलीवुड सेलेब्स ने भी गाने को खूब पसंद किया और भाईजान को ईद की बधाई भी दी है। फिल्म मातृभूमि के गाने 'मैं हूं...' में सलमान खान एक्ट्रेस चित्रांगदा के साथ रोमांस कर रहे हैं। इस गाने में भाईजान का अंदाज फैंस को पसंद आया है। गाने को श्रेया घोषाल ने गाया है। 'मैं हूं' गाने में चित्रांगदा का किरदार अपने पति यानी सलमान खान के किरदार को याद करती है, जो बॉर्डर पर देश की रक्षा कर रहा है।

## जैकी ने बीवी नंबर 1 के 27 साल पूरे होने का मनाया जश्न

**मुंबई।** बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फिल्म 'बीवी नंबर 1' को रिलीज हुए 27 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्ममेकर जैकी भगनानी ने फिल्म की यादें ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सलमान खान, करिश्मा कपूर, सुष्मिता सेन, अनिल कपूर और तब्बू जैसे कलाकारों की तारीफ की। साथ ही अपने पिता वाशु भगनानी और डायरेक्टर डेविड धवन के साथ बिताए पुराने दिनों को याद किया। जैकी ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे वे फिल्म के सेट पर घूमा करते थे। उन्होंने देखा कि उनके पिता वाशु भगनानी और निर्देशक डेविड धवन मिलकर रूमी जाफरी की लिखी कहानी पर कितना शानदार काम करते थे और सेट पर एक अलग ही जादू बिखेर देते थे। जैकी ने लिखा सलमान खान की एनर्जी कमाल की थी। करिश्मा कपूर ने बहुत ही बेहतरीन एक्टिंग की थी। सुष्मिता सेन का अंदाज बेहद शालीन था। अनिल कपूर की कॉमेडी टाइमिंग लाजवाब थी। तब्बू का काम भी बहुत ग्रेसफुल था। उन्होंने आगे लिखा कि यह फिल्म किसी खजाने से कम नहीं है। जैकी ने सभी फैंस को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतने साल से इस फिल्म

को लगातार प्यार देने के लिए आपका शुक्रिया। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म 'बीवी नंबर 1' के 27 साल पूरे होने का जश्न मनाया। 'बीवी नंबर 1' पूजा नाम की एक साधारण घरेलू महिला की कहानी है। वह अपने पति प्रेम और दो बच्चों के साथ खुशी-खुशी रहती है। लेकिन ट्विस्ट तब आता है जब उसका पति उसे छोड़कर रूपाली नाम की एक खूबसूरत मॉडल के पास चला जाता है। इसके बाद, अपने पति को वापस पाने और उसका ध्यान खींचने के लिए पूजा अपना पूरा लुक बदल लेती है। यह जश्न ऐसे समय पर हो रहा है जब जैकी भगनानी के पिता वाशु भगनानी और उनकी कंपनी एक बड़े कानूनी विवाद में घिर गई है। यह विवाद आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गानों को लेकर है।

## ऑफिस ऑफिस की वापसी, अब मुसद्दीलाल की बेटी बाजी पलटेगी

**नई दिल्ली।** टीवी की दुनिया में बहुत कम सीरियल ऐसे हैं, जिनके किरदार लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गए। 'ऑफिस ऑफिस' सीरियल उन्हीं में से एक था। इस सीरियल में पंकज कपूर, मनोज पाहवा, हेमंत पांडे, संजय मिश्रा और बाकी किरदार सिर्फ कॉमेडी नहीं करते थे बल्कि सरकारी सिस्टम की सच्चाई दिखाते थे। करीब दो दशक बाद अब यह कल्ट सीरियल नए अंदाज में लौट रहा है। डायरेक्टर उमेश अपने नए सीरियल 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी' के बारे में कहते हैं, 'करीब ढाई साल पहले हमें दूरदर्शन से बुलावा आया था। उन्होंने कहा कि आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं? हम लोग कई आइडिया लेकर गए थे। बात करते-करते उन्होंने पूछा कि क्या आप सीरियल 'ऑफिस ऑफिस' कर सकते हैं? मैंने कहा कि पुराना सीरियल बनाना अब मुश्किल है।

## 42 साल पुराने गाने में लहूलुहान हुए थे अमिताभ, आशा और किशोर ने दी थी आवाज

**नई दिल्ली।** हिंदी सिनेमा में अच्छे गानों की फेहरिस्त में ऐसे कई गाने हैं जिनको दो सबसे दिग्गज गायकों ने आवाज दी। इन गायकों की जोड़ी ने ऐसे कल्ट गाने दिए जो आज भी खूब सुने जाते हैं। आज हम उस गायक जोड़ी का एक ऐसा गाना सुनाने जा रहे हैं, जिस पर आज भी लोग जमकर थिरकते हैं। दरअसल जिस गाने की हम बात कर रहे हैं वो गाना है 1984 में आई फिल्म 'शराबी' का और वो गाना है 'मुझे नौलखा मंगा दे रे ओ सैयां दीवाने'। इस गाने को सुनने वाले आज भी उतने ही चाव से सुनते हैं। गाना जब भी बजता है, लोगों के पैर अपने ही थिरकने लगते हैं। इस गाने में अमिताभ बच्चन और जया प्रदा ने खूब ठुमके लगाए थे। ये गाना आज भी सुपरहिट है। यूं तो फिल्म शराबी के सभी गाने हिट हुए थे, लेकिन इस गाने ने अलग ही तहलका मचाया था। कहा जाता है कि महिलाएं अपने पति से इस गाने के बाद खूब हार मांगा करती थीं।

### बप्पी लहिरी ने तैयार किया था संगीत

इस गाने को आशा भोसले ने अपनी आवाज दी थी तो वहीं किशोर कुमार ने भी गाने को गाया था। गाने में किशोर दा और आशा ताई की आवाज ऐसी बैठी कि ये गाना भी ब्लॉकबस्टर हो गया। आशा ताई और किशोर दा पहले ही कई हिट गाने दे चुके थे, ऐसे में ये गाना भी उनकी झोली में ही आया। इस गाने का संगीत बप्पी लहिरी ने तैयार किया था। वहीं गाने को अनजान ने लिखा था। हालांकि इस गाने की शूटिंग भी बेहद दिलचस्प रही थी।

### चोट के बावजूद बिग बी ने की थी शूटिंग

इस गाने के दौरान दिलचस्प किस्सा यह है कि इसकी शूटिंग अमिताभ बच्चन ने चोटिल हाथ के साथ की थी। खुद इस बात का खुलासा एक बार जया प्रदा ने किया था। दरअसल रियलिटी शो 'सारेगामापा लिटिल चैम्प्स' में जब जया प्रदा आईं थी तो यहीं उन्होंने बताया था कि, 'आज भी मुझे अच्छे से याद है कि, जब हम नौलखा मंगा दे रे गाने की शूटिंग कर रहे थे तो अमित जी को दिवाली के दौरान हाथ में चोट लग गई थी। गाने के एक हिस्से में वह घुंघरू से खेल रहे हैं लेकिन क्योंकि वह दर्द में थे और पहले से ही चोटिल थे इसलिए हर बार जब वह सीन के लिए शूटिंग करते थे तो खून बहता था। इस सबके बाद भी वो आइस बॉक्स की मदद से हाथ आगे-पीछे करके शूटिंग करते रहे और फिर जाकर शूटिंग पूरी हुई। इस दौरान उनकी मेहनत और डेडिकेशन वाकई में कमाल था और मैंने भी उनसे बहुत कुछ सीखा था।

epaper : www.haribhoomi.com

# हरिभूमि Classified

तलाश की नई सुबह
Contact for advertisment booking :
Raipur : 62638-18152

**Appointment आवश्यकता**

**टीचर**

आवश्यकता है- श्री कृष्णा हिंदी/ अंग्रेजी स्कूल चंडी (अभनपुर) में अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, कॉमर्स, जीव विज्ञान, रसायन शिक्षक की आवश्यकता है। योग्यता- संबंधित विषयों में स्नातक/ स्नाकोत्तर/बी. एड। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6/6/2026 साक्षात्कार तिथि 07/06/2026 संपर्क - 9926125257, 9893534338. (RO-187)

Wanted- Shivom Vidyapeeth School, Affiliated with CBSE, Raipur requires PGT: English, Maths, Accountancy, Psychology, Biology, Chemistry. TGT: English, Maths, Science, Sanskrit, S.St. PRT: All Subjects. PPRT: All Subjects. Specified Requirements Career Counsellor, Special Educator, Nurse, Admission Counsellor. Eligibility- Relevant Degree, B.Ed./ CTET (Teachers), Fluent English, 2+ Years Experience. hr@shivom.org, 9109126500.(RO-421)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई हायर सैकेण्डरी स्कूल में सभी विषयों के लिए शिक्षकों की आवश्यकता है। योग्यता-स्नातक स्नातकोत्तर डीएड,बीएड अनिवार्य समय 8से 11:30 तक संपर्क:- रामनगर भिलाई मो.- 62614-43664, 81096-53738. (आरो न - 282)

**सुपरवाइजर/गार्ड**

आवश्यकता है- गोगांव, गोदवारा, तेलीबांधा वी.आई.पी. चौक, कटोरा तालाब, चंदनडीह, टाटीबंध हेतु सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड एंव सफाई कर्मचारी की अतिशीघ्र आवश्यकता है कृपया जरूरतमंद ही संपर्क करें। संपर्क नम्बर:- 9981144486.(आरो -197)

**ड्रायवर/हेल्पर**

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन मे कार्य करने हेतु लडको की एवं टाटा एस के लिए ड्राइवर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर मो 9827168307. (RO-101)

आवश्यकता है- नरेंद्र ट्रेडर्स राजीव नगर, गयानगर वार्ड नंबर-4 दुर्ग में ट्रैक्टर के लिए लाइसेंस धारी ड्राईवर -1 पद और लेवर -4 पद की आवश्यकता है संपर्क:- 7999171546, 9303141668. (आरो नं.- 10477)

हरिभूमि क्लासीफाईड

**बाउंसर्स**

आवश्यकता है- घर हेतु 3 बाउंसर्स की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । हाइट 6 फीट या उससे अधिक । ड्यूटी 8 घंटे की शिफ्ट में रहेगी । पूरा महीना कार्य करना अनिवार्य । सैलरी 22000/- से 30000/- प्रतिमाह । गार्ड संपर्क ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, संपर्क :- 9644720222. (RO-11)

**दुकान कार्य**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान मै लड़को (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसारः आशीष शुभम मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर 81039 81038. (RO-101)

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान मे काम करने के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतनः 7000 से 10000/- संपर्क भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, रायपुर मोब. 88189 33330, 88719972005.(RO-om)

**ऑफिस कार्य**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर (देवास इंदौर रीवा प्रयागराज ) मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट संपर्क - 6268044316, 9201024747. (Ro-360)

**ड्रायवर**

आवश्यकता है- एक कार ड्रायवर की आवश्यकता है। गणेश केंवट रायपुर - 8827814437.(Ro-198)

**ड्रायवर/इलेक्ट्रीशियन**

आवश्यकता है- Advertising Agency हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता हैं, वाहन चालक (टाटा एस)। Hoardings/ Unipole की लाईट कार्य करने हेतु इलेक्ट्रीशियन। Hoardings/ Unipole स्थापित करने हेतु Field Manager खुशबू एंटरटेनमेंट सम्पर्क- 7024449349 (Ro-40980)

**होटलकर्मी**

आवश्यकता है- नये चालु हो रहे फैमिली बार एण्ड रेस्टोरेंट नेहरूनगर भिलाई लेडिस, जेंस वेटर, तंदूर कुक, चाइनीज कुक, बार हेल्फर, गार्ड, हाऊसकीपिंग, किचन सुपरवाईजर, काउंटर, केवल अनुभवी वेतन योग्यतानुसार (समय 12से 5बजे ) - 7772088880, 8962501101. (आरो न - 281)

**Finance फायनेंस**

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध ( 2% ब्याज ), (30% छूट ) संपर्क:- 9981421206, 9437550462(RO-4345)

हरिभूमि

**CLASSIFIED RATE CARD**

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

| EDITION | Appointment | Service/Business | Property Rent & Sale | Display |
|---|---|---|---|---|
| Raipur City | 500 | 620 | 550 | 175/- Sq cm |
| Bhilai + Durg Edition | 440 | 560 | 520 | 150/- Sq cm |
| Bilaspur City | 440 | 500 | 520 | 140/- Sq cm |
| Raipur All Edition | 720 | 820 | 800 | 240/- Sq cm |
| Bilaspur All Edition | 610 | 780 | 690 | 195/- Sq cm |
| All CG | 1000 | 1150 | 1120 | 310/- Sq cm |
| All CG + MP | 1280 | 1750 | 1600 | 330/- Sq cm |
| All Edition | 1700 | 2100 | 2000 | 380/- Sq cm |

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

| EDITION | RATE | |
|---|---|---|
| Raipur City | 3000 | 2+1 |
| Bhilai + Durg Edition | 2800 | 5+3 |
| Raipur Edition | 4400 | 10+10 |
| Bilaspur City | 2500 | 15+18 |
| Bilaspur Edition | 3800 | |
| All CG | 5500 | |

MATRIMONIAL CG+MP

| (Runing Matter) | (Size 5x1 Box) |
|---|---|
| 500 /- 1 Sunday | 800 /- 1 Sunday |
| 900 /- 2 Sunday | 1200 /- 2 Sunday |
| 1200/- 3 Sunday | 1500/- 3 Sunday |

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

| | | | |
|---|---|---|---|
| Raipur City | 55000 | 85000 | 1,10,000 |
| Bilai + Durg Edition | 50000 | 80000 | 1,00000 |
| Bilaspur City | 40000 | 70000 | 1,00000 |
| Raipur All Edition | 70000 | 1,20,000 | 1,60,000 |
| Bilaspur All Edition | 55000 | 1,00000 | 1,20,000 |
| All CG | 1,10,000 | 1,80,000 | 2,30,000 |

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

**आवश्यक सूचना**

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

रोचक

शिखर चंद जैन

# इन घरों को देखकर कहोगे OMG!

बच्चो, अधिकतर घर एक निश्चित शेप, साइज और डिजाइन में बने होते हैं। लेकिन तुम्हें जानकर अचरज होगा कि दुनिया में कुछ ऐसे अजब-अनोखे घर भी बनाए गए हैं, जिनको देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। इनकी अजीबो-गरीब संरचना को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ऐसे ही कुछ बेहद अनूठे घरों के बारे में जानो।

## क्रेजी हाउस वियतनाम

**वियतनाम के** दा लाट में स्थित क्रेजी हाउस को कोई पहली बार देखे तो यह किसी हॉरर मूवी का हिस्सा लगता है। यह किसी विशाल डेड ट्री जैसा दिखता है। इस घर में सीधी लाइन में दीवारें या परफेक्ट एंगल वाले कॉर्नर नहीं हैं। इसमें सीढ़ियां गुफाओं जैसी लगती हैं और खिड़कियां मकड़ी के जालों जैसी। मजेदार बात यह है कि यहां के हर कमरे का नाम किसी जानवर के नाम पर रखा गया है, जैसे- टाइगर रूम, ईगल रूम आदि। वास्तुकार डेंग वियत नगा ने अपनी अनोखी कल्पना को साकार रूप देने के लिए इस क्रेजी हाउस का निर्माण किया था। *

## उल्टा घर पोलैंड

**पोलैंड के** सिजमबार्क में एक ऐसा घर मौजूद है, जिसे देखकर तुम अचरज में पड़ जाओगे। इस उल्टे घर यानी इनवर्स हाउस की छत जमीन पर और फर्श आसमान की ओर है। अटपटी बनावट के कारण इस घर के अंदर जाने पर लोगों को अकसर चक्कर आने लगते हैं क्योंकि उनका बैलेंस बिगड़ जाता है। मजे की बात यह है कि इस घर के अंदर फर्नीचर भी छत से उल्टा लटका रहता है। *

## हाउस एनए जापान

**जापान के** टोक्यो शहर में स्थित हाउस एनए, पूरी तरह कांच से बना है। यह पेड़ों की शाखाओं की तरह अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर बना है। प्राचीन काल में जिस तरह इंसान, पेड़ों पर, खुले माहौल में रहते थे। आर्किटेक्ट सु फुजीमोटो इस घर में रहने वालों को कुछ उसी तरह का अनुभव देना चाहते थे। इसलिए उन्होंने ऐसा अनोखा घर बनाया। जापान में निजी घरों के अलावा, कई सार्वजनिक स्थलों पर भी इस तकनीक का उपयोग किया गया है। *

## क्यूब हाउस नीदरलैंड

**नीदरलैंड देश** के रॉटरडैम में ऐसे कई घर हैं, जिन्हें क्यूब हाउस कहा जाता है। इन घरों के ऊपरी सिरे पर

45 डिग्री के एंगल पर झुके हुए पीले रंग के क्यूब्स बने हैं। यहां का हर घर एक पेड़ का प्रतिनिधित्व करता है। इस तरह देखा जाए तो सारे घर मिलकर एक 'शहरी जंगल' बनाते हैं। घर के अंदर की दीवारें और खिड़कियां तिरछी बनी हैं, जिससे फर्नीचर सेट करना मुश्किल होता है। ये क्यूब हाउस बाहर से बहुत ही अट्रैक्टिव नजर आते हैं, जिन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। *

## ड्रिना रिवर हाउस सर्बिया

**सर्बिया देश** के बाजिना बास्ता में स्थित छोटा-सा लकड़ी का घर ड्रिना रिवर हाउस, 1968 से सर्बिया

की ड्रिना नदी के बीच एक चट्टान पर टिका हुआ है। इसे कुछ तैराकों ने आराम करने के लिए बनाया था। हैरानी की बात यह है कि नदी में कई बार भयानक बाढ़ आई, लेकिन यह छोटा सा घर आज भी अडिग खड़ा है। यह घर दुनिया के सबसे शांत और अकेले घरों में से एक माना जाता है। *

## हॉबिट हाउस वेल्स

**यूरोपीय देश** वेल्स के पेमब्रोक शायर में स्थित हॉबिट हाउस, बिल्कुल वैसा ही दिखता है जैसा 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' फिल्म में दिखाया गया है। इसे साइमन डेल ने बनाया था। इस घर को तैयार करने में उन्होंने मिट्टी, पत्थर और लकड़ियों का इस्तेमाल किया। पूरी तरह से ईको-फ्रेंडली इस घर में बिजली के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाता है। इस घर को बनाने में 3,000 पाउंड (लगभग 4 लाख रुपए) का खर्च आया था। *

## कासा डो पेनेडो पुर्तगाल

**पुर्तगाल में** स्थित कासा डो पेनेडो को 'पत्थर का घर' कहा जाता है क्योंकि यह चार बड़े प्राकृतिक ग्रेनाइट पत्थरों के बीच बना है। इसका निर्माण 1972 में एक फैमिली के हॉलिडे होम के रूप में किया गया था। इसमें बुलेटप्रूफ खिड़कियां और एक पत्थर का बना स्विमिंग पूल भी है। इस घर में बिजली का कनेक्शन नहीं है। अपने अनोखे डिजाइन और आस-पास के प्राकृतिक वातावरण के कारण देश-विदेश के पर्यटक इस घर को देखने आते हैं। *

छोटी कहानी

पावनी

मीनू और मोनू ने गर्मियों में कुछ नया करने की सोची। इसके लिए दोनों ने मां से कुछ पैसे भी मांगे। मां ने तुरंत वो पैसे निकाल कर दे दिए, जो उन्होंने मजेदार बचत करके जमा किए थे। आखिर मां की यह मजेदार बचत क्या थी?

# मजेदार बचत

एआई इमेज

गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी थीं। मीनू और मोनू इन छुट्टियों में कुछ नया सीखना चाहते थे। दोनों मां के पास आकर बोले, 'मां हमें कुछ नया करना है।'

मीनू-मोनू की बातें सुनकर मां बोलीं, 'वाह! बहुत अच्छा विचार है बच्चो। तुम दोनों इस बार गर्मी की छुट्टियों में कुछ न कुछ नया जरूर सीखो।'

'मगर मां, इसके लिए तो हमें कुछ एक्स्ट्रा पैसे चाहिए।' मीनू-मोनू एक साथ बोले। 'ओह, तो इसमें परेशानी की कौन-सी बात है। यह लो मजेदार बचत का गुल्लक। इसमें से ले लो रुपए।' मां ने एक गुल्लक लाकर उनके सामने रख दी।

'मजेदार बचत! अरे यह कैसी बचत है मां?' मीनू-मोनू को हैरानी हुई।

मां ने बताया, 'यह तुम दोनों की ही बचत है। यह बचत हमने इस तरह की है, तुम्हें मालूम ही नहीं पड़ा। याद करो, जब-जब तुम बाहर से समोसा, कचौरी वगैरह खाने की जिद करते थे, मैं घर पर ही बना देती थी। इस तरह कई बार हुआ। इससे काफी पैसे बच गए, जो मैंने गुल्लक में डाल दिए।'

मीनू-मोनू को मां की बातें सुनकर बड़ा अच्छा लगा। मां ने आगे भी बताया, 'इतना ही नहीं, तुम दोनों ने कितनी ही बार पानी की बचत की, बेवजह पानी नहीं बहने देते थे। बिजली की भी बचत की। प्रत्येक रविवार को तुम दोनों बाहर बैठकर पढ़ते थे। पानी भी जरूरत भर खर्च करते थे। इससे बिजली और पानी का बिल कम आया। उस बचत के रुपए भी मैं इसी गुल्लक में डाल देती थी। तो यह एक तरह से तुम दोनों की ही कमाई है बच्चो।' मां यह कहकर हंस दीं।

दोनों बच्चे पैसों से भरी गुल्लक देखते ही रह गए। मोनू बोला, 'अरे वाह मां। हमने इतनी बचत कर ली!'

मीनू और मोनू ने गुल्लक को तोड़कर रुपए गिने। मीनू खुशी से बोली, 'ओह, यह तो बहुत ही अधिक पैसे हैं मां। हमारा काम तो इससे कम पैसों में हो जाएगा।'

'तो ठीक है, जितने पैसे तुम दोनों को चाहिए, रख लो। जो बच जाएं, उसकी एक और गुल्लक बना लो।' मां बोलीं।

मीनू-मोनू दोनों उत्साहित स्वर में बोले, 'मां, हम जरूर गुल्लक बनाएंगे और मजेदार बचत करेंगे। हम हमेशा पानी और बिजली बचाएंगे, इसके अलावा जहां हम बचत कर सकते हैं, करेंगे।' 'मुझे तुम पर गर्व है बच्चो।' मां दोनों को गले लगाते हुए बोलीं। *

कविता / गोविंद भारद्वाज

# मेरी साइकिल !

सबको पीछे छोड़ घुमाती,
सरपट-सरपट दौड़ लगाती।
मेरी साइकिल...!
कच्चा हो या पक्का रस्ता,
साधन लगता सबको सस्ता।
रोज सुबह मैं पढ़ने जाता,
रखकर पीछे अपना बस्ता।
ट्रिन-ट्रिन का शोर मचाती,
सरपट-सरपट दौड़ लगाती।
मेरी साइकिल...!
पैडल मार मैं इसे चलाऊं,
गली-गली में रोज घुमाऊं।
सर्कस के जोकर के जैसे,
दो पहियों पर खूब नचाऊं।
हरदम मेरा साथ निभाती,
सरपट-सरपट दौड़ लगाती।
मेरी साइकिल...!
कभी न मांगे खर्चा-पानी,
कम न होती इसकी रवानी।
कसरत और जॉगिंग में तो,
अव्वल रहती सदा कहानी।
प्रदूषण से सबको बचाती,
सरपट-सरपट दौड़ लगाती।
मेरी साइकिल...!

## बूझो तो जानें

1 एक गुफा में बत्तीस चोर
सबके तन हैं श्वेत,
खाने वाली चीजों पर ये
जुटते हैं समवेत।

2 एक बक्से में चालीस चोर
सबका मुंह है काला,
पैर पकड़ जिसका भी रगड़ो
वो झट करे उजाला।

3 एक वृक्ष में बारह शाखें
बावन उनके होती आंखें,
तीन सौ पैंसठ जिसमें फूल
क्या कहलाए बोलो मूल?

-वसीम अहमद नगरामी

उत्तर: 1. दांत, 2. माचिस, 3. वर्ष

## जीके क्विज-207

1. हाल ही में भारत के किस शहर में हाइड्रोजन बस सेवा शुरू की गई है?
2. इंटरनेशनल बुकर लिटरेचर प्राइज 2026 के विजेता कौन बने हैं?
3. भारत के किस राज्य ने देश में सबसे पहले एआई मंत्रालय बनाया है?
4. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?
5. ताज महल किस नदी के तट पर स्थित है?
6. पिछले दिनों किस पर्वतारोही ने 32वीं बार माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया?
7. भारत का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र कहां स्थापित किया गया था?
8. इंसुलिन का प्रयोग किस बीमारी के उपचार में होता है?
9. विश्व का सबसे घना जंगल कौन-सा है?
10. सांची का स्तूप किस राज्य में स्थित है?

बच्चो, जीके क्विज-207 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

**जीके क्विज-206 का उत्तर :** 1. सी. जोसेफ विजय, 2. क्रिस्टोफर कोलंबस, 3. फॉस्टिनो ऑरो, 4. 5 जून, 5. हर्षवर्धन, 6. रामकृष्ण परमहंस, 7. भारत रत्न, 8. प्रकाश संश्लेषण, 9. दादाभाई नौरोजी, 10. शुक्र

**जीके क्विज-206 का सही उत्तर देने वाले :** प्रीति-रायपुर, पूरब-बिलासपुर, गरिमा-गरियाबंद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, जिया शिया-रायगढ़, वर्णिका-खैरागढ़, मोहनीश-गरियाबंद, तेजस-रोहतक, दिव्या-हिसार, संचित-महासमुंद

कहानी

डॉ. अलका जैन 'आराधना'

इन दिनों गर्मी की छुट्टियों में पिंकू देर तक सोता था। दादी ने कई बार उसे टोका कि सुबह उठकर ताजी हवा का आनंद लिया करे। पिंकू की आदत नहीं सुधरी। लेकिन कुछ समय बाद ही, एक नन्ही गिलहरी ने पिंकू की देर से उठने की आदत सुधार दी। बच्चो, है ना हैरान करने वाली बात!

# गिलहरी ने सुधारा पिंकू को

एआई इमेज

पिंकू के स्कूल में गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं। वह आजकल देर तक सोता था। उसकी दादी उससे बार-बार कहतीं, 'सुबह जल्दी उठा करो। गर्मियों की सुबह बहुत सुहानी होती है। बाहर टहलने जाओ, ताजी हवा खाओ। सूरज सिर पर आने के बाद उठने से क्या फायदा?' जवाब में पिंकू दादी से यही कहता, 'दादी, आप भी ना! पूरे साल तो जल्दी उठकर स्कूल ही जाता हूं। कम से कम छुट्टियों में तो चैन से सोने दें।'

दादी उसे समझातीं, 'बेटा, तुम दिन में भी थोड़ा सो सकते हो। सुबह जब जल्दी उठकर पार्क में खेलने जाओगे तो तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा, तुम स्वस्थ रहोगे।'

दादी की बातों का कोई असर पिंकू पर नहीं होता। वह रात को देर तक अपने पसंदीदा टीवी शोज देखता, सुबह दस बजे से पहले नहीं उठता। पिंकू को सोते समय शांति पसंद थी। वह अपना कमरा बंद करके, सभी पर्दे लगाकर सोता था, ताकि उसकी नींद में कोई रुकावट न आए। उसका देर से उठने का सिलसिला लगातार चल रहा था। एक दिन सुबह-सुबह हल्का-सा शोर सुनकर पिंकू की नींद टूट गई। यह आवाज घर के अंदर से नहीं आ रही थी। उसने गौर किया, बाहर लॉन की तरफ से उसकी खिड़की के शीशे पर कोई ठक-ठक कर रहा है। पिंकू एक बार तो डर गया। उसने पास ही रखी स्मार्ट वॉच को उठाकर टाइम देखा, सुबह के पांच बज रहे थे। उसे समझ में नहीं आया कि इतनी सुबह भला कौन आएगा? पिंकू फिर से सोने की कोशिश करने लगा। लेकिन यह क्या? ठक-ठक की आवाज आना तो बंद ही नहीं हुई। पिंकू की नींद पूरी तरह उचट गई। वह उठा और धीरे-धीरे कदम बढ़ाते हुए खिड़की के पास आया, पर्दा हटा कर देखा, उसे कोई नहीं दिखाई दिया। पिंकू फिर से बिस्तर पर आकर लेट गया। उसने फिर से सोने की कोशिश की। जैसे ही आंख लगी, फिर से खिड़की पर ठक-ठक होने लगी। पिंकू एक बार फिर खिड़की के पास गया और पर्दा हटाकर देखा, लेकिन इस बार भी उसे कोई नहीं दिखाई दिया। पिंकू वापस बिस्तर पर आकर लेट गया। थोड़ी ही देर में कुछ सोचकर वह उठा, वहीं खिड़की के पास की दीवार से सटकर खड़ा हो गया, जैसे ही आवाज आई, उसने खिड़की का पर्दा हटाकर जो देखा, देखकर दंग रह गया। एक नन्ही-सी गिलहरी खिड़की के कांच के पास आकर ठक-ठक कर रही थी। पिंकू को मन ही मन अपने पर हंसी आई, 'मैं बेकार ही डर रहा था।'

अब तो यह रोज का सिलसिला हो गया था। सुबह ठीक पांच बजे वही ठक-ठक की आवाज चालू हो जाती थी। पिंकू सो नहीं पाता। उसे ऐसा लगने लगा, मानो वह गिलहरी दादी की सहेली हो, दादी ने उसे जगाने की ट्रेनिंग दी है। एक दिन सुबह ठक-ठक की आवाज से परेशान होकर पिंकू उठा, उसने अपने स्लीपर पहने और बाहर लॉन में आ गया। लॉन में वही नन्ही गिलहरी उछल-कूद कर रही थी। बाहर दादी की चप्पलें नहीं रखी हुई थीं, मतलब दादी वॉक पर चली गई थीं। पिंकू की नजर गार्डन के फूल-पौधों पर पड़ी, वो मुरझाए से लग रहे थे। दादी रोज वॉक से लौटकर पौधों को पानी देती थीं। पिंकू ने एक पल कुछ सोचा, फिर वहां रखा हुआ पाइप नल में लगाया और पौधों को पानी देने लगा। एक गमले में उसने थोड़ा ज्यादा पानी भर दिया था। वह दूसरे गमले की तरफ बढ़ा ही था, नन्ही गिलहरी जाकर पानी भरे उस गमले से पानी पीने लगी। पिंकू को यह दृश्य बहुत प्यारा लगा। पिंकू ने गिलहरी से यों ही प्यार से पूछा, 'तुम मुझे सुबह जल्दी क्यों जगा देती हो?'

गिलहरी ने एक बार और पानी पिया और फुदकती हुई थोड़ा दूर चली गई। अगले दिन फिर उसी ठक-ठक की आवाज से पिंकू की आंख खुल गई। उसने जाकर पौधों को पानी दिया, नन्ही गिलहरी ने भी गमले में भरे पानी को पिया। पिंकू ने तभी देखा- गिलहरी के साथ-साथ पानी पीने चिड़िया भी आ गई है। 'अच्छा, तो नन्ही गिलहरी मुझे इसलिए जगाती है ताकि मैं समय पर पौधों को पानी दूं और उनकी प्यास भी बुझ जाए।' पिंकू ने मन ही मन सोचा।

अब तो पिंकू की नींद रोज सुबह पांच बजे अपने आप खुल जाती थी। वह पौधों को पानी देने के बाद नन्ही गिलहरी को 'गुड मॉर्निंग' कहकर अपनी साइकिल लेकर पार्क की ओर निकल जाता था, जहां उसके दोस्त पहले से ही खेल रहे होते थे। वहां वह थोड़ी देर अपने दोस्तों के साथ खेलता। देर से उठने की आदत की वजह से पिंकू सुबह जल्दी उठने के फायदे नहीं जानता था। लेकिन अब वह जान और समझ गया था। गिलहरी ने पिंकू की देर से उठने की आदत सुधार दी थी। पिंकू की इस बदली हुई आदत से दादी भी खुश थीं। *

तुम्हारे लिए नई किताब / शिव मोहन यादव

# अच्छी-अच्छी सीख देतीं रोचक कहानियां

बच्चों के प्रिय बाल साहित्यकार हैं गोविंद शर्मा। इनकी एक नई किताब आई है 'पानी में पैसा', जिसमें उनकी लिखी ग्यारह कहानियां संकलित हैं। इस किताब में नैतिकता, मानवता और पर्यावरण संरक्षण जैसे विविध विषयों पर प्रेरक कहानियां हैं। शीर्षक कहानी 'पानी में पैसा' नदी की स्वच्छता का गंभीर संदेश देती है। कहानी कहती है, प्रदूषण के कारण पानी में पैसा ही नहीं, आदमी भी नहीं दिखता। 'झबरू की समझ' एक वफादार कुत्ते की सूझबूझ की कहानी है, जो चोरों को पकड़ने में मदद करता है। 'देखिए और सीखिए' कहानी लालच ना करने और दूसरों का आदर करने की सीख देती है। कहानी 'घंटी तो बंधी थी' सीख देती है कि मोबाइल की लत में ऐसे भी न खोएं कि कोई बड़ा नुकसान हो जाए, किसी बड़े संकट में फंस जाएं। कहानी 'यह ताला भी खुलेगा' में शिक्षा के प्रति जिज्ञासा और लगन का सुंदर चित्रण है। 'बंदर की इंसानियत' कहानी दया-करुणा का पाठ पढ़ाती है। 'रंग मिल गए' और 'पहला दिन : शुभ दिन' जैसी कहानियां हमारे भीतर मेलजोल और सौहार्द की भावना विकसित करती है।

इस कहानी संग्रह की भाषा बोलचाल और बालमन के अनुकूल है। कहानियों में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है, जिससे बच्चो तुम्हें ये कहानियां पढ़ने और समझने में आसानी होगी। संग्रह की कहानियां सीख देने के साथ, तुम्हारा मनोरंजन भी करती हैं। *

**किताब:** पानी में पैसा (कहानी संग्रह),
**लेखक:** गोविंद शर्मा, **मूल्य:** 150 रुपए,
**प्रकाशक:** साहित्यागार पब्लिकेशन, जयपुर

## अंतर बताओ

बच्चो, यहां फूलों के बाग की सैर करने आई नन्ही परी के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में छह अंतर ढूंढ कर बताओ।

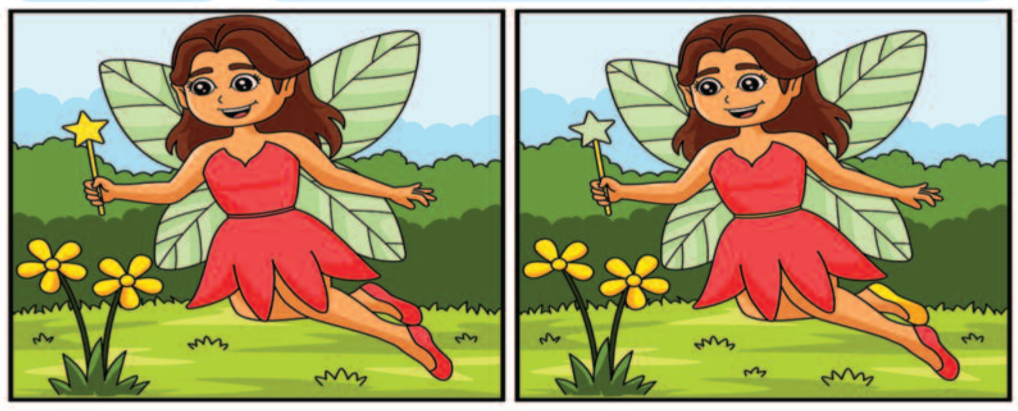

उत्तर: [illegible]

## नाम पूरा करो

बच्चो, यहां दिए गए प्रत्येक चित्र के बगल में अंग्रेजी में उसका नाम भी लिखा गया है। प्रत्येक नाम का फर्स्ट लेटर मिसिंग है। तुम हर नाम के नीचे दिए गए सर्कल्स में से सही लेटर चुनकर इन नामों को पूरा करो।

_ueen
q a c

_ocket
c r n

_hip
s c t

_ree
t g s

## जैकेट के शेष

### 60 साल के ....

लेकिन छत्तीसगढ़ अब भी उन राज्यों में शामिल है जहां लोगों की औसत आयु राष्ट्रीय औसत से कम बनी हुई है। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट वुमेन एंड मेन इन इंडिया 2025 के अनुसार, छत्तीसगढ़ में 2015-19 के दौरान 60 वर्ष की आयु के बाद औसत जीवन प्रत्याशा 15.5 वर्ष दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय औसत 18.3 वर्ष रहा। रिपोर्ट के आंकड़े संकेत देते हैं कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं, पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़ी चुनौतियां अब भी लोगों की उम्र पर असर डाल रही हैं।

**केरल और हिमाचल जैसे राज्यों से बड़ा अंतर** : रिपोर्ट में दक्षिण और पहाड़ी राज्यों का प्रदर्शन बेहतर दिखाई देता है। हिमाचल प्रदेश में 2015-19 के दौरान जीवन प्रत्याशा 21.4 वर्ष रही, जबकि केरल में यह 17.4 वर्ष दर्ज की गई। हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों का प्रदर्शन भी छत्तीसगढ़ से बेहतर रहा।

जानकारों के अनुसार, जिन राज्यों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हैं, बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हैं और पोषण स्तर अच्छा है, वहां जीवन प्रत्याशा अधिक होती है।

**क्या होती है जीवन प्रत्याशा?** : जीवन प्रत्याशा का मतलब किसी व्यक्ति के औसतन कितने वर्ष तक जीवित रहने की संभावना से है। यहां जारी आंकड़े विशेष रूप से 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोगों के लिए हैं। यह आंकड़ा किसी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था, पोषण स्तर, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक स्थिति और चिकित्सा सुविधाओं की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

### छग में क्या ....

वर्ष और महिलाओं की 16.4 वर्ष दर्ज की गई।इसके विपरीत, देश में महिलाओं की औसत जीवन प्रत्याशा 19 वर्ष और पुरुषों की 17.3 वर्ष रही।

### छत्तीसगढ़ में कम ....

बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार नहीं हो पाना भी बड़ी वजह माना जाता है। विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि बुजुर्ग आबादी के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाओं और नियमित जांच की कमी का असर औसत आयु पर पड़ता है। राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों और खनन इलाकों में प्रदूषण तथा कठिन श्रम परिस्थितियां भी लोगों के स्वास्थ्य पर असर डालती हैं।

### जीवन प्रत्याशा 2015-19....

| | |
|---|---|
| महाराष्ट्र | 19.3 |
| ओडिशा | 19.3 |
| पंजाब | 21.1 |
| राजस्थान | 18.6 |
| तमिलना | 19.5 |
| तेलंगाना | 17.8 |
| उत्तराखंड | 18.9 |
| उत्तर प्रदेश | 17 |
| पश्चिम बंगाल | 18.8 |

### कर्नाटक में बिना ....

और यह भी कहा कि कांग्रेस आलाकमान के निर्देशानुसार उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जलपान पर हुई इस बैठक की तस्वीर साझा की गई जिसमें सिद्धरमैया भावुक शिवकुमार को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में, मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार शिवकुमार सिद्धरमैया के पैर छूते और उनका आशीर्वाद लेते हुए नजर आ रहे हैं।

### भाजपा विधायक पर ....

थाने का घेराव कर दिया। वहीं इस घटना के बाद राजस्व निरीक्षक, आरआई पटवारी, कनिष्ठ अधिकारी संघ ने भी ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच व सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। मांग पूर्ण नहीं होने पर 24 घंटे के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। बता दें कि सीतापुर क्षेत्र के उप तहसील राजापुर में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ एसडीएम फागेश सिन्हा की मौजूदगी में राजापुर चौक पर मारपीट का आरोप लगा। नायब तहसीलदार का आरोप है कि चौक पर विधायक और उनके समर्थकों ने मारपीट की, उनके कपड़े फाड़ दिए और जमीन पर गिरा दिया। इस आरोप के बाद जिलेभर में हड़कंप मच गया। इधर विधायक की बहन कोटछाल निवासी श्रीमती सीमा धनकी पति मुकेश धनकी ने पैरोल के लिए शोध क्षमता प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर नायब तहसीलदार तुषार मानिक द्वरा अनावश्यक परेशान करने और कार्यालय में फाइल पर हस्ताक्षर करने के बदले दुर्व्यहार, जातिगत गाली गलौज करने का आरोप लगाया। आरोप के बाद तुषार मानिक के साथ मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में महिला की शिकायत पर सीतापुर पुलिस ने नायब तहसीलदार तुषार मानिक के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(2), 79 के तहत अपराध दर्ज किया था। वहीं तहसीलदार तुषार मानिक ने भी कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम फागेश सिन्हा के साथ सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के निज सहायक रूपेश वर्मा द्वारा उन्हें फोन कर राजापुर तहसील के तिराहे के पास बुलाया गया था। जब वे मौके पर पहुंचे तो सीतापुर विधायक व उनके समर्थक युसूफ, नाजिम रजा, पंकज गुप्ता एवं करीब 10-12 लोगों के द्वारा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाते व डराते हुए शोध क्षमता प्रमाण पत्र पर तुरंत हस्ताक्षर करने हेतु दबाव बनाया गया। जब उन्होंने नियमानुसार दस्तावेज लेकर 28 मई को न्यायालय परिसर में बुलाया जिसके बाद विधायक व उनके समर्थको द्वारा गाली गलौज करते हुए मारपीट की गई। इस मामले में नायब तहसीलदार की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने देर रात विधायक राम कुमार टोप्पो, युसूफ, नाजिम रजा व 10-12 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 221,121(1), 132,191(2) के तहत अपराध दर्ज कर लिया। कोतवाली पुलिस द्वारा शून्य पर अपराध दर्ज किया गया है और फाइल सीतापुर थाना भेजी जाएगी।

**नायब तहसीलदार की गतिविधियों की हो जांच : अनुराग** : राम कुमार टोप्पो पर दर्ज हुए अपराध को लेकर गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने अपनी प्रतिक्रया दी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है राम कुमार टोप्पो जनहित में सक्रियता और समर्पित भाव से काम करने वाले विधायक हैं। वे सुबह से रात तक लगातार गांव गांव जाकर लोगों से मिलते हैं और समस्याओं का निराकरण करते हैं। नायब तहसीलदार की कार्य प्रणाली और गतिविधियों, जनता के व्यव्हार की जांच होनी चाहिए।

### चुनाव जीतने का ....

आपको जवाबदारी पूरी करनी है वहां मनमानी करने की मंशा रखोगे तो वो प्रजातंत्र नहीं रह जाता।

### पिकनिक मनाने गए ....

के चलते सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पांडुका पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव पानी से बाहर निकाले गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मृत युवती की पहचान सिंपी सक्सेना (22 वर्ष) और युवक की पहचान पीयूष मंडल (30 वर्ष) निवासी शंकर नगर, रायपुर के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में शोक की लहर फैल गई और परिवार के सदस्य गरियाबंद के लिए रवाना हो गए। गरियाबंद एसडीओपी निशा सिन्हा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नहाने के दौरान युवक और युवती गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी डूबने से मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि कूकदा पिकअप वियर में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। सिंचाई विभाग द्वारा क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं तथा पानी के पास जाने से मना किया गया है। सुरक्षा के लिए घेराबंदी भी की गई है, लेकिन लोग चेतावनियों को नजरअंदाज कर जोखिम उठाते हैं।

### बस्तर में आंधी, सुकमा ...

के छप्पर से लेकर कई सरंचनाओं को क्षति पहुंचाई। वहां प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। गुरुवार को छत्तीसगढ़ के जिलों में एक-दो पॉकेट में ग्रीष्म लहर चली। दूसरी ओर एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश भी हुई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री रायपुर के माना में दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। राजधानी में सुबह हल्के बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। नौपता के चौथे दिन भी लोगों को भीषण गर्मी और झूलसा देने वाली गर्म हवाओं का सामना करना पड़ा। राजधानी में आज आकाश आंशिक मेघमय रहने तथा वर्षा या गरज-चमक या अंधड़ चलने की संभावना है।

**अंधड़ की चेतावनी** : शुक्रवार के लिए प्रदेश के कुछ स्थानों में अंधड़ चलने की चेतावनी मौसम विभाग द्वारा जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर झारखंड और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक 1.5 कम ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में आज एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की भी संभावना है। 50-60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

**रायगढ़, जशपुर में भी आंधी-बारिश का कहर**
प्रदेश के कई इलाकों में आंधी बारिश ने कहर बरपाया है। रायगढ़ में चली आंधी ने दरख्त उखाड़ दिए। अनेक कच्चे मकानों को भी क्षति पहुंची है। जशपुर में भी तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई है, कई मकानों के छप्पर उड़ गए हैं।

### आ रहा है तूफान ....

अगले दो-तीन दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में आज 28 मई को दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी बारिश होगी। मौसम विभाग की चेतावनी है कि 28 मई से 31 मई यानी कि चार दिन के दौरान, उत्तर भारत, मध्य भारत, पूर्वी भारत में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भीषण आंधी-तूफान आने वाला है। इस दौरान, कई जगह 100 की स्पीड से तेज हवाएं भी चलेंगी। पूर्वोत्तर भारत की बात करें तो 28 मई को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं के चलने की संभावना है। 28 मई और एक से तीन जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय में और 28 मई व 31 मई से तीन जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बरसात होगी।

### 6 घंटे की मैराथन ....

की एक टीम ने गिरिबाला को हिरासत में लेने से पहले भोपाल के बाग मुगलिया एक्सटेंशन क्षेत्र स्थित उनके आवास पर उनसे पूछताछ की।

## राशिफल

**मेष** — कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

**वृष** — कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

**मिथुन** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

**कर्क** — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

**सिंह** — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद की स्थिति बिन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

**कन्या** — कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

**तुला** — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

**वृश्चिक** — आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

**धनु** — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। पठन–पाठन में रुचि रहेगी।

**मकर** — वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

**कुंभ** — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

**मीन** — शैक्षिक कार्यों के लिए वदिश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

## पाकिस्तानी गैंगस्टर का बड़ा प्लान बेनकाब

# दिल्ली और पंजाब में अस्पताल व पार्टी दफ्तर उड़ाने की साजिश फेल, 4 पकड़ाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी के इशारे पर दिल्ली और पंजाब में बड़े हमलों की साजिश बनाई जा रही थी। चार संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद इस पूरे प्लान का खुलासा हुआ है। टारगेट में भीड़भाड़ वाले अस्पताल, एक राजनीतिक पार्टी का दफ्तर और पंजाब का एक स्कूल चलाने वाला शख्स था। पाकिस्तान में रहने वाला एक गैंगस्टर है, जिसका नाम है शहजाद भट्टी। वो एक और गैंगस्टर आबिद जट के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। यह दोनों मिलकर भारत में बड़े हमले करवाना चाहते थे। इसके लिए शहजाद भट्टी ने भारत में अपने कुछ लोगों को काम पर लगाया था।

### इन लोगों को पकड़ा गया

पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके नाम महकाब, गगनदीप सिंह उर्फ गुरी, शाहरुख और मुशर्रफ हैं। महकाब और गगनदीप उर्फ गुरी ने उन जगहों पर जाकर पहले से देख-भाल कर ली थी जहां हमला करना था। इन्होंने उन जगहों की वीडियो और फोटो भी खींची और साथ में उस जगह की लोकेशन यानी जीपीएस डिटेल भी नोट की।

**शहजाद भाटी को भेजे गए डिटेल** : यह सब पाकिस्तान में बैठे शहजाद भाटी को भेजा गया। शाहरुख और मुशर्रफ का काम था हथियार और बम-विस्फोटक का इंतजाम करना। ये दोनों सोशल मीडिया पर यह भी खोज रहे थे कि अस्पताल को कैसे उड़ाया जाए और धमाके कैसे किए जाएं।

### विस्फोटक मिलने के बाद हमले का था प्लान

जैसे ही हथियार और विस्फोटक मिल जाते, फौरन हमला कर दिया जाता। हथियार खुद पाकिस्तान से शहजाद भट्टी अपने नेटवर्क के जरिए महकाब और गगनदीप को भेजने वाला था। दिल्ली और पंजाब के भीड़भाड़ वाले अस्पताल, एक राजनीतिक पार्टी का दफ्तर और पंजाब में एक स्कूल चलाने वाले शख्स को निशाना बनाने की साजिश थी। हालांकि उस स्कूल वाले का नाम अभी इन आरोपियों को नहीं बताया गया था। कहा गया था कि जब हथियार मिल जाएंगे, तब बताएंगे कि आखिरी टारगेट कौन है।

### शहजाद भाटी का बड़ा नेटवर्क

शहजाद भाटी सिर्फ दिल्ली और पंजाब ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में भी टारगेट किलिंग यानी किसी खास इंसान को चुन-चुनकर मारने और बड़े हमलों की योजना बना रहा था। उत्तर प्रदेश की एटीएस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने में लगी हुई है। अब तक वो शहजाद भट्टी के चार अलग-अलग गुट यानी मॉड्यूल पकड़ चुकी है। 150 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ हो चुकी है और 13 लोगों को जेल भेजा जा चुका है।

## पेज एक के शेष

### गर्मी ऐसी कि डॉक्टरों की ...

इसे ध्यान में रखते हुए जूनियर डाक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. रेशम सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों ने खाने के मेनू में बोरे बासी को शामिल करने की पहल की। इसे तैयार करने में कोई विशेष मेहनत की जरूरत नहीं थी, इसलिए मेस का संचालन करने वाले ने तुरंत सहमति दे दी। काफी दिनों से खाने के अन्य व्यंजनों के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खाना बोरे-बासी को तड़का लगे दही के साथ परोसा जा रहा है जो जूनियर डाक्टरों की विशेष पसंद बना हुआ है। यह डाक्टरों को डिहाईड्रेशन से बचा रहा है, साथ ही भारी-भरकम आईली और मसालेदार खाने का बेहतर विकल्प दे रहा है।

### खाड़ी संकट ने बस्तर को ...

समितियों के माध्यम से 4 हजार 828.30 टन खाद किसानों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। बस्तर संभाग के सात जिले बस्तर, कोंडागांव, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर के किसानों को खरीफ सीजन की शुरूआत में खाद की किल्लत और वितरण व्यवस्था में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के चलते सरकार ने इस साल यूरिया की उपलब्धता 80 फीसदी और डीएपी की उपलब्धता 60 फीसदी तक सीमित कर दी है। खाद की कमी से निपटने के लिए सहकारिता विभाग द्वारा नई गाइडलाइन जारी की गई है। डीएपी और यूरिया की कमी को पूरा करने के लिए सरकार सोसायटियों के माध्यम से नैनो यूरिया, पोटाश जैसे वैकल्पिक उर्वरक उपलब्ध करा रही है।

### सरकार ने मानी...

98 लाख कॉपियां बोर्ड के पास पूरी तरह सुरक्षित हैं और अब बड़े पैमाने पर री-इवैल्युएशन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। बता दें, करीब 4 लाख छात्रों ने अपनी कॉपियों की दोबारा जांच के लिए आवेदन किया है। इन छात्रों की लगभग 11 लाख कॉपियां फिर से देखी जा रही हैं।

### आवारा कुत्ते के काटने...

दिए हैं। इस याचिका ने राज्य सरकार को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है कि आखिर किस कानून या नियम के तहत मुआवजा प्रदान किया जाए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 जून की तारीख तय की है। यह मामला जस्टिस एनके व्यास की वेकेशन बेंच में सुनवाई के लिए आया। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आरके गुप्ता ने कोर्ट को बताया कि कुत्ते के काटने से मौत की स्थिति में मुआवजा देने का कोई स्पष्ट प्रावधान शासन के पास नहीं है।

### रिटायरमेंट के बाद...

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1976 के तहत विभागीय जांच नहीं की जा सकती। प्रकरण समाप्त कर दिया जाता है, लेकिन नियम में ये भी प्रावधान है कि राज्यपाल को ऐसे अफसर कर्मियों की पेंशन रोकने और बकाया राशि वसूलने का अधिकार है। विभागों में इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। इस मामले को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के समस्त विभागों, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागायुक्त, सभी कलेक्टेर, और सभी पुलिस अधीक्षकों को आदेश जारी किया है कि वे लोक आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। ये है मामलायह निर्देश छत्तीसगढ़ लोक आयोग की ओर से दिए गए सुझाव के आधार पर जारी किए गए हैं। लोक आयोग ने कहा है कि कई मामलों में विभागीय जांच लंबित रहने के दौरान आरोपी अधिकारी या कर्मचारी सेवानिवृत्त हो जाते हैं और बाद में तकनीकी आधार पर प्रकरण बंद कर दिए जाते हैं। इससे भ्रष्टाचार और कुप्रशासन को बढ़ावा मिलता है। **रिटायर अफसरों पर भी कार्रवाई की सिफारिश** : लोक आयोग ने सुझाव दिया है कि जिन अधिकारियों या कर्मचारियों पर गंभीर वित्तीय अनियमितता या सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप हैं और वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं या होने वाले हैं, उनके मामलों में राज्यपाल से अनुमति लेकर पेंशन रोकने अथवा वापस लेने की कार्रवाई की जाए। इसके अलावा सरकारी धन की क्षति की वसूली के लिए पेंशन नियम 65 के तहत कार्रवाई करने की भी अनुशंसा की गई है। आयोग ने कहा है कि इससे आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाले अधिकारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव होगी।

### लोक आयोग...

रिटायर हो जाते हैं। इसके बाद विभाग अक्सर यह कहते हुए कार्रवाई समाप्त कर देते हैं कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1976 के तहत सेवानिवृत्ति से चार वर्ष पहले की घटनाओं पर विभागीय जांच शुरू नहीं की जा सकती। आयोग ने कहा है कि इस वजह से सरकारी धन की वसूली नहीं हो पाती और दोषी कर्मचारियों पर प्रभावी कार्रवाई भी नहीं होती।

### छत्तीसगढ़ के 45 ....

कार्ययोजना जारी कर दी है। जिन निकायों में निर्माण प्रस्तावित है उनमें अंबिकापुर, भिलाई, बीरगांव, दुर्ग, राजनांदगांव, रिसाली, बेमेतरा, जशपुरनगर, तमनार, बड़ीकरेली, सक्ती, सारंगढ़, बांकी मोंगरा, गौरेला, डोंगरगढ़, बम्हनीडीह, बरेला, भटगांव (सारंगढ़), भिंभौरी, विश्रामपुर, चिखलाकसा, डभरा, दाढ़ी, देवभोग, गीदम, घुमका, इंदौरी, जनकपुर, जरहागांव, कोपरा, कुसमी (बलरामपुर), कुसमी (बेमेतरा), लखनपुर, लालबहादुर नगर, मरवाही, नरियरा, पलारी (बालोद), पामगढ़, परपोड़ी, पटना, पवनी, रोहांसी, सहसपुरलोहारा, सरसींवा और शिवनंदनपुर शामिल हैं।

### वॉट्सएप-फेसबुक-इंस्टाग्राम के आएंगे प्लस वर्जन

**नई दिल्ली**। मेटा ने एक बड़ा ऐलान किया है, जिसका सीधा असर सोशल मीडिया ऐप्स और मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल करने पर पड़ेगा। अब इंस्टाग्राम, फेसबुक, वॉट्सऐप के लिए नए पेड सब्सक्रिप्शन प्लान को पेश किया गया है। कंपनी ने ये प्लान दुनियाभर में मौजूद यूजर्स के लिए किए है, जिसमें भारत का भी नाम शामिल है। मेटा अब अपने ऐप्स के लिए प्लस वर्जन को लॉन्च कर रही है, जिसमें पैसे देने वाले यूजर्स को एक्सक्लूसिव टूल्स और कस्टमाइजेशन फीचर्स मिलेंगे, जो अब मुफ्त वर्जन को नहीं दिए जाएंगे। इंस्टाग्राम प्लस और फेसबुक प्लस की कीमत 3.99 डॉलर (करीब 387 रुपये) मंथली रखी है। वहीं वॉट्सऐप प्लस की कीमत 2.99 डॉलर (करीब 290 रुपये) मंथली रखी है। मेटा ने अभी भारत के लिए कीमतों का ऐलान नहीं किया है। टेक क्रंच की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉट्सऐप सब्सक्राइबर्स को कस्टम थीम, यूनिक रिंगटोन, प्रीमियम स्टिकर्स और ज्यादा चैट्स को पिन करने का फीचर मिलेगा। इंस्टाग्राम प्लस में यूजर्स आसानी से देख सकेंगे कि उनकी स्टोरी कितनी बार दोबारा देखी गई है।

**कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल अमलेश्वर/ जामगांव एम तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग.**
**:: सूचना ::**
जारी दिनांक 26.05.2026
**विषय**- सीमांकन में उपस्थित होने बाबत् सूचना।
**संदर्भः**- कार्यालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के पृ.कं. / / ना.तह. / 2025-26
पाटन दिनांक / / 2026
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. ........ रा.नि.मं. अमलेश्वर / जामगांव एम तहसील पाटन जिला दुर्ग के अंतर्गत आवेदक श्री रमेश वगैरह पिता स्व. श्री प्रीत लाल आवेदित भूमि खसरा नंबर 992 रकबा 0.22 हेक्टेयर के भूमि का सीमांकन दिनांक 09/06/2026 को समय 11.00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। आप उक्त आवेदित भूमि के बटांकनधारी भूस्वामी/ आपकी भूमि आवेदक के भूमि से लगी हुई है अतएव आप नियत दिनांक के पूर्व पटवारी कार्यालय मे अथवा ऊपर उल्लेखित दिनांक को स्थल पर अपनी भूमि संबंधित बैनामा/ दस्तावेज सहित निर्धारित स्थल एवं दिनांक पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। सूचनोपरांत अनुपस्थित रहने पर आप व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगें।
हल्का पटवारी को निर्देशित किया जाता है कि आवेदित भूमि के समीपवर्ती भूमिस्वामियो को कोटवार द्वारा सूचित कर नियत दिनांक को मय पटवारी अभिलेख के साथ उपस्थित रहें।
**टीपः**- आवेदक/आवेदिका स्थल मे अपने साथ नाप हेतु दो मजदूर एवं भूमि चिंहित करने हेतु आवश्यक सामग्री अपने साथ लेकर आवें।
**राजस्व निरीक्षक**
**अमलेश्वर/ जामगांव एम**
**तहसील पाटन**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)**
क्रमांक 952/न.पा.नि./ 2026 — **ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना** — रायगढ़ दिनाँक 27/05/26
नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | सि.नि. क्र. | कार्य का विवरण | अनु. लागत राशि रू. (लाख में) | निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 191810 | CONSTRUCTION OF BT ROAD FROM KASHIRAM CHOWK TO KABIR CHOWK RAIGARH (2nd Call) | 196.59 | 15.06.2026 |
| 2 | 191814 | CONSTRUCTION OF BT ROAD FROM BUDDHA VIHAR TO KELO RIVER KAYAGHAT AND GANDHI NAGAR PRIMARY HEALTH CENTER TO MAIN ROAD AND FCI GODAM TO DURGA CHOWK RAIGARH (2nd Call) | 184.33 | 15.06.2026 |
| 3 | 191823 | CONSTRUCTION OF B.T. ROAD AND DRAIN WORK FROM SATTIGUDI CHOWK TO SHUBHASH CHOWK TO STATION CHOWK RAIGARH (2nd Call) | 237.64 | 15.06.2026 |
| 4 | 191826 | CONSTRUCTION OF B.T. ROAD FROM HEMUCOLONY CHOWK TO BELADULA GOVT. SCHOOL & AMBEDKAR CHOWK TO AYURVEDIC HOSPITAL TO BAL NYALAY TO UPBHOKTA PURAM ROAD RAIGARH. (2nd Call) | 297.67 | 15.06.2026 |

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
**कार्यपालन अभियंता**
**न.पा.नि., रायगढ़**

**कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)**
**फोन नं. 07821-247029, Email - cmokumhari@gmail.com**
क्रं. / 352 /राज.वि./न.पा./2026 — **:: त्रुटि सुधार ::** — कुम्हारी, दिनांक 27/05/2026
कार्यालयीन रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रण सूचना क्रं./313/रा.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 22.05.2026 के अनुसार बड़ा तालाब उद्यान वार्ड क्रं.-01 के रख-रखाव व संधारण कार्य हेतु लागत राशि (लाख में) (3 वर्ष के लिए) त्रुटिवश 15.00 लाख हो गया हैं, जिसे त्रुटि सुधार कर 15.00 लाख प्रतिवर्ष पढ़ा जावे, शेष नियम व शर्तें एवं अन्य जानकारियां यथावत रहेगा।
**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद कुम्हारी**

**कार्यालय नगर पालिका परिषद सरायपाली, जिला- महासमुन्द (छ.ग.)**
**Email ID- cmonppsaraipali@gmail.com**
क्रं./207/न.पा.प./लो.नि.वि./2026-27 — **// ई-निविदा संशोधन सूचना //** — सरायपाली, दिनांक 27.05.2026
नगर पालिका परिषद सरायपाली क्षेत्रांतर्गत जल प्रदाय योजना के तहत (अमृत 2.0) हेतु तृतीय ई-निविदा सूचना क्र. 174 दिनांक 20.05.2026 (सिस्टम टेंडर क्र. 191337) लागत राशि 10978.85 लाख रू. को जारी की गई थी। जिसका ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के अंतिम तिथि 05.06.2026 समय 17:30 बजे तक निर्धारित गई थी चूंकि उक्त ई-निविदा प्रक्रिया में तकनीकी समस्या आने के कारण उक्त ई-निविदा क्र. 174 को संशोधन किया जाता है, संशोधन अनुसार टेंडर सिस्टम क्र. 191337 के स्थान पर टेंडर सिस्टम क्र 191806 तथा ऑनलाईन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 08.06.2026 एवं भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 11.06.2026 एवं निविदा खोले जाने की अंतिम तिथि 12.06.2026 समझा जावे शेष नियम व शर्ते पूर्व की भांति यथावत रहेगी। विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं https://uad.cg.gov.in/ में देखी जा सकती है।
**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद सरायपाली**

**कार्यालय नगरपालिका परिषद कवर्धा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)**
**ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना**
क्रमांक/319/न.पा.प./लो.नि.वि./ई-टेण्डर/2026-27 — कवर्धा, दिनांक 27/05/26
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

| क्र. | कार्य का विवरण | अनुमानित व्यय (रूपये लाख में) | निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | System Tender No. 191626 चौक उन्नयन एवं सौन्दर्यीकरण, गाडगे चौक यात्री प्रतीक्षालय के पास घोटिया चौक कवर्धा (Ist Call) | 17.67 | 17-06-2026 |
| 2 | System Tender No. 191629 चौक उन्नयन एवं सौन्दर्यीकरण, कबीर चौक लोहारा रोड कमला क्लिनिक के पास कवर्धा (Ist Call) | 18.38 | 17-06-2026 |
| 3 | System Tender No. 191624 चौक उन्नयन एवं सौन्दर्यीकरण, करपात्री पार्क उन्नयन एवं करपात्री चौक सौन्दर्यीकरण कार्य(Ist Call) | 22.14 | 17-06-2026 |
| 4 | System Tender No. 191627 चौक उन्नयन एवं सौन्दर्यीकरण, सहस्त्र बाहूचौक महिन्द्रा शो रूम के पास (लोहरा बायपास केपास) (Ist Call) | 17.40 | 17-06-2026 |

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। **मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगरपालिका परिषद कवर्धा**

## शब्द पहेली - 6240

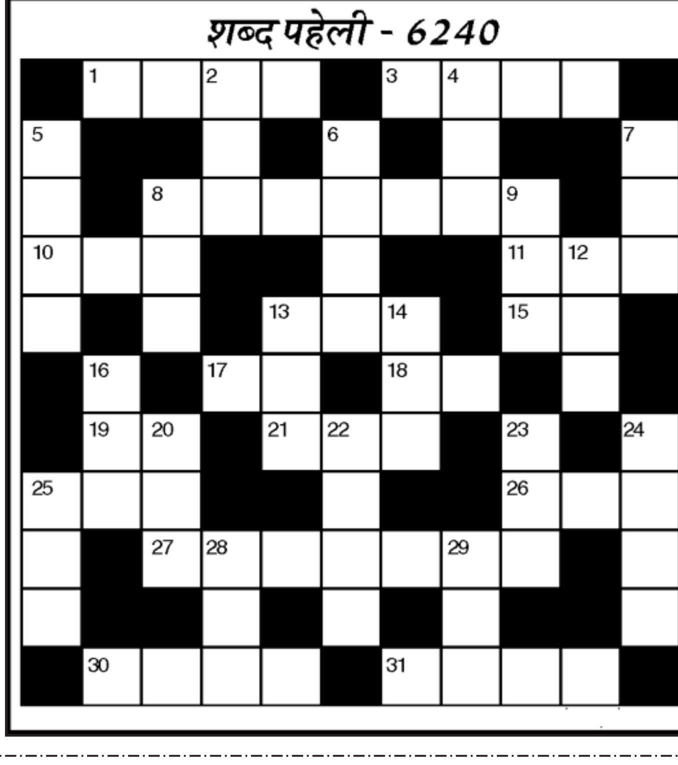

**बाएँ से दाए**
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

**ऊपर से नीचे**
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

**शब्द पहेली- 6239 का हल**

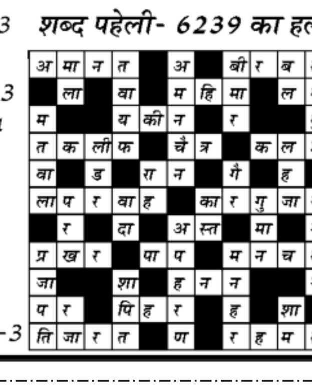

## सूडोकु नवताल 6250

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | | | | | 4 |
| | | | 6 | | | | | 1 |
| | 5 | | 8 | | | 2 | | 3 |
| | | 7 | | | | | 6 | |
| | | | | | | | | |
| | 3 | | | | | 8 | | |
| 1 | | 6 | | | 3 | | 7 | |
| 2 | | | | | 5 | | | |
| 8 | | | | | 4 | | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 6249 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 4 | 3 | 1 | 9 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 2 | 3 | 5 | 8 | 4 | 9 | 6 | 1 |
| 8 | 9 | 1 | 7 | 2 | 6 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 3 | 2 | 5 | 9 | 4 |
| 4 | 3 | 8 | 9 | 6 | 5 | 1 | 7 | 6 |
| 5 | 6 | 9 | 4 | 7 | 1 | 8 | 3 | 2 |
| 2 | 8 | 7 | 1 | 4 | 3 | 6 | 5 | 9 |
| 9 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 | 4 | 8 | 3 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 9 | 8 | 2 | 1 | 7 |

# टाटा ने लांच की देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार, कीमत 6.99 लाख से शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा मोटर्स ने अपने इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट की एंट्री लेवल टियागो हैचबैक का फेसलिफ्ट मॉडल लांच कर दिया है। अब ये फेसलिफ्ट मॉडल की सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स के साथ आता है। कंपनी इस इलेक्ट्रिक हैचबैक पर अपनी दूसरी कारों की तरह लाइफटाइम बैटरी वारंटी दे रही है। साथ ही, फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करेगी।

- कंपनी बैटरी पर दे रही लाइफ टाइप गारंटी

कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत सिर्फ 6.99 लाख रुपए रखी है। यानी ये देश की सबसे सस्ती ई-कार है। वहीं, इस कार को बैस सर्विस के साथ भी खरीद पाएंगे। इसके लिए कंपनी ने इसकी कीमत 4.69 लाख रुपए तय की है। यानी ग्राहकों को प्रति किलोमीटर 2.60 रुपए का खर्च आएगा। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला एमजी कॉमेट ईवी और सिट्रोन ईसी3 से होगा।

## एक बार की चार्जिंग पर 285 किलोमीटर का रेंज

*5.7 सेकंड में 0-60 केपीएच की स्पीड : अपडेटेड टियागो ईवी में चार-लेवल वाली रीजेनरेटिव ब्रेकिंग और सिटी, स्पोर्ट ड्राइव मोड भी मिलते हैं। टाटा का दावा है कि 24 किलोवॉट प्रतिहावर वाला वर्जन 5.7 सेकंड में 0-60केपीएच की स्पीड पकड़ लेता है। टाटा मोटर्स 24 किलोवॉटप्रतिहावर वाले वर्जन के हाई-वोल्टेज बैटरी पैक पर पहले रजिस्टर्ड ओनर्स को लाइफटाइम अनलिमिटेड किलोमीटर की वारंटी भी दे रही है। 19.2 किलोवॉट प्रतिहावर वाले वर्जन पर पहले की तरह ही 8 साल/1.6 लाख किमी की बैटरी वारंटी मिलती रहेगी।*

*ईवी अब 40 फीसदी तेजी से चार्ज: कंपनी के मुताबिक, इसकी रियल-वर्ल्ड सी75 रेंज क्रमशः 160 से 170किमी और 205 से 215किमी है। टाटा का कहना है कि टियागो ईवी अब 40 प्रतिशत तेजी से चार्ज होती है। ये 18 मिनट में 100किमी की रेंज जोड़ देती है। यह डीसी फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करती है, जिससे 30किलो वॉट डीसी फास्ट चार्जर का इस्तेमाल करके दोनों बैटरी को 35 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। स्टैंडर्ड तौर पर, टियागो ईवी में 3.3किलो वॉट और 7.2किलो वॉट एसी चार्जिंग के ऑप्शन मिलते हैं।*

**टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट का इंटीरियर** : इंटीरियर की बात कें तो, टियागो ईवी में पूरी तरह से नया डिजाइन किया गया डुअल-टोन डैशबोर्ड मिलता है, जिसमें एक फ्री-स्टैंडिंग 10.25-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक सेमी-डिजिटल टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर है जो ब्लूटूथ फंक्शनैलिटी को भी सपोर्ट करता है।

### टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट का एक्सटीरियर

अपडेटेड टियागो ईवी के एक्सटीरियर की बात करें तो इसमें नया डिजाइन किया गया फ्रंट फेशिया मिलता है, जिसमें स्लीक एलईडी हेडलैंप, आईब्रो जैसी नई एलईडी डीआरएल और बॉडी कलर की बंद ग्रिल डिजाइन शामिल है। टाटा ने बम्पर को भी नए सिरे से डिजाइन किया है, जिसके किनारों पर नए फॉक्स एयर वेंट्स दिए गए हैं।

### टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट के बैटरी पैक और रेंज

टियागो ईवी दो बैटरी पैक ऑप्शन के दिए गए हैं, जिसमें 19.2 किलोवॉटप्रतिहावर और 24 किलोवॉटप्रतिहावर शामिल हैं। छोटे बैटरी वाले वर्जन से 62एचपी और 110एनएम पावर मिलती है, जबकि बड़े बैटरी पैक से 75एचपी और 114एनएम पावर मिलती है। 24 किलोवॉटप्रतिहावर वाले वर्जन की दावा की गई एमआईडीसी रेंज अब 285किमी है, जो पहले 293किमी थी। वहीं 19.2 किलो वॉट प्रतिहावर वाले वर्जन की दावा की गई रेंज थोड़ी बढ़कर 223किमी से 226किमी हो गई है।

### छह कलर ऑप्शन उपलब्ध

पीछे की तरफ, इस हैचबैक में अब कनेक्टेड एलईडी टेल-लैंप और एक नया बम्पर मिलता है। इसके बाहरी हिस्से की अन्य खासियतों में डुअल-टोन ब्लैक रूफ, शार्क-फिन एंटीना और डोर के हैंडल पर क्रोम फिनिश शामिल हैं। टाट, टियागो ईवी को 6 कलर ऑप्शन में खरीद पाएंगे। इसमें देहरादून ड्यू, सोबो सर्ज, पैंगोंग पल्स, माथेरान मॉनसून, प्योर ग्रे और प्रिस्टीन व्हाइट शामिल हैं।

## खबर संक्षेप

### जीएमआर एयरपोर्ट्स को 400 करोड़ रुपए का मुनाफा

**नई दिल्ली।** हवाई अड्डा परिचालन से जुड़ी कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में घाटे से उबरकर 400.49 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में आ गई है। कंपनी को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 252.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

### आर्केड डेवलपर्स को 109 करोड़ रुपए का घाटा

ARKADE

**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी आर्केड डेवलपर्स को वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 109.45 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 33.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। आर्केड डेवलपर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 199.06 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान अवधि में 134.34 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घटकर 5.37 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 156.93 करोड़ रुपये था।

### आशियाना हाउसिंग का शुद्ध लाभ बढ़कर 21 करोड़ रुपए

**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी आशियाना हाउसिंग लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली बढ़त के साथ 20.98 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 20.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। आशियाना हाउसिंग लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 335.18 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान अवधि में 229.48 करोड़ रुपये थी। 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 117.89 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 18.24 करोड़ रुपये था।

### प्रॉक्टर एंड गैंबल का लाभ 1.9 फीसदी घटा

**नई दिल्ली।** प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर लिमिटेड (पीजीएचएच) का वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1.9 प्रतिशत घटकर 301.46 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 307.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय पांच प्रतिशत घटकर 941.32 करोड़ रुपये रह गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 991.83 करोड़ रुपये थी।

## एक मुलाकात में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने व्यापक दृष्टिकोण पेश किया

# वर्ष 2047 तक भारत आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या होगी 10 करोड़

- वर्ष 2030 तक पर्यटन का जीडीपी में सात फीसदी होगा योगदान
- भारत अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में कमजोर स्तर से निकलेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

*भारत के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक व्यापक दृष्टि पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि वर्ष 2030 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इस क्षेत्र का योगदान सात प्रतिशत से अधिक हो जाएगा और 2047 तक विदेशी पर्यटकों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 10 करोड़ हो जाएगी।*

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री शेखावत ने बुधवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आर्थिक वृद्धि, बेहतर बुनियादी ढांचे और पर्यटन विकास के विकेंद्रीकरण के दम पर भारत अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में कमजोर स्तर से निकलकर वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थान हासिल करेगा।

### वर्ष 2023-24 में 8.4 करोड़ लोगों को दिया रोजगार

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में भारत को पर्यटन से लगभग 35 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आय हुई, जो देश के जीडीपी का करीब एक प्रतिशत है। इसके साथ वित्त वर्ष 2023-24 में यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र ने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लगभग 8.4 करोड़ लोगों को रोजगार दिया था।

### पर्यटन विदेशी मुद्रा कमाने वाले तीन शीर्ष क्षेत्रों में शामिल

इस सवाल पर कि क्या वर्ष 2047 तक पर्यटन रोजगार देने और विदेशी मुद्रा कमाने वाले शीर्ष तीन क्षेत्रों में शामिल हो सकता है, शेखावत ने कहा, /"मैं 'सकता है' शब्द हटाना चाहता हूं। ऐसा जरूर होगा।/" उन्होंने कहा कि जहां विदेशी मुद्रा आय जीडीपी में एक प्रतिशत का योगदान देती है, वहीं समग्र पर्यटन उद्योग का योगदान छह प्रतिशत से थोड़ा कम है।

*वर्ष 2025 में 300 करोड़ घरेलू यात्राएं की गई*

*भारत में वर्ष 2025 के दौरान करीब 300 करोड़ घरेलू यात्राएं की गईं, जिनमें अवकाश, चिकित्सा, विवाह, तीर्थ या अन्य कारणों से की गई यात्राएं शामिल हैं। अगर कोई व्यक्ति उज्जैन के महाकाल मंदिर जाता है, तो हम उसे पर्यटक मानने से इनकार नहीं कर सकते। वह घर से निकलकर दूसरे शहर गया, कम से कम एक रात ठहरा और वापस आया। इसका आकलन करूं, तो यह संख्या 294 करोड़ होगी। इस आंकड़े में 2025 के महाकुंभ में गए 66 करोड़ लोग शामिल नहीं हैं।/"*

### वर्तमान में विदेशी पर्यटकों की संख्या एक करोड़

केंद्रीय मंत्री ने कहा, /"हम इसे (विदेशी पर्यटकों की संख्या) वर्ष 2047 तक 10 करोड़ तक ले जाएंगे।/" वर्तमान में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या करीब एक करोड़ है। केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के मामले में भारत अभी भी थाइलैंड, फ्रांस और सिंगापुर जैसे देशों से पीछे है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह तुलना पूरी तरह उचित नहीं है क्योंकि इसमें घरेलू पर्यटन शामिल नहीं हैं।

### कृषि के बाद पर्यटन रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र होगा

शेखावत ने कहा कि जिस दिन पर्यटन क्षेत्र का योगदान अर्थव्यवस्था में 10 प्रतिशत हो जाएगा, उस दिन यह रोजगार सृजन के मामले में कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन जाएगा और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर भारत को लेकर एक 'नया विमर्श' गढ़ा है और दुनिया में इसे देखने का नजरिया बदल रहा है।

### देश में गुणवत्तापूर्ण होटलों की कमी

शेखावत ने माना कि कमजोर बुनियादी ढांचा, स्वच्छता की कमी, सुरक्षा एवं प्रदूषण को लेकर बनी धारणा, संपर्क की कमी, गुणवत्तापूर्ण होटल कमरों की संख्या पर्याप्त नहीं होना और महंगे होटल विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने में बाधा हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती आर्थिक समृद्धि के कारण अधिक भारतीय देश के भीतर यात्रा कर रहे हैं, जिससे होटल के कमरे भर रहे हैं और मांग बढ़ने से किराया भी बढ़ रहा है।

# रेटिंग सुधार से रिलायंस ने जापान से रिकॉर्ड वित्तपोषण जुटाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- अब तक का सबसे बड़ा समुराई ऋण जुटाया

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में किसी भारतीय कंपनी द्वारा अब तक का सबसे बड़ा 'समुराई ऋण' जुटाया। इसके साथ ही कंपनी ने वैश्विक स्तर पर अपनी तरह के तीन वित्तपोषण सौदे भी पूरे किए। समुराई लोन अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार का एक विशेष शब्द है। जब जापान से बाहर की कोई विदेशी कंपनी या सरकार, जापानी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जापानी मुद्रा 'येन' में ऋण लेती है, तो उसे 'समुराई लोन' कहा जाता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा दिसंबर, 2025 में रिलायंस की अंतरराष्ट्रीय साख रेटिंग 'बीबीबी प्लस' से बढ़ाकर 'ए-माइनस' किए जाने के बाद कंपनी की वैश्विक पूंजी बाजारों तक पहुंच और मजबूत हुई है। यह रेटिंग भारत की संप्रभु रेटिंग से दो स्तर ऊपर है। एसएंडपी ने कहा कि रिलायंस के उपभोक्ता कारोबार का योगदान बढ़ने और आय की स्थिरता बेहतर होने के कारण रेटिंग में सुधार किया गया। कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस ने 10 जापानी और ताइवानी बैंकों के माध्यम से 'समुराई लोन' के तहत 91.9 अरब जापानी येन (लगभग 62.5 करोड़ डॉलर) जुटाए।

### एशिया का तीसरा सबसे बड़ा वित्तपोषण सौदा

यह किसी भारतीय कंपनी द्वारा इस तरह का सबसे बड़ा और समग्र रूप से किसी एशियाई कंपनी द्वारा तीसरा सबसे बड़ा वित्तपोषण सौदा है।

# रुपए को अभी और गिरने दे आरबीआई : सुब्बाराव

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा, बाहरी दबाओं को अभी और झेलने दे
- ब्याज दर बढ़ाने की जगह तरलता प्रबंधन को मिले प्राथमिकता

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि बाहरी दबावों को झेलने के लिए केंद्रीय बैंक को रुपये में कुछ और गिरावट आने देनी चाहिए और महंगाई का जोखिम बढ़ने पर ब्याज दर बढ़ाने के बजाय तरलता प्रबंधन जैसे उपायों को प्राथमिकता देनी चाहिए। सुब्बाराव ने खास बातचीत में कहा कि विनिमय दर को संभालने के लिए मौद्रिक नीति का सहारा केवल 'अंतिम उपाय' के तौर पर लिया जाना चाहिए। वर्ष 2008 से लेकर 2013 तक आरबीआई के गवर्नर रह चुके सुब्बाराव ने कहा, ''रुपये के स्तर को बचाने के बजाय उसे परिस्थितियों के अनुरूप समायोजित होने देना चाहिए, क्योंकि कमजोर रुपया बाहरी झटकों को झेलने में मदद करता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ''यदि आरबीआई को ऐसा लगता है कि महंगाई की स्थिति इसकी मांग करती है, तो वह मौद्रिक नीति को सख्त कर सकता है।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपया दबाव में है और इस महीने की शुरुआत में यह डॉलर के मुकाबले 97.15 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया।

### महंगाई की रुझान का आकलन करना जरूरी होगा

सुब्बाराव ने कहा कि मौजूदा स्थिति में दर बढ़ाने के बजाय इंतजार करना और महंगाई के रुझान का आकलन करना बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि यदि महंगाई में तेज बढ़ोतरी होती है, तो पहले तरलता या नकदी प्रबंधन के जरिये सख्ती की जा सकती है, न कि सीधे दर बढ़ाकर। एमपीसी की बैठक तीन से पांच जून के बीच प्रस्तावित है, जिसमें नीतिगत दर पर निर्णय लिया जाएगा।

# पीसी ज्वेलर का लाभ 61 प्रतिशत बढ़कर 153 करोड़ रुपए

**नई दिल्ली।** पीसी ज्वेलर लिमिटेड का 31 मार्च, 2026 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 61 प्रतिशत बढ़कर 152.89 करोड़ रुपये रहा है। कुल आमदनी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 94.78 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 946.26 करोड़ रुपये हो गई, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 700.10 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष के 577.70 करोड़ रुपये से बढ़कर 714.46 करोड़ रुपये हो गया।

# ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी से वाहनों की मांग हो सकती है प्रभावित: टीएमपीवी

- सीईओ ने कहा, अनुमान में बदलाव अभी जल्दबाजी होगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईंधन कीमतों में हुई बढ़ोतरी का कुल खपत एवं वाहन मांग पर पड़ने वाले असर पर नजर रखना जरूरी है और चालू वित्त वर्ष के लिए यात्री वाहन बिक्री 10 प्रतिशत बढ़ने के अनुमान में कोई बदलाव अभी जल्दबाजी होगी। चंद्रा ने टाटा मोटर्स की हैचबैक कार 'टियागो' की अगली पीढ़ी की पेशकश के मौके पर संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि ईंधन कीमतों में 10 दिन के भीतर चार बार बढ़ोतरी होने से उपभोक्ता धारणा और मांग पर अंतिम प्रभाव का आकलन करना मुश्किल हो गया है। यात्री वाहन विनिर्माता टीएमपीवी ने 'नेक्स्ट जेन टियागो' को पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक विकल्पों के साथ पेश किया है। इसकी शुरुआती शोरूम कीमत क्रमशः 4.69 लाख रुपये, 5.79 लाख रुपये और 6.99 लाख रुपये है।

*पुरानी कारों के बाजार में सुस्ती : चंद्रा ने कहा कि पुरानी कारों के बाजार में सुस्ती उपभोक्ता धारणा के कमजोर होने का संकेत है और महंगाई बढ़ने पर लोग खर्च घटाकर बचत पर ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, फिलहाल मांग के रुझान में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा है। चंद्रा ने कहा कि मजबूत उत्पाद श्रृंखला के दम पर कंपनी को अपनी वृद्धि संभावनाओं पर भरोसा है और इस वर्ष कई नए मॉडल पेश किए जाएंगे।*

## अशोक लेलैंड का चौथी तिमाही लाभ 11 प्रतिशत बढ़ा...

**नई दिल्ली।** वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता अशोक लेलैंड का वित्त 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 1,381.32 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की आय में मजबूत वृद्धि से लाभ बढ़ा है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,245.92 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। अशोक लेलैंड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 300 करोड़ रुपये जुटाने की सैद्धांतिक मंजूरी दी है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 17,246.44 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 14,695.55 करोड़ रुपये थी।

# एलआईसी ने रियल एस्टेट संपत्तियों से बेहतर रिटर्न पाने का रखा लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- बेहतर प्रबंधन के लिए अनुषंगी कंपनी भी बनाएगी
- कंपनी के पास 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी रियल एस्टेट संपत्तियों से मिलने वाले प्रतिफल या रिटर्न को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित रही है। इसके साथ ही बीमा कंपनी 60,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अपनी विशाल संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए अलग अनुषंगी कंपनी बनाने के विकल्प पर भी विचार कर रही है।

एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा, ''हमारे पास काफी रियल एस्टेट संपत्तियां हैं, जिनमें कुछ विरासत में मिली हैं और कुछ पिछले 70 वर्षों में खरीदी गई हैं। इनका उपयोग अपने कामकाज के साथ निवेश के रूप में भी किया जाता है, जिससे हमें आय होती है। सीईओ ने कहा कि एलआईसी प्रत्येक संपत्ति को निवेश के रूप में देखती है और उम्मीद करती है कि हर संपत्ति पॉलिसीधारकों और शेयरधारकों के लिए बेहतर प्रतिफल में योगदान दे। दुरईस्वामी ने कहा कि हाल के समय में एलआईसी ने अपने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो की व्यापक समीक्षा शुरू की है, ताकि उससे मिलने वाले रिटर्न और आय का आकलन किया जा सके तथा सुधार की संभावनाएं तलाशी जा सकें। दुरईस्वामी ने कहा कि इस विस्तृत समीक्षा का उद्देश्य पॉलिसीधारकों के लिए बेहतर प्रतिफल सुनिश्चित करने के साथ कंपनी की कुल लाभप्रदता को मजबूत करना है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए किसी लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कोई निश्चित लक्ष्य तय नहीं किया गया है, लेकिन मौजूदा स्थिति से बेहतर प्रदर्शन करने पर जोर है।

### केंद्र की एलआईसी में हिस्सेदारी घटाने की तैयारी

केंद्र सरकार द्वारा एलआईसी में हिस्सेदारी और घटाने की तैयारी के सवाल पर उन्होंने कहा, ''हम पहले दिन से इसके लिए तैयार हैं। जब हमने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी शुरू की थी, तभी से भविष्य की ऐसी कार्रवाइयों के लिए भी तैयार थे। हालांकि, अंतिम फैसला सरकार को लेना है।''

## अंबानी के लिए लाभांश ही कमाई का मुख्य जरिया बना हुआ

# मुकेश अंबानी ने लगातार छठे साल नहीं लिया कोई वेतन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- वेतन, भत्ते, सुविधाओं और सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में कोई राशि नहीं ली

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने लगातार छठे वर्ष अपनी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) से कोई वेतन नहीं लिया है। उनके लिए लाभांश ही कमाई का मुख्य जरिया बना हुआ है। कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 69 वर्षीय अंबानी ने वित्त वर्ष 2025-26 में वेतन, भत्ते, सुविधाओं और सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में कोई राशि नहीं ली। अंबानी ने वित्त वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक अपने वार्षिक पारिश्रमिक को 15 करोड़ रुपये पर सीमित रखा था।

### अंबानी दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति

करीब 100 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी की कमाई का मुख्य स्रोत लाभांश आय है। रिलायंस में उनकी सीधे तौर पर 1.61 करोड़ शेयर की हिस्सेदारी है, जिससे उन्हें वित्त वर्ष 2024-25 के लिए घोषित छह रुपये प्रति शेयर के लाभांश के आधार पर 9.66 करोड़ रुपये की लाभांश आय हुई।

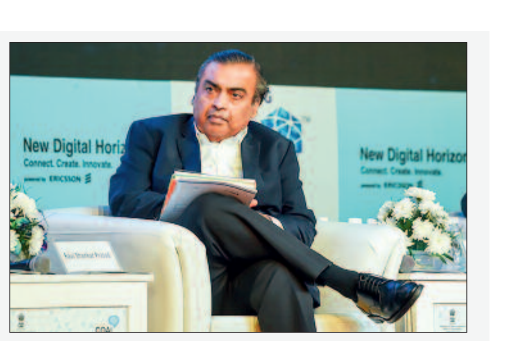


### अंबानी के तीनों बच्चों को भी कोई वेतन नहीं मिला

अंबानी के तीनों बच्चों ईशा, आकाश और अनंत को अक्टूबर, 2023 में निदेशक मंडल में शामिल किया गया था। हालांकि, इसके लिए उन्हें कोई वेतन नहीं मिला। उन्हें केवल बैठक शुल्क और मुनाफे पर कमीशन मिला। आकाश और ईशा को पांच-पांच लाख रुपये बैठक शुल्क और 2.5-2.5 करोड़ रुपये कमीशन मिला।

### कोविड महामारी के मद्देनजर स्वेच्छा से वेतन छोड़ा

इसके बाद वित्त वर्ष 2020-21 से उन्होंने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर स्वेच्छा से अपना वेतन छोड़ दिया था। उन्होंने तब यह निर्णय लिया था कि जब तक कंपनी और उसके सभी व्यवसाय अपनी पूर्ण कमाई क्षमता पर वापस नहीं आ जाते, वह वेतन नहीं लेंगे।

### कंपनी का बाजार मूल्य 18.19 लाख करोड़ रुपए

अंबानी ने पूरी तरह स्वैच्छिक रूप से अपने इस फैसले को वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24, 2024-25 और अब 2025-26 में भी जारी रखा है।

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

वैभव सूर्यवंशी
652 रन
राजस्थान

भुवनेश्वर कुमार
26 विकेट
बेंगलुरु

## फ्रेंच ओपन : महिला युगल से हटीं वीनस और हैली

पेरिस। सात बार की मेजर एकल विजेता वीनस विलियम्स और हैली बैप्टिस्ट की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के महिला युगल से हटने का फैसला किया। उन्होंने गुरुवार को हटने का फैसला किया और आयोजकों ने इसका कोई कारण नहीं बताया। लेकिन बैप्टिस्ट को बुधवार को वांग जियायू के खिलाफ अपने दूसरे दौर के एकल के दौरान बाएं पैर पर अजीब तरह से गिरने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

# सचिन ने वैभव को बताया चमत्कार तो सूर्यवंशी के जवाब ने जीत लिया दिल

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

आईपीएल में 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स को सिर्फ मैच ही नहीं जिताया, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत को उनका मुरीद बना दिया।

सचिन तेंदुलकर ने उनकी बल्लेबाजी को 'चमत्कार' बताया। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन्हें भविष्य का 'स्टार' कहा, जबकि युवराज सिंह ने नया निकनेम देते हुए उन्हें 'बॉस बेबी' बुलाया। वहीं मोहम्मद कैफ ने वैभव सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट का 'वंडर बॉय' करार दिया। खास बात यह रही कि वैभव सूर्यवंशी ने भी इन दिग्गजों की तारीफों का बेहद विनम्र और दिल जीत लेने वाले अंदाज में जवाब दिया। वैभव सूर्यवंशी के जवाबों ने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया।

### वैभव का बैट स्विंग जबरदस्त : सचिन

सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी का बैट स्विंग जबरदस्त रहा है। इससे भी ज्यादा कमाल की बात यह है कि वह लेग स्टम्प की ओर आती गेंदों पर कितनी खूबसूरती से अपना फ्रंट फुट हटाकर जगह बनाते हैं। इसी सहूलियत की वजह से वह उस तरह से खेल पाते हैं जैसा वह खेलते हैं। यह पारी किसी चमत्कार से कम नहीं थी!''

### यह किसी सपने जैसा : वैभव

सचिन तेंदुलकर की पोस्ट का जवाब देते हुए, वैभव सूर्यवंशी ने लिखा, 'धन्यवाद सर। मेरे लिए इसका बहुत बड़ा मतलब है। आपने भी लगभग इसी उम्र में खेलना शुरू किया था और अब मेरी उम्र में 15 साल का एक लड़का आपका आशीर्वाद पा रहा है। यह किसी सपने जैसा लग रहा है।'

### तुमने सबकी सांसें ही रोक दीं : सूर्यकुमार

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लिखा, 'हिम्मत बनाए रखो बच्चे। क्या शानदार पारी खेली है। तुमने सबकी सांसें ही रोक दीं थीं। एक बड़ा सितारा तैयार हो रहा है।

सूर्या को जवाब देते हुए वैभव सूर्यवंशी ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद कप्तान। आपके जैसे टी20 के बादशाह से ये सुनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मिस्टर 360, मैं भी आपसे वे कमाल के शॉट्स सीखना चाहूंगा।'

### 'बॉस बेबी' ने तोड़ा 'यूनिवर्स बॉस' का रिकॉर्ड : युवराज

युवराज सिंह ने लिखा, 'बॉस बेबी' ने 'यूनिवर्स बॉस' का रिकॉर्ड तोड़ दिया! अविश्वसनीय, यह बच्चा कमाल का है, इसे खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है। युवराज की पोस्ट पर वैभव सूर्यवंशी ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद युवी अंकल। आपसे 'बॉस बेबी' का खिताब मिलना मेरे लिए अब तक की सबसे बड़ी तारीफ है। मुझे अब भी इस बात का अफसोस है कि मैं तीन रन से अपने शतक से चूक गया, लेकिन इस बात की बहुत खुशी है कि हम मैच जीत गए!'

## क्वालीफायर-2 : आज शाम 7.30 बजे से गिल और सूर्यवंशी का आमना-सामना

# 'वंडर किड' को रोकने की चुनौती, जीटी के टॉप ऑर्डर को दिखाना होगा दमखम

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती 'वंडर किड' वैभव सूर्यवंशी के बल्ले पर अंकुश लगाने की होगी जबकि उनके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को भी आक्रामक खेल दिखाना होगा। दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में मोहम्मद सिराज ने शॉर्ट गेंद पर सूर्यवंशी को आउट किया था लेकिन इससे पहले उनकी गेंद पर शानदार छक्का पड़ा था। तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भी सूर्यवंशी ने नहीं बख्शा। पंद्रह बरस के इस बल्लेबाज ने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंद में 97 रन बनाए। बल्लेबाजों की मददगार इस पिच पर सूर्यवंशी एक बार फिर हर गेंद को पीटना चाहेंगे और गेंदबाज के रसूख की वह परवाह नहीं करते। इसलिए जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की गेंदों पर उन्होंने छक्के लगाए हैं।

### आरआर को करना होगा फिनिशिंग पर काम

कुछ मैचों में सूर्यवंशी शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे हैं और गुजरात के गेंदबाज इसी पर फोकस करना चाहेंगे। रॉयल्स की सफलता की कुंजी सूर्यवंशी और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर साबित हुए हैं। सूर्यवंशी के शानदार फॉर्म के आगे यशस्वी जायसवाल छिप से गए हैं। ध्रुव जुरेल ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की है। कप्तान रियान पराग ने कहा था कि रॉयल्स को बुधवार को 260 रन बनाने चाहिए थे लेकिन डैथ ओवरों में विकेट लगातार गिरते गए। उन्हें अपनी फिनिशिंग पर काम करना होगा।

### सुदर्शन के प्रदर्शन में निरंतरता

दूसरी ओर गुजरात के पास एक और आईपीएल फाइनल में पहुंचने का मौका है, जिसे पिछली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने हराया था। गुजरात की टीम बल्लेबाजी में शीर्ष तीन शुभमन गिल, साइ सुदर्शन और जोस बटलर पर निर्भर है। अगर ये नहीं चले तो बड़ा स्कोर बनना मुश्किल होगा। अगर रॉयल्स ने 250 से अधिक रन बना लिए तो गिल और सुदर्शन पर दबाव आ जाएगा। सुदर्शन के प्रदर्शन में निरंतरता है लेकिन वह पहली गेंद से पीट नहीं सकता।

### गुजरात की असली ताकत गेंदबाजी

गेंदबाजी गुजरात की ताकत है लेकिन धर्मशाला में आरसीबी के खिलाफ डैथ ओवरों में उसके गेंदबाज नहीं चले थे जब आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार पारी खेली थी। गुजरात को अपनी फील्डिंग में भी काफी सुधार करना होगा। पिछले मैच में राहुल तेवतिया का फॉर्म भी उसके लिए अच्छा संकेत है। भीषण गर्मी के बावजूद सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेटप्रेमियों के स्टेडियम में आने की उम्मीद है।

### आरआर के खिलाफ जीटी का रिकॉर्ड शानदार

आरआर के खिलाफ जीटी का रिकॉर्ड शानदार रहा है। आरआर और जीटी के बीच आईपीएल में अब तक कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 7 मुकाबलों में जीत जीटी के हाथ लगी है, जबकि राजस्थान रॉयल्स सिर्फ 3 मैच ही जीत सकी है। गुजरात टाइटंस अपने इस दमदार रिकॉर्ड को दूसरे क्वालीफायर में भी बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

**मैच का समय :** शाम 7.30 से

## सिंगापुर ओपन : क्वार्टर फाइनल में सिंधू और लक्ष्य, प्रणय हारे

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए।

सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी।

### अब लक्ष्य का सामना कोकी वातानाबे से

लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरुष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा।


ORIX

**ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड**

पंजीकृत कार्यालय: प्लॉट नंबर 94, मरोल सहकारी औद्योगिक एस्टेट, अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400059;
वेबसाइट: www.orixindia.com दूरभाष:- 022-67070100

**परिशिष्ट-IV-A [नियम 8(6) के परंतुक देखें]**
**अचल संपत्तियों की बिक्री की सूचना**

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रवर्तन सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 के अधीन अचल परिसंपत्तियों की नीलामी बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परंतुक के साथ पठित।

यह सूचना आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटर(ओं) को दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पास गिरवी/बंधक है और जिसका **भौतिक कब्जा** सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी, अर्थात ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा ले लिया गया है, को ''जैसा है जहां है'', ''जैसा है जो है'' और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। 17.06.2026 को ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड को नीचे उल्लिखित ऋणधारकों और सह-ऋणधारकों से देय राशि की वसूली की जाएगी। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि (ईएमडी) नीचे उल्लिखित अनुसार होंगी।

| ऋणधारकों और सह-ऋणधारकों के नाम<br>बकाया राशि<br>ऋण खाता संख्या<br>मांग सूचना की तिथि | संपत्ति/सुरक्षित परिसंपत्ति का विवरण | आरक्षित मूल्य (रुपये)<br>बयाना जमा (ईएमडी)<br>बोली/दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि<br>बोली वृद्धि राशि |
|---|---|---|
| 1. संजय सिंह ठाकुर<br>2. तोमन सिंह ठाकुर<br>3. सुधा ठाकुर<br>4. दीपा ठाकुर<br>दिनांक 12.05.2026 तक 1,72,94,636.61/- रुपये (एक करोड़ बहत्तर लाख चौरानवे हजार छत्तीस रुपये और इकसठ पैसे मात्र)<br>LN0000000018514 व LN0000000016236<br>26.11.2022 | मोहल्ला बजरंग नगर, रायपुर, तात्यापारा वार्ड नंबर 38, नगर पालिका मकान नंबर 38/265/327, प.ह.नं. 106 ए, खसरा स्टार नंबर 127 और 398 का भाग, खसरा स्टार नंबर 42, आरआईसी रायपुर, मौजा-रायपुर खास, तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित अचल संपत्ति का समस्त टुकड़ा व भाग, जिसका क्षेत्रफल 960 वर्ग फीट, चौहद्दी: उत्तर-स्वर्गीय महेश गुप्ता का घर, दक्षिण- गोहरी साहू के घर का पिछला भाग, पूर्व-नाली, पश्चिम: सार्वजनिक सड़क। | रुपये 69,30,000/- (उनसठ लाख तीस हजार रुपये मात्र)<br>रुपये 6,93,000/- (छह लाख तिरानवे हजार रुपये मात्र)<br>16.06.2026<br>रुपये 50,000/- (पचास हजार रुपये मात्र) |
| 1. संजय सिंह ठाकुर<br>2. तोमन सिंह ठाकुर<br>3. सुधा ठाकुर<br>4. दीपा ठाकुर<br>दिनांक 12.05.2026 तक रुपये 1,72, 94,636.61 ( एक करोड़ बहत्तर लाख चौरानवे हजार छत्तीस सौ इकसठ रुपये मात्र)<br>LN0000000018514 व LN0000000016236<br>26.11.2022 | मौजा-कुशालपुर, रायपुर खास, प.ह.नं. 106ए, ख.नं.1514/9, आरआईसी. रायपुर 1, वामन राव लाखे वार्ड नंबर 64, (शीतला नगर) तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और भाग। क्षेत्रफल 1015 वर्ग फुट है। चौहद्दी: उत्तर-सोनकर की भूमि, दक्षिण-सड़क, पूर्व: खुला मैदान, पश्चिम-मोती सिंह ठाकुर का घर। | रुपये 41,40,000/- (इकतालीस लाख चालीस हजार रुपये मात्र)<br>रुपये 4,14,000/- (चार लाख चौदह हजार रुपये मात्र)<br>16.06.2026<br>रुपये 50,000 (पचास हजार रुपये मात्र) |
| 1. संजय मेहता<br>2. रश्मि मेहता<br>12.05.2026 तक राशि: 81,80,013.56 रुपये (मात्र 81 लाख अस्सी हजार 13 रुपये छप्पन पैसे मात्र)<br>LN0000000013361<br>14.09.2022 | ब्लॉक ''2-बी'' की दूसरी मंजिल पर स्थित फैमिली यूनिट टाइप 201, जिसका क्षेत्रफल 900 वर्गफुट है। (सुपर बिल्ट-अप एरिया), ''साई सिमरन'' कॉन्डोमिनियम, खसरा नं. 65/3 व 65/27 वाली भूमि पर निर्मित, ग्राम: पुरैना, प.ह.नं. 113, वार्ड नंबर 45, रानी दुर्गावती वार्ड, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय रायपुर, शहर/तहसील व जिला: रायपुर (छ.ग.), चौहद्दी: उक्त यूनिट/फ्लैट की सीमाएँ: उत्तर- खुला क्षेत्र, पूर्व-खुला क्षेत्र, पश्चिम- फ्लैट नंबर 203, दक्षिण- फ्लैट नंबर 202, भूमि की सीमाएँ: उत्तर-सड़क, पूर्व-सड़क, पश्चिम-खुली भूमि, दक्षिण-मनदीप की भूमि। | रुपये 16,20,000/- (सोलह लाख बीस हजार रुपये मात्र)<br>रुपये 1,62,000/- (एक लाख बासठ हजार रुपये मात्र)<br>16.06.2026<br>रुपये 50,000/- (पचास हजार रुपये मात्र) |
| 1. जय कुमार चौहान<br>2. मनसुखलाल चौहान<br>3. दिव्या चौहान<br>12.05.2026 तक राशि: रुपये 88, 23,357.83 (केवल 88 लाख तेईस हजार तीन सौ संतावन रुपये तिरासी पैसे मात्र)<br>LN0000000017117<br>16.09.2022 | मौजा उरला वार्ड नंबर 56, प.ह.नं. 17, आर.आई.सी. दुर्ग-1, तहसील एवं जिला: दुर्ग (छ.ग.) में स्थित अचल संपत्ति खसरा नं. 845/300 का समस्त टुकड़ा व भाग जिसका क्षेत्रफल 139.40 वर्ग मीटर चौहद्दी: उत्तर-बलवीर सिंह गुप्ता की भूमि, पूर्व- 20 फीट कच्चा रास्ता, पश्चिम-बलवीर सिंह गुप्ता की भूमि, दक्षिण- महेश कुमार धनकर की भूमि। | रुपये 31,80,000/- (इकतीस लाख अस्सी हजार रुपये मात्र)<br>रुपये 3,18,000/- (तीन लाख अठारह हजार रुपये मात्र)<br>16.06.2026<br>50,000/- रुपये (पचास हजार रुपये मात्र) |
| 1. हेमंत कुमार सतुजा (श्री किशन चंद सतुजा के उपलब्ध कानूनी उत्तराधिकारी और सह-ऋणकर्ता के रूप में)<br>2. रानी देवी सतुजा (श्री किशन चंद सतुजा के उपलब्ध कानूनी उत्तराधिकारी और सह-ऋणकर्ता के रूप में)<br>12.05.2026 तक रुपये 3,72,79,441.85/- (तीन करोड़ बहत्तर लाख उन्यासी हजार चार सौ इकतालीस रुपये पचासी पैसे मात्र)<br>LN0000000015034<br>04.08.2022 | नेमीचंद गली, गंजपारा, वार्ड नंबर 5, तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.), छत्तीसगढ़ 492001 में स्थित नगर पालिका भवन नंबर 5/190, चौहद्दी: उत्तर - अन्य की संपत्ति, दक्षिण - सड़क, पूर्व - सड़क, पश्चिम - अन्य की संपत्ति। | रुपये 62,33,000/- (बासठ लाख तैंतीस हज़ार रुपये मात्र)<br>रुपये 6,23,300 (छह लाख तेईस हज़ार तीन सौ रुपये मात्र)<br>16.06.2026<br>50,000 रुपये (पचास हज़ार रुपये मात्र) |

बंधक रखी गई संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, इच्छुक बोलीदाता/खरीददार सोमवार से शनिवार तक कार्य समय के दौरान अधिकृत अधिकारी **श्री मनोज बोहरा (संपर्क विवरण: +91-7665018136)** से संपर्क कर सकते हैं।
बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक, यानी https://www.orixindia.com/sales-notice पर जाएं।
दिनांक: 28.05.2026

हस्ताक्षर- अधिकृत अधिकारी,
ओरिक्स लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया लिमिटेड


महिला टी20 विश्व कप

## अंपायर, मैच रेफरी का ऐलान चार भारतीयों को मिली जगह

एजेंसी ▶▶| दुबई

इंग्लैंड एवं वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करने के लिए आईसीसी ने 18 सदस्यीय महिला अधिकारियों की सूची जारी की है, जिसमें मैच रैफरी जीएस लक्ष्मी सहित चार भारतीय अंपायर शामिल हैं। यह लगातार तीसरा चरण होगा, जिसमें अधिकारियों के पैनल में सभी महिलाएं शामिल हैं। कैन्डेस ला बोर्ड, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शथीरा जाकिर जेसी पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। अंपायरों की सूची में दो अन्य भारतीय वृंदा राठी और जननी एन हैं।

**मैच अधिकारियों की सूची**

**अंपायर:** लॉरेन एजेनबाग, किम कॉटन, अन्ना हैरिस, शथीरा जाकिर जेसी, केरिन क्लास्टे, कैन्डेस ला बोर्ड, जननी एन, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सुजैन रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स, गायत्री वेणुगोपालन , मैच रेफरी: ट्रुडी एंडरसन, शांड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा।

नॉर्वे चेस

## प्रज्ञानानंदा ने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी कार्लसन को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

आर प्रज्ञानानंदा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को नॉर्वे शतरंज के तीसरे दौर के रोमांचक मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक ले लिए जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश का खराब फॉर्म जारी रहा। गुकेश को अलीरजा फिरोजा ने आर्मागेडन (सडन डैथ टाइब्रेकर) पर हराया चूंकि बाजी ड्रॉ रही थी।

इस साल टूर्नामेंट में कार्लसन चिर परिचित फॉर्म में नहीं दिख रहे थे लेकिन 7 बार के चैंपियन को उसके देश में हराना विश्व शतरंज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक रोमानिया में शानदार प्रदर्शन

करके आए प्रज्ञानानंदा ने उस लय को कायम रखा। इस जीत के बाद उनके 4.5 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। फिरोजा 7.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। गुकेश के 3.5 अंक है और वह छह खिलाड़ियों के ओपन वर्ग में चौथे स्थान पर हैं। कार्लसन 1.5 अंक लेकर छठे स्थान पर है। प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद कहा,'इस जीत में जश्न मनाने जैसा कुछ नहीं है। यह सिक्के की उछाल जैसा है, जिसमें मैं भी जीत सकता था और मैग्नस भी। मुझे इस प्रदर्शन पर बहुत गर्व नहीं है लेकिन खुश हूं कि पहले हाफ में अच्छा खेला लेकिन टाइम कंट्रोल में बाजी किसी भी तरफ जा सकती थी।'

## फ्रेंच ओपन : सिनर कई बार थकान के कारण क्ले कोर्ट पर झुके

# सिनर को कोर्ट पर खड़ा होना हुआ मुश्किल, दूसरे दौर में हारे

एजेंसी ▶▶| पेरिस

प्रबल दावेदार और शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी यानिक सिनर को फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में गर्मी से जूझना पड़ा, जिससे वह 56वीं रैंकिंग पर काबिज जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से 3-6, 2-6, 7-5, 6-1, 6-1 से हार गए। फरवरी से सिनर लगातार 30 मैच जीत रहे थे और उनसे उम्मीद थी कि वह यहां खिताब जीतकर अपने टेनिस कॅरियर का कॅरियर ग्रैंड स्लैम पूरा करेंगे, विशेषकर तब जब दो बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज दाहिनी कलाई में चोट लगने के कारण बाहर हैं। सिनर कई बार थकान के कारण क्ले कोर्ट पर झुक गए और चेंज ओवर पर हाथ के पंखे से खुद को ठंडा करने की कोशिश की और अपनी गर्दन के चारों ओर बर्फ के बैग रखे। मैच शुरू होने पर तापमान 29 डिग्री सेल्सियस था, जो बढ़कर 32 सेल्सियस हो गया। जब मैच खत्म हुआ तो सेरुंडोलो ने ज्यादा जश्न नहीं मनाया, बस भीड़ की तरफ थोड़ा हाथ हिलाया।

### ओसाका ने तीसरे राउंड में बनाई जगह

नाओमी ओसाका ने लगभग दो घंटे तक चले जोरदार बेसलाइन मुकाबलों के बाद, क्रोएशिया की डोना वेकिच को 7-6(1), 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ ओसाका ने तीसरे राउंड में जगह बना ली। ओसाका और डोना वेकिच के बीच खेला गया मुकाबला बेहद मुश्किल और संघर्षपूर्ण था। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेकिच ने ओसाका पर लगातार दबाव बनाए रखा और मैच की शुरुआत में अपनी सर्विस भी बचाए रखी। लेकिन, ओसाका ने टाई-ब्रेक के दौरान अपने खेल का स्तर उठाया और इसे 7-1 से जीता। दूसरे सेट में भी अपनी बढ़त बनाए रखते हुए उन्होंने अंतिम 32 में जगह बनाई। ओसाका तीसरे राउंड में अमेरिका की इवा जोविक से भिड़ेंगी।

# विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

झाड़ूराम देवांगन

# झाड़ूराम देवांगन

# पंडवानी के पितामह

लोकगाथा की विराट परंपरा में कुछ नाम केवल कलाकार नहीं होते, वे स्वयं एक युग बन जाते हैं। झाड़ूराम देवांगन ऐसा ही एक नाम हैं, जिन्होंने महाभारत की कथा को लोक की आत्मा से जोड़कर पंडवानी को गांव की चौपाल से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। उनकी आवाज में केवल कथा नहीं थी, उसमें छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक, लोकजीवन की संवेदना और भारतीय परंपरा की गूंज समाहित थी। उन्होंने पंडवानी को सिर्फ गाया नहीं, उसे जिया-अपने स्वर, अभिनय, हाव-भाव और अद्भुत कथावाचन शैली से उसे जन-जन की स्मृति का हिस्सा बना दिया। पंडवानी के "पितामह" कहे जाने वाले झाड़ूराम देवांगन ने उस लोककला को नई प्रतिष्ठा दी, जो कभी सीमित दायरों में सिमटी हुई थी। उनके शिष्यों और उनके द्वारा निर्मित परंपरा ने आगे चलकर पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को स्थापित किया। लोककला के प्रति उनकी साधना तपस्वी की तरह थी-स ादा जीवन, लोकमंच के प्रति समर्पण और कला के माध्यम से समाज को जोड़ने की अद्भुत क्षमता।झाड़ूराम जी का जीवन संघर्ष, साधना और सृजन की ऐसी अमिट गाथा है, जिसने पंडवानी को अमरता प्रदान की।

सुप्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा और तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह से सम्मान ग्रहण करते हुए।

तत्कालीन राष्ट्रपति आर वेंकटरमण से सम्मान ग्रहण करते हुए।

पंडवानी में अतुलनीय योगदान के लिए तुलसी एवं शिखर सम्मान प्राप्त हुआ।

## बचपन में सिर से उठा पिता का साया

झाड़ूराम जी का जन्म दुर्ग जिले के बासीन गांव में 1927 में हुआ। पिता हगरुराम देवागंन का रुझान भी कला-संस्कृति और गायन की तरफ था जिसका प्रभाव बालक झाड़ूराम पर पड़ा। एक साक्षात्कार में झाड़ूराम जी ने बताया कि मैं तीन साल का था तब से गाने बजाने में रुचि हुई। गांव में माता सेवा, जवारा सेवा, और फाग की मंडली के आगे पीछे घूमता था घर पर आकर दरवाजे को ढोलक के रुप में बजाते रहता था। इन भजनों का मुझ पर प्रभाव पड़ा। मेरी रुचि देखकर मेरे पिता ने मुझे ढोलक लाकर दी। मैं बड़ी तल्लीनता के साथ ढोलकर बजाया करता था । झाड़ूराम जी जब तीसरी कक्षा में थे तभी पिता हगरुराम का निधन हो गया । घर के आर्थिक हालात में गिरावट हुई। इसी दौरान घर में चोरी हुई जिसमें

बचा खुचा सामान भी चोरी हो गया । गांव के मालगुजार ने मालगुजारी नहीं देने पर भैंस जब्त कर ली । माता के प्रयासों से किसी तरह चौथी कक्षा तक पढ़ाई हो पाई। घर के हालात कुछ यूं थे कि जमीन थी परिवार के नाम थी नहीं और भैस भी मालगुजारी में जब्त हो गई। घर में माता अकेली थी गुजारे के लिए झाड़ूराम देवांगन अपनी बहन के घर दुर्ग जिले के नगपुरा चले गए। नगपुरा में बालक झाड़ूराम ने पैतृक व्यवसाय का काम सीखा शादी तो ढ़ाई साल की उम्र में हो गई थी। दो साल बाद फिर बासिन लौट आए और कपड़ा बुनने का व्यवसाय शुरु किया पहले पहल स्वतंत्र रुप से उन्होने लुगरा साड़ी बुनी जिसे मंगलू निषाद को उधारी एक रुपए में बेचा । मंगलू निषाद उन दिनों कलकत्ता जाकर सबल सिंह चौहान की लिखी महाभारत की एक प्रति खरीदकर लाया था उस किताब की कीमत तीन रुपए थी आखिरकार झाड़ूराम ने दो रुपए अतिरिक्त देकर वो किताब खरीद ली। तीन चार सालों में उन्होने पूरी महाभारत कंठस्थ कर ली। उन दिनों गांव के ही दुरुग सिंह ठाकुर महाभारत की सुंदर टीका किया करते थे। उस टीका को झाड़ूराम ध्यान से सुना करते थे और मनन करते थे। दुरुग सिंह ठाकुर को रामायण फाग मातासेवा और छत्तीसगढ़ी लोकगीतों का अच्छा ज्ञान था उनके बेटे लेखराम सिंह ठाकुर ने झाड़ूराम को पंडवानी के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया और झाड़ूराम जी के प्रेरणा स्त्रोत बने रहे।

## पंडवानी को दिया नया आयाम

झाड़ूराम जी किसी भी चौपाई की टीका तीन रुपों में करते हें- यथार्थ गूढ़ और मनोरंजक । टीका की यह शैली परिवेश पर आधारित होती है इसके मूल में ये धारणा निहित है कि पंडवानी की लोकरंजकता बनी रहे । झाड़ूराम देवांगन पंडवानी की धुनों को पंडवानी की मूल शैली रामे, रामे, रामे पर ही गाते हैं। किन्तु इस शैली को मात्राओं में गूंथते है। पक्की गायकी के इग में इसे एक नया रूप देते हैं। पक्की गायकी (शास्त्रीय गायन) में जिस तरह भाषा का उपयोग होता है ठीक उसी तरह पंडवानी में भी वे मात्राओं का उपयोग करते हैं इसे उदाहरण देकर इस तरह उच्चारण में शास्त्रीयता की दृष्टि से दीर्घ स्वरों का उपयोग उपरोक्त एक पंक्ति में हुआ है। झाड़ूराम जी इन सात मात्राओं का एक राग या एक पंक्ति मानते हैं यानी रामे एक मात्रा का पूर्ण शब्द है इन्ही मात्राओं तथा लोक रागों के आधार पर झाड़ूराम जी की संपूर्ण गायकी

आधारित है। सोबत करने वाले लोग इसी आधार पर संगीत की संरचना भी करते हैं। झाड़ूराम जी ने लगभग 32 रागों का अनुसंधान और निर्माण किया जिसका प्रयोग वे पंडवानी में करते हैं। अलग-अलग चौपाई दोहा में अलग-अलग रागों का प्रयोग करते हैं। राग एक ही होता है लेकिन उसकी त्वरा तथा गति अलग अलग मात्राओं के अनुसार होती है। सात मात्राओं के राग में गति अधिक होगी और 22 मात्राओं के राग की गति धीर गंभीर होती है। झाड़ूराम जी पंडवानी गायन के बीच-बीच में रामे, रामे, रामे, गा भाई की टेक अक्सर लेते हैं। इस टेक के दौरान वे पूर्व की कथा का समायोजन श्रोता/दर्शक के सम्पूर्ण मनोभाव का एकाग्रीकरण तथा नई कथा तथा धुन के प्रारंभ का संकेत देते हैं। ऐसा करने से सम्पूर्ण मूर्त कथा का अमूर्तरूप होते चलता है। ऐसे से दर्शक की एकरसता टूटती है। किन्तु उसके भावों की एकतानता बनी रहती है। साथ ही साथ कथा की बोझिलता से उसे मुक्ति भी मिलती है। झाड़ूराम जी किसी अभिनय विधान में बंधे हुए नहीं थें। किन्तु पंडवानी के अनुरूप उनके हाव भाव, हाथ-पैर, आंख नाक सिर और कपाल भी अभिनय करता है। पंडवानी के दौरान अपनी अभिनय सैली को झाड़ूराम जी ने खुद ही विकसित किया था। पंडवानी के दौरान हावभाव के साथ साथ पहनावे पर विशेष ध्यान रहता है। गायक का पहनावा जितना सामान्य और सामान्य जनता के करीब रहेगा उतनी ही ख्याति हासिल होती है। झाड़ूराम जी के शिष्य पूनाराम निषाद केवल छींट की घोती तथा गले में छार पहन कर पंडवानी गाते हैं। वहीं झाड़ूराम जी धोती और कुरता पहन कर ही पंडवानी गाते थे। झाड़ूराम जी अपनी सम्पूर्ण गायकी में सामान्य परिधान के कारण सामान्य जन से अलग अजीब आदमी नहीं लगते। यह भी एक कारण है जिसकी वजह से वे जन-जन में लोकप्रिय हुए थे।

बायीं ओर से रामनाथ यादव (रागी), स्व. पद्मश्री पुनाराम निषाद रिंगनी के साथ झाड़ूराम जी।

### शिष्य पुनाराम के लिए त्याग

झाड़ूराम जी ने अपने शिष्य के लिए त्याग का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। एक जगह उन्होंने बताया कि *'छत्तीसगढ़ी लोककला के लिए हबीब तनवीर ने मुझे दिल्ली चलने के लिए कहा तो मैंने अपने शिष्य पुनाराम को भेज दिया। पुनाराम दिल्ली में पांच साल तक रहे इसी बीच रायपुर में भी हबीब तनवीर ने वर्कशॉप का आयोजन किया। मैं भी अपनी पार्टी के साथ इसमें शामिल हुआ। एक दिन तनवीर ने अकेले में कहा दिल्ली चलो, पुनाराम को राष्ट्रपति पुरस्कार मिलने वाला है। वह आपको मिल सकता है तो मैंने कहा कि पुनाराम को राष्ट्रपति पुरस्कार मिलना चाहिए और जब तक पुनाराम को राष्ट्रपति पुरस्कार नहीं मिल गया मैं दिल्ली नहीं गया।'*

## देश-विदेश में फहराई पंडवानी की पताका

कम शिक्षा होने के बावजूद झाड़ूराम जी ने पंडवानी गायन को देश और प्रदेश की सीमाओं से बाहर सात समुंदर पार तक पहुंचाया। आकाशवाणी रायपुर में साल 1975 से लेकर साल 2000 तक पंडवानी कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवधि में देवांगन जी ने देश के विभिन्न शहरों भोपाल, उज्जैन, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता,सागर, बिलासपुर, रायपुर, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक में प्रोग्राम दिए। साल 1980-81 में झाड़ूराम इंग्लैड, इटली, फ्रांस, जर्मनी, रुस, अमेरिका ऑस्ट्रेलिया में जाकर कार्यक्रम दिए। 1982-83 में झाड़ूराम जी पर केंद्रीय मोनोग्राफ प्रकाशित किया गया। 1983-84 में मध्यप्रदेश शासन ने शिखर सम्मान, 1984-85 में तुलसी सम्मान से सम्मानित किया। 1986-87 में नई दिल्ली में फेलोशिप प्रदान किया। तत्कालीन राष्ट्रपति महोदय ने 1988 में संगीत नाटक अकादमी सम्मान से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ शासन ने 1 नवंबर 2000 को दाऊ मंदराजी लोकसम्मान से सम्मानित किया झाड़ूराम जी चाटूकारिता से दूर सरल सहज व्यक्ति थे।

दुर्ग में झाड़ूराम जी की स्मृति में स्कूल का हो रहा संचालित।

### मंडली में हर कलाकार की अपनी अहमियत

झाड़ूराम जी मंडली में हर व्यक्ति का अपना खास स्थान होता था जैसे रागी की भूमिका में होतें थे रामनाथ यादव। तीस साल से ज्यादा समय तक वे रागी की भूमिका में रहे। दुर्ग के कचांदूर के रहने वाले विक्रमदास ने तबला वादक की भूमिका निभाई थी। दुर्ग जिले के हरदी गांव के रहने वाले लखनलाल वर्मा ने हारमोनियम के साथ 25 सालों तक साथ निभाया उसी तरह बेंजो वादक के तौर पर झाड़ूराम जी के बेटे कुंजबिहारी ने साथ दिया। अपनी पंडवानी के लिए झाड़ूराम जी ने सबल सिंह चौहान कृत महाभारत को आधार बनाया। महाभारत की शास्त्र सम्मत कथा को लोकधुनों, रिवाजों में गूंथा और पंडवानी को उसके समस्त ग्रामीणतत्वों के साथ जनता के सामने प्रस्तुत किया।

## पुनाराम की यादों में गुरुजी

झाड़ूराम जी के शिष्यों में से एक पुनाराम निषाद अपने गुरु की याद में लिखते है कि मैं पिता लक्ष्मण निषाद के मार्गदर्शन में सबल सिंह चौहान लिखित महाभारत का अध्ययन कर रहा था। इसी बीच हमारे ग्राम रिंगनी से उत्तर दिशा में 4 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम नारधा में नौ दिवसीय पंडवानी का आयोजन हुआ था। जब मुझे पता चला नारधा ने महाभारत की कथा पंडवानी हो रही है, तब मेरे मन में भी देखने व सुनने की उत्कंठा हुई। मैं मंच के निकट ही बैठा रहा था। प्रथम उनके सहयोगियों ने तबला, हारमोनियम, क्लारनेट लेकर बयाना शुरु किया पश्चात गुरुजी ने रागी रामनाथ यादव के साथ गणेश वंदना एवं अन्य देवों का स्मरण किया। फिर महाभारत का आदि पर्व भीमसेन का अवत गमन, अमृतपान आदि की प्रस्तुति दी जिसे देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ और अगले चार दिनों लगातार पंडवानी के आदि पर्व प्रसंग सुनकर घर में आकर अभ्यास शुरु किया जब बासिन में मेरी मंडली का कार्यक्रम था तब गुरुजी ने अपने घर बुलाया और आशीर्वाद दिया इसी दिन से मैंने उन्हें गुरु के रूप में अपने हृदय में स्थान दिया।

## आधी रात को कहा अलविदा

झाड़ूराम देवांगन अपनी पंडवानी यात्रा का अंतिम कार्यक्रम दिनांक 5 नवंबर 2001 को रायपुर में लोक कला सम्मान की पूर्व संध्या पर प्रस्तुत किया था। पंडवानी के पितामह झाड़ूराम देवांगन 15 जून की रात दो बजकर 20 मिनट पर नश्वर संसार को अलविदा कहते हुए चिरनिद्रा में लीन हो गए। उनकी मृत्यु केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं थी, बल्कि वेदमती शैली के एक स्वर्ण युग का अंत था। उन्होंने एक क्षेत्रीय बोली की कथा को विश्व साहित्य के समकक्ष खड़ा कर दिया। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि एक बुनकर केवल कपड़ा नहीं बुनता, वह समाज के संस्कारों को भी बुनता है। झाड़ूराम देवांगन सही मायनों में 'पंडवानी के पितामह' थे-भीष्म की तरह अटल, ज्ञानी और अपनी परंपरा के प्रति समर्पित। जब तक छत्तीसगढ़ की माटी में महाभारत की गूँज रहेगी, तंबूरे की हर झनकार में झाड़ूराम देवांगन जीवित रहेंगे।

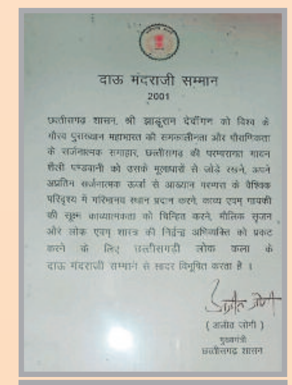


छग सरकार की तरफ से वर्ष 2001 दाऊ मंदरा जी सम्मान मिला।

शुक्रवार रात 7.55 बजे

### पंडवानी के 'भीष्म पितामह' थे झाड़ूराम जी

पंडवानी के महान कलाकार झाडूराम देवांगन को इस विधा का 'भीष्म पितामह' कहा जाता है। उन्होंने 12 वर्ष की आयु में पंडवानी गायन की शुरुआत की थी। अपनी अनूठी शैली और प्रभावशाली प्रस्तुति के जरिए विदेशों तक छत्तीसगढ़ की लोकगाथा को पहुंचाया।

-अरुण साव, उप मुख्यमंत्री,छत्तीसगढ़

### पंडवानी गायन से बनाई अपनी पहचान

मात्र 9 वर्ष की आयु में ही उनके पिता का निधन हो गया था, लेकिन कठिन परिस्थितियों के बावजूद पंडवानी गायन शुरू कर दिया। जीवन भर पंडवानी के लिए कार्य करते रहे।

-राजेश अग्रवाल, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

### पंडवानी के जरिए छत्तीसगढ़ की संस्कृति का प्रचार

मेरे शोध का विषय पंडवानी ही था। मै उनसे 1990 में मिला था मैने उनसे पूछा था कि वेदमति शैली को लेकर। उन्होने बताया कि इतवारी लाल साहू की पंडवानी शैली मुझे पसंद नहीं आई। इसी के बाद वेदमति शैली को अपनाया। पूरे जीवन भर पंडवानी के जरिए छत्तीसगढ़ की संस्कृति के प्रचार प्रसार में लगे रहे।

-डॉ. पीसी लाल यादव, वरिष्ठ साहित्यकार

### झाडूराम देवांगन ने वेदमती शैली को अपनाया

झाडूराम देवांगन के पिता भी समय-समय पर उनसे पंडवानी का गायन करवाते थे। उनके पिता पंडवानी को कपालिक शैली में प्रस्तुत करते थे, लेकिन झाडूराम जी ने इस परंपरा को नई दिशा देते हुए वेदमती शैली को अपनाया। उन्होंने वेदों का अध्ययन कर पंडवानी गायन को ज्ञान, अध्यात्म और लोक संस्कृति से जोड़ते हुए अपनी अलग पहचान बनाई।

-रामकुमार वर्मा, जनजातीय शोधार्थी लोकसंस्कृति कर्मी

### जीवन भर पंडवानी के लिए समर्पित रहे

मेरे पिता ने जीवन भर पंडवानी के लिए कार्य किया। अपने सिद्धातों के प्रति अटल रहे। उनके शिष्य भी वेदमति के प्रचार प्रसार में लगे हुए है। जीवन में सभी उतार चढ़ाव को झेला लेकिन अपनी कला यात्रा और पंडवानी की साधना को कभी थमने नहीं दिया ।

-कुंजबिहारी देवांगन, झाड़ूराम जी के पुत्र

### महाभारत कथा का गहन अध्ययन किया

पिता के देहांत के बाद उन्होंने पारंपरिक ग्रामीण वातावरण में रहकर लोकगीत और पंडवानी गायन को आगे बढ़ाया। उन्होंने पंडवानी को अधिक प्रभावशाली और कथात्मक बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए।

-डॉ. विनय कुमार पाठक
वरिष्ठ साहित्यकार

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com